वर्ष : 16 ❖ अंक : 328 ❖ पृष्ठ : 08 ❖ मूल्य : ₹ 3.00 ❖ आरएनआई सं. SIKHIN/2006/17890 ❖ www.anugamini.com

सिक्किम से प्रकाशित प्रथम हिन्दी दैनिक

अनुगामिनी

गंगटोक
सोमवार, 11 जुलाई 2022

गांव कर सकते हैं बदलाव का नेतृत्व : पीएम मोदी 3

बागियों में चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं : आदित्य ठाकरे 8

ज्ञान को आपसे कोई नहीं छीन सकता है : सीएम

अनुगामिनी का.सं.

पाकिम, 10 जुलाई । मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) के साथ कृष्णा राई ने आज दुगा राजकीय माध्यमिक विद्यालय, रंगपो में 'सिक्किम ज्ञान मंच सीजन 1' कार्यक्रम के ग्रैंड फिनाले सह समापन समारोह में हिस्सा लिया।

सिक्किम ज्ञान मंच (एसजीएम) एक गैर सरकारी संगठन है जिसे सेवानिवृत्त सरकारी अधिकारियों द्वारा ज्ञान साझा करने, छिपी प्रतिभा को बढ़ावा देने और उजागर करने और समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों से प्रेरक भाषण प्रदान करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है। 12 दिसंबर, 2021 से शुरू हुए सीजन 1 में कुल 15 एपिसोड थे, जहां विभिन्न स्कूलों में विभिन्न बहसें हुईं। पिछले कार्यक्रमों में विशिष्ट व्यक्तियों को भी सम्मानित किया गया। इस वर्ष के सत्र का मुख्य विषय 'कार्य संस्कृति और अनुशासन' था। कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि एसजीएम सीजन 1 का पहला एपिसोड आज से टीवी, यूट्यूब और फेसबुक जैसे विभिन्न मीडिया आउटलेट्स पर रिलीज किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान सोरेंग की मनिता प्रधान (पर्वतारोही) और हिमालय फार्मास्युटिकल इंस्टीट्यूट के संस्थापक और निदेशक डॉ. छेत्री को मुख्यमंत्री के हाथों सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री नवनीत छेत्री, व्याख्याता, सीसीसीटी द्वारा लिखित पुस्तक 'इंट्रोडक्शन टू अर्थक्वेक इंजीनियरिंग एंड बेसिस ऑफ फ्लूइड मैकेनिक्स' का विमोचन भी शामिल था। ग्रैंड फिनाले वाद-विवाद प्रतियोगिता पंचरत्न, तुमिन लिंगी (पक्ष) और द रेनेसां, रेनॉक (विपक्ष) के बीच 'जानवरों को मानव के समान अधिकार होने चाहिए' विषय पर हुई।

वाद-विवाद विजेता, डुगा एसएस की दसवीं कक्षा के टॉपर सहित अन्य लोगों को मुख्यमंत्री के हाथों विभिन्न पुरस्कार और प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। मुख्यमंत्री ने एसजीएम को उनके प्रयास के लिए 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता भी दी।

अध्यक्ष एलबी दास ने अपने संबोधन में सिक्किम ज्ञान मंच की स्थापना के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी। उन्होंने युवाओं से जीवन में सफल होने के लिए समर्पण, ईमानदारी और लगन से काम करने का अनुरोध किया। साथ ही उन्होंने युवाओं को किसी भी विषय की गहराई में जाकर ही किसी निष्कर्ष पर पहुंचने की सलाह दी। उन्होंने जापान का उदाहरण देते हुए 'कार्य, संस्कृति और अनुशासन' के बारे में बात की, जिसने विश्व युद्ध 2 में दो परमाणु बम हमलों के बावजूद खुद को एक आर्थिक महाशक्ति के रूप में स्थापित किया।

मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग (गोले) ने अपने भाषण में सिक्किम ज्ञान मंच के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि आज की सभा बुद्धिजीवियों और समाज के लिए है। समाज के लिए कुछ अनोखा आयोजन कर यह संस्था बहुत अच्छा काम कर रही है। उन्होंने कहा कि आज के कार्यक्रम से उन्होंने बहुत कुछ सीखा है और कहा कि ज्ञान एक ऐसी चीज है जिसे आपसे कोई नहीं छीन सकता। उन्होंने कहा कि सम्मान समाज के लिए कुछ करने के लिए विशिष्ट गणमान्य व्यक्तियों को पहचान दिलाने के लिए है और यह परंपरा उन्हें प्रेरित करती रहेगी। मुख्यमंत्री ने ज्ञान के प्रसार को लेकर एसजीएम द्वारा किए गए कार्यों की भी सराहना की।

उन्होंने दूध उत्पादन में वृद्धि, सब्जी/फल/दूध में प्रोत्साहन राशि प्रदान किए जाने, गंभीर रोगियों को आर्थिक मदद, सीएमएमएएस, सीएम छात्रवृत्ति योजना, नर बहादुर छात्रवृत्ति योजना, अम्मा योजना आदि की चर्चा की और सिक्किम में हो रहे विकास से भी अवगत कराया। उन्होंने कहा कि सभी जिलों में डिग्री कॉलेज होंगे। अस्पतालों से काफी दूर कॉलेजों में एम्बुलेंस और औषधालयों की सुविधा मुहैया कराई जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि सरकार विकास कार्यों में जनता की सहायता करने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने सभा को यह भी बताया कि सिक्किम को 'जल जीवन मिशन' के लिए भारत में नंबर 1 स्थान पर घोषित किया गया है।

सिक्किम ज्ञान मंच सीजन 1 के ग्रैंड फिनाले में मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव जैकब खालिंग, क्षेत्र के विधायक नामचायबोंग-एम प्रसाद शर्मा, क्षेत्र विधायक रेनॉक- विष्णु कुमार खातिवड़ा आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

राज्य में कोरोना के 29 नए मामले

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 जुलाई । स्वास्थ्य विभाग ने रविवार को एक बुलेटिन में कहा कि सिक्किम में कोविड के 29 नए मामले सामने आए जो पिछले दिन की तुलना में 30 कम हैं।

पूर्व सिक्किम में 13, इसके बाद पश्चिम सिक्किम में सात, दक्षिण सिक्किम में पांच और उत्तर सिक्किम में चार नए संक्रमण सामने आए। राज्य में अब 162 सक्रिय मामले हैं, जबकि 38,047 इस लोग बीमारी से उबर चुके हैं और 764 अन्य लोग बाहर चले गए हैं। बुलेटिन में कहा गया है कि कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या 457 पर स्थिर रही।

जेएसी की विरोध रैली स्थगित

मुख्य सचिव के खिलाफ जारी रहेगा ऑनलाइन अभियान : पासांग शेरपा

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 जुलाई । सिक्किम में भ्रष्टाचार के खिलाफ संयुक्त कार्रवाई समिति (जेएसी) ने सोमवार को होने वाली एमजी मार्ग पर अपनी शांतिपूर्ण विरोध रैली स्थगित कर दी है, लेकिन भ्रष्टाचार के आरोपों पर राज्य के मुख्य सचिव एससी गुप्ता के खिलाफ एक ऑनलाइन विरोध के माध्यम से अपना आंदोलन जारी रखेगी। यह जानकारी जेएसी के प्रवक्ता पांसाग शेरपा ने यहां संवाददाताओं से बात करते हुए कही।

उनहेंने कहा कि हम कानून का पालन करने वाले नागरिक हैं और कोविड प्रोटोकॉल और सीआरपीसी की धारा 144 का पालन करेंगे। हमारी जेएसी की बैठक ने आज 11 जुलाई को शांतिपूर्ण विरोध रैली को कुछ दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया है। लेकिन हमने अपना आंदोलन स्थगित नहीं किया है। हम लोगों से मुख्य सचिव एससी गुप्ता के खिलाफ आनलाइन अभियान जारी रखने की अपील करते हैं। यह आंदोलन तब तक जारी रहेगा जबतक सरकार मुख्य सचिव को बर्खास्त नहीं कर देती है।

ज्ञात हो कि सिक्किम नागरिक समाज ने मुख्य सचिव के खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप लगाया था और इसे लेकर शिकायत भी दर्ज कराई थी। सात जुलाई को विपक्षी दलों तथा कुछ गैर सरकारी संगठनों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज बुलंद करने के लिए संयक्त कार्रवाई समिति का गठन किया था। जेएसी ने अपनी पहली बैठक के बाद 11 जुलाई को राज्य के मुख्य सचिव को बर्खास्त करने की मांग करते हुए शांतिपूर्ण विरोध रैली की घोषणा की।

हालांकि, शुक्रवार को गंगटोक के जिला मजिस्ट्रेट ने एमजी मार्ग और राज्य की राजधानी के अन्य क्षेत्रों में सीआरपीसी की धारा 144 के तहत 9 से 12 जुलाई तक निषेधाज्ञा लागू कर दी। इस अवधि के दौरान किसी भी तरह की रैली, नारेबाजी, विरोध या धरना गतिविधियों की अनुमति नहीं है। उसी दिन, राज्य के गृह विभाग ने कोविड के मामलों में वृद्धि के बाद, एक अधिसूचना जारी कर फेस मास्क पहनना और सामाजिक दूरी का पालन करना अनिवार्य कर दिया।

प्रेस मीट में, जेएसी के प्रवक्ता ने कहा कि समिति को 11 जुलाई की रैली के लिए राजनीतिक दलों, सामाजिक संगठनों और व्यक्तियों से अभूतपूर्व समर्थन मिला था। हालांकि, राज्य सरकार ने दो अधिसूचनाएं जारी की हैं- एक सिक्किम में कोविड प्रोटोकॉल के बारे में और दूसरी एमजी मार्ग में सीआरपीसी की धारा 144 लागू करना है। धारा 144 लगाकर वे आरोपियों को बचाने और लोगों की आवाज दबाने की कोशिश कर रहे हैं। जाहिर है कि जनता इस लड़ाई को पहले ही जीत चुकी है क्योंकि हम सरकार को जो संदेश देना चाहते थे, वह पहले ही पहुंच चुका है। सरकार ने रैली स्थल पर धारा 144 लागू कर स्पष्ट कर दिया है कि वह जनता के साथ नहीं बल्कि भ्रष्टाचारियों के साथ खड़ी है।

पासांग ने कहा कि कि यहां तक कि सुप्रीम कोर्ट ने भी फैसला दिया था कि सीआरपीसी की धारा 144 के तहत विरोध करने के मौलिक अधिकार का दमन नहीं किया जाना चाहिए। लेकिन सरकार ने इस मौलिक अधिकार को कुचल दिया जो दर्शाता है कि सरकार कायर है, भ्रष्टों को बचा रही है और लोगों की आवाज नहीं सुनती है, उन्होंने आरोप लगाया कि जेएसी धारा 144 लागू करने की कड़ी निंदा करती है।

कोविड प्रोटोकॉल पर, पासांग ने कहा कि जेएसी निगरानी करेगा कि क्या राज्य सरकार अपने स्वयं के आदेशों (शेष पृष्ठ ०३ पर)

शिव-पार्वती बन नाटक करना अपराध नहीं : हिमंत सरमा

गुवाहाटी, 10 जुलाई (एजेन्सी)। कनाडा के फिल्ममेकर द्वारा देवी काली का विवादित पोस्टर जारी करने के बाद बवाल अभी थमा नहीं है। इस बीच असम में भगवान शिव और पार्वती का रूप बनाकर नुक्कड़ नाटक करने वाले शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि उसे बाद में नोटिस देकर छोड़ दिया गया। इस मामले में सीएम हिमंत बिस्वा सरमा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि भगवान की ड्रेस पहनकर नुक्कड़ नाटक करना कोई ईशनिंदा नहीं है। हालांकि इस का ध्यान रखा जाए कि आपत्तिजनक बातें और हरकतें न की जाएं।

सरमा ने एक ट्वीट में कहा, 'मैं नवरूप सिंह से सहमत हूं कि समसामयिक मुद्दों पर नुक्कड़ नाटक करना ईशनिंदा नहीं है। जब तक कि आपराधिक भाषा न बोली जाए भगवान की ड्रेस पहनना भी अपराध नहीं है। नागांव पुलिस को उचित आदेश दे दिए गए हैं।' बता दें कि घटना शनिवार सुबह की है जब नागांव की सड़क पर मोटरसाइकल पर सवार होकर 'शिव और पार्वती' निकले। रास्ते में उन्होंने बाइक रोकी और कहा, इसमें पेट्रोल खत्म हो गया है। इस बात को लेकर शिव और पार्वती का नाटक करने वाले दोनों में बातचीत होने लगी। लोग इस नाटक को देखने के लिए जमा हो गए।

हिंदू संगठनों ने इसकी शिकायत की तो पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। शिव का नाटक करने वाले ऐक्टर का नाम ब्रिनिका बोरा और पार्वती की ऐक्टिंग करने वाली महिला का नाम पारिस्मिता दास बताया गया (शेष पृष्ठ ०३ पर)

युवाओं की भावनाओं से खिलवाड़ बंद करे सरकार : चामलिंग

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 जुलाई । पवन चामलिंग ने इस बात पर नाराजगी व्यक्त की कि कैसे एसकेएम सरकार बदला लेने के लिए लोगों को उनकी सरकारी नौकरी से बेरहमी से निकाल रही है। उनका कहना है कि एसकेएम नेता श्री पीएस गोले के मन बदला है और परिवर्तन का उनका नारा बदला लेने के अलावा और कुछ नहीं है। पवन चामलिंग ने एसकेएम सरकार को युवाओं की भावनाओं से खिलवाड़ बंद करने की सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने उन्हें एसडीएफ सरकार द्वारा शुरू किए गए युवा संबंधित कार्यक्रमों और योजनाओं को पुनर्जीवित करने और जारी रखने की सलाह दी है। उन्होंने साप्ताहिक प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम में यह बात कही।

उनसे पूछा गया था कि एक परिवार एक नौकरी के तहत नौकरी पाने वालों की नौकरी क्यों समाप्त की जा रही है और उन्हें वेतन क्यों नहीं मिल रहा है। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो एसकेएम सरकार के क्रूर रवैये और क्रूर कार्यों की निंदा करने के लिए और दुख व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं। लोकतंत्र में, सरकार लोगों की शांति, समृद्धि और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए होती है। लेकिन सिक्किम में यह सरकार सिक्किम के लोगों को असहाय और असुरक्षित महसूस कराने के मिशन पर है। एक ऐसी सरकार की क्रूरता के बारे में सोचिए जो गरीब लोगों को उनकी नौकरी से निकालती है। एसकेएम सरकार 2019 में अपनी स्थापना के समय से ही लोगों को नौकरी से निकाल रही है। मेरे पास सारे रिकॉर्ड हैं। सरकार समय पर वेतन देने में भी विफल रही है।

पवन चामलिंग ने कहा कि मैं इस दयनीय और असंवेदनशील एसकेएम नेतृत्व को सिक्किम के युवाओं के साथ इस क्रूर खेल को खेलना बंद करने के लिए बहुत सख्त चेतावनी देना चाहता हूं। वे युवाओं की भावनाओं से खिलवाड़ कर सत्ता में आए। यह सरकार अज्ञानी, द्वेषपूर्ण, अदूरदर्शी, असहिष्णु, प्रतिशोधी और पूरी तरह से अक्षम है। एसकेएम सरकार से तीस हजार नौकरियां पैदा करने की उम्मीद करना बंदर को टाइपराइटर देने और उससे कविता लिखने की उम्मीद करने जैसा है। ठीक है, हम मानते हैं कि वे नए रोजगार कार्यक्रम शुरू नहीं कर सकते लेकिन परिवर्तन के नाम पर पहले शुरू किए गए ऐसे कार्यक्रम को तो बंद न करें। वे इस तथ्य को बर्दाश्त नहीं कर सकते कि एसडीएफ सरकार ने ओएफओजे जैसी योजना से पहले कभी नहीं की गई राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित योजना को सफलतापूर्वक लागू किया।

पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने कहा कि मुख्यमंत्री पीएस गोले युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। वे युवाओं को खुलेआम मुझ पर और विपक्ष पर हमला करने को कहते हैं। वह उन्हें विपक्षी दलों पर पथराव, हमला और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करने की आज्ञा देते हैं। वह युवाओं को उनकी क्रूरता के आधार पर पार्टी में बढ़ावा देते हैं। हमलावरों के पास पार्टी रैंक में ऊपर जाने का सबसे बड़ा मौका है।

कई बेरोजगार युवाओं को पूरी तरह से उनकी दया और अपने परिवार की दया पर निर्भर रहना पड़ता है। उनका काम विपक्षी दलों और मुखर नागरिकों पर हमला करना, गंदे सोशल मीडिया अभियान चलाना और कुछ नकली आईडी भी चलाना और सीएम गोले का पक्ष अर्जित करना है। इन युवाओं के भविष्य की कल्पना करें और भविष्य में सिक्किम की युवा संस्कृति की कल्पना करें।

उन्होंने दावा किया कि कई युवा जो पिछली सरकार में ठेके पर काम करते थ, भारी आर्थिक संकट और मानसिक प्रताड़ना से गुजर रहे हैं क्योंकि उनके बिल जानबूझकर रोके गए हैं। श्री गोले प्रतिशोध के राजा हैं। बदला उनके दिमाग और खून में है। क्रांतिकारी मोर्चा की क्रांति प्रतिशोध है। कई पूर्व एसडीएफ युवाओं ने अपने अस्तित्व के लिए एसकेएम की भाषा बोलना शुरू कर दिया है। मैं उनकी मजबूरी जानता हूं। एसडीएफ सरकार द्वारा शुरू किए गए सीएम स्टार्ट-अप फंड को खत्म कर दिया गया है। सैकड़ों बाहरी लोगों को लग्जरी कार के परमिट दिए गए हैं। साढ़े तीन साल में नियमित सरकारी नौकरी के लिए एक भी इंटरव्यू नहीं हुआ। हमारे शासन के दौरान, हम राजपत्रित पदों के लिए वार्षिक साक्षात्कार और अराजपत्रित पदों के लिए मासिक साक्षात्कार आयोजित करते थे। क्षमता निर्माण कार्यक्रम 2003 में शुरू हुआ। यह भारत में अपनी तरह का पहला था, लेकिन अब

करफेक्टार में इस संस्थान को बंद कर इसे निजी कंपनी को बेच दिया गया है। लगभग 50 आजीविका विद्यालय जो हमने खोले थे, अब बंद कर दिए गए हैं।

उन्होंने कहा कि मैं एसकेएम सरकार को सख्त चेतावनी देता हूं कि वह अभी सिक्किम के कर्मचारियों को नौकरी से हटाना बंद करे और उन सभी को बहाल करे जिन्हें उनकी नौकरी से हटा दिया गया है। मैं सिक्किम के सभी कर्मचारियों से अपील करता हूं कि वे अपनी चिंताओं को एक साथ उठाएं और अपनी नौकरी की सुरक्षा को लेकर घबराएं नहीं। जब हम 2024 में वापस आएंगे तो हम न्याय देंगे। इस तथ्य के प्रति आश्वस्त रहें और अपने काम पर ध्यान केंद्रित रखें।

केंद्र सरकार ने लागू की है अनेक कल्याणकारी योजनाएं : केंद्रीय मंत्री सिंह

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 जुलाई । सिक्किम के अपने तीन दिवसीय दौरे के दौरान केंद्रीय शिक्षा और विदेश राज्य मंत्री डॉ. प्रिंस रंजन सिंह ने आज नामची जिले के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और पार्टी के सांगठनिक कार्यक्रमों में भी शिरकत की। यात्रा के दौरान राज्य मंत्री के साथ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष श्री डीबी चौहान, विधायक श्रीमती राजकुमारी थापा, श्रीमती फरवंती तमांग, उपाध्यक्ष श्री अर्जुन राई एवं अन्य राज्य कार्यसमिति सदस्य एवं नामची जिला समिति के अधिकारी मौजूद थे। आज की यात्रा के दौरान उन्होंने नामची के सोलोफोक में चारधाम में पूजा और अभिषेक कर संपूर्ण मानव जाति के कल्याण की कामना की। यह जानकारी प्रदेश भाजपा प्रवक्ता डा राजू गिरी ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी।

विज्ञप्ति के अनुसार, दूसरे चरण में मंत्री सिंह ने राबांगला में भाजपा कार्यालय में जिले के विभिन्न हिस्सों के कार्यकर्ताओं और नागरिक समाज के सदस्यों के साथ बैठक की। इस दौरान उन्होंने विभिन्न संगठनात्मक ढांचे और कार्यक्रमों का जायजा लिया और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने के लिए विभिन्न उपाय और सुझाव दिए। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर पार्टी को सफलता के शिखर पर ले जाने का आह्वान किया।

सभा को संबोधित करते हुए मंत्री रंजन सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार लोगों के लिए विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं को लागू करके गरीबों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए मजबूत पहल कर रही है। यह कहते हुए कि मोदी सरकार के आठ वर्षों में सिक्किम का भी सर्वांगीण विकास हो रहा है, उन्होंने उपस्थित कार्यकर्ताओं को राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के व्यापक विस्तार, हवाई अड्डों के संचालन और रेलवे में हो रही प्रगति से अवगत कराया।

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क संपर्क सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है, उन्होंने कहा कि पिछले आठ वर्षों में सिक्किम में 1100 किलोमीटर से अधिक ग्रामीण सड़कों का निर्माण किया गया है।

इसी तरह शिक्षा के क्षेत्र में नई शिक्षा नीति के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि यह दशकों तक उसी शिक्षा प्रणाली को बदलने में मील का पत्थर साबित होगी।

उन्होंने कहा कि मोदी सरकार उच्च प्राथमिकता के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र को सर्वांगीण विकास की मुख्य धारा में लाने की पहल कर रही है और पिछले आठ वर्षों में इसकी सफलता के विभिन्न उदाहरण दिए। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने खासकर पूर्वोत्तर राज्यों में हिंसा को खत्म कर शांति और विकास की बहाली के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है।

बैठक को प्रदेश अध्यक्ष श्री डीबी चौहान, (शेष पृष्ठ ०३ पर)

हिमवीर वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन की ओर से ट्रैकिंग आयोजित

अनुगामिनी का.सं.

गंगटोक, 10 जुलाई । भारत की आजादी के 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर 'आजादी का अमृत महोत्सव' के तहत हिमवीर वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन (हावा), 13 वाहिनी भातिसीपु लिंगडम द्वारा वाहिनी मुख्यालय से रे-मोनेस्टरी तक ट्रैकिंग अभियान का आयोजन किया गया। जिसमें वाहिनी की सभी हावा सदस्याओं तथा बच्चों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

इस अवसर पर चंदन सिंह भण्डारी, सेनानी द्वारा अवगत करवाया गया है कि आज यह ट्रैकिंग अभियान केन्द्रीय हावा कार्यालय, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में आजादी का अमृत महोत्सव को मनाने के क्रम में एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति स्थानीय महिलाओं, बच्चो एवं युवाओं के बीच जागरुकता लाने के उददेश्य से किया गया।

उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों के जवानों के परिवारों में माताओं की भूमिका और जिम्मेवारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। चूंकि हमारे जवान अपने परिवारों को ज्यादा समय नही दे पाते हैं।

उन्होंने कहा कि जब नारी शिक्षित होती है तो इससे पूरी पीढी शिक्षित होती है।

समाज की उन्नति उस समाज की महिलाओं की उन्नति से निश्चित होती है। यह सब स्वस्थ रहने से ही संम्भव हो सकता है अत: हमें स्वस्थ रहना है और स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन कम से कम 40 मिनट प्रात: काल सैर, व्यायाम, योग इत्यादि करते रहना होगा।

हिमवीर वाइव्स वेलफेयर एसोसिएशन आईटीबीपी की एक स्वतंत्र शाखा है जो बल परिवारों के उत्थान और समाज में उनकी स्थिति को और बेहतर करने की दिशा में विभिन्न कार्यक्रमों जैसे चिकित्सा शिविरों का आयोजन करना, परिवार नियोजन, स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता फैलाना, खेल-कूद प्रतियोगिता, पौधे लगाना, बल कर्मियों के परिवारों के लिए विभिन्न व्यवसायिक कोर्स का आयोजन जैसे कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है।

कांग्रेस पर हमलावर हुए सिंधिया, कहा- कांग्रेस खुद के गिरेबान में झांके, दोष ईवीएम पर मढ़ना पुरानी आदत

जबलपुर, 10 जुलाई (एजेन्सी)। कांग्रेस जब भी हार सामने देखती है तो ईवीएम से छेड़छाड़ का बहाना बनाने लगती है। ये सब बहाने पुराने हो चुके हैं। कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए कि आज उसकी हालत ऐसी क्यों है।

यह बात केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने जबलपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से चर्चा के दौरान कही। कटनी में होने वाले नगरीय निकाय चुनाव में प्रचार करने के लिए जा रहे ज्योतिरादित्य सिंधिया कुछ देर के लिए डुमना एयरपोर्ट पर रुके।

डिया से चर्चा करते हुए सिंधिया ने कहा कि कांग्रेस को अपने गिरेबान में झांक कर देखना चाहिए कि आज उसकी हालत ऐसी क्यों है। साख खुद की खराब हुई है और वह दोष ईवीएम पर मढ़ती है। उन्होंने विश्वास जताया कि प्रदेश में हो रहे नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा प्रत्याशियों की प्रचंड मतों से जीत होगी। अभी प्रदेश में जो डबल इंजिन की सरकार है, वह इस चुनाव के बाद ट्रिपल इंजिन की हो जाएगी। सिंधिया ने अमरनाथ यात्रा के दौरान बादल फटने से वजह से हुई दर्जनों तीर्थ यात्रियों की मृत्यु पर दुख भी जताया।

मिशनरी आधार पर संगठन को तैयार करें कार्यकर्ता : मायावती

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेन्सी)। बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने संगठन के पदाधिकारियों को विश्वासघाती व बिकाऊ लोगों को पूरी तरह से दूर रखते हुए ज्यादातर मिशनरी आधार पर ही पार्टी व संगठन को तैयार करने की सख़्त हिदायत दी है। रविवार को उन्होनें राजस्थान प्रदेश पार्टी के स्टेट व ज़िलों के वरिष्ठ पदाधिकारियों की बैठक में राजनीतिक गतिविधियों, वहाँ के साम्प्रदायिक हालात, विधानसभा आमचुनाव की तैयारियों, पार्टी संगठन के कार्यकलापों, जनाधार को बढ़ाने के सम्बन्ध में सक्रियता आदि के बारे में विस्तार से चर्चा व गहन समीक्षा की।

उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी कांग्रेस पार्टी, भाजपा से मुस्तैदी से लड़ने की वजाय, खासकर बी.एस.पी. को ही तरह-तरह से आघात पहुँचाने व पार्टी विधायकों को तोड़ने आदि के स्वार्थ में ही लगी रहती है, जिसके प्रति आगे समुचित सावधानी जरूरी है। उन्होंने कहा कि उदयपुर की घटना कोलेकर जहां कांग्रेस सरकार हालात का सही आकलन करके लोगों के लिए सुरक्षा की व्यवस्था करने में विफल रही है, वहीं भाजपा इस घटना की आड़. में संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ में ही व्यस्त। कांग्रेस व भाजपा दोनों अराजक तत्वों के तुष्टीकरण को तत्काल रोक लगाएं।

मायावती ने कहा कि सभी सरकारों की जिम्मेदारी अराजकता को संरक्षण देना नहीं बल्कि उसको हर हाल में रोकना होना है, जिसके अभाव में ही अनेकों प्रकार के संकटों से जूझ रहे देश में हर तरफ तनाव एवं अफरातफरी आदि का अति-दु:खद माहौल। सेना में नई ठेके वाली अस्थाई अग्निपथ भर्ती योजना से राजस्थान के मेहनती नौजवानों में भी काफी निराशा है, सरकार समुचित ध्यान दे।

उन्होंने कहा कि पसमान्दा (उपेक्षित व पिछड़े) मुस्लिमों के प्रति भाजपा का नया उभरा प्रेम पार्टी का नया शिगुफा व छलावा है। महंगाई, गरीबी, बेरोजगारी व आर्थिक विपन्नता के अभिशाप से सर्वसमाज दु:खी व त्रस्त है। गरीबों की आस टूट रही है तथा वे आत्महत्या को मजबूर हैं।

भारत की संत परंपरा हमेशा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के लिए खड़ी हुई : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि भारत की संत परंपरा हमेशा एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' के लिए खड़ी हुई है और रामकृष्ण मिशन की स्थापना उसी से जुड़ी है। रामकृष्ण मिशन के पूर्व प्रमुख स्वामी आत्मस्थानंद के शताब्दी जंयती समारोह के अवसर पर जारी वीडियो संदेश में मोदी ने रेखांकित किया कि मिशन के संस्थापक स्वामी विवेकानंद ने भारत को महान बनाने के लिए अपना जीवन व्यतीत किया। उन्होंने कहा कि उनका (स्वामी विवेकानंद) प्रभाव पूरे देश में देखा गया और उन्होंने अपनी यात्राओं से गुलामी के दौर में राष्ट्रीय चेतना को जगाया तथा नया विश्वास पैदा किया। मोदी ने कहा कि इसी परंपरा को स्वामी आत्मस्थानंद ने अपने पूरे जीवन में आगे बढ़ाया।

प्रधानमंत्री कार्यालय द्वारा जारी बयान में मोदी के हवाले से कहा गया, चाहे सैकड़ों साल पहले आदि शंकराचार्य रहे हों या आधुनिक काल के स्वामी विवेकानंद, भारत की संत परंपरा हमेशा एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' के लिए खड़ी हुई है। रामकृष्ण मिशन की स्थापना भी एक भारत, श्रेष्ठ भारत'' के विचार से जुड़ी है।'' आत्मस्थानंद को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रधानमंत्री ने उनके साथ बिताए समय को याद किया और कहा कि यह उनका सौभाग्य रहा कि वह उनके निधन तक उनके संपर्क में रहे। प्रधानमंत्री ने उनके मिशन को आम जनता तक ले जाने के लिए फोटो बायोग्राफी और वृत्तचित्र जारी किए जाने पर खुशी जताई।

उन्होंने रेखांकित किया कि आत्मस्थानंद को दीक्षा स्वामी विजनानंद से मिली जो रामकृष्ण परमहंस की परंपरा के थे। मोदी ने कहा कि रामकृष्ण परमहंस की जागृत अवस्था और आध्यात्मिक ऊर्जा स्पष्ट तौर पर उनमें दिखाई देती थी। मोदी ने देश में एकीककरण की परंपरा के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा कि संन्यास' का अभिप्राय है स्वयं से ऊपर उठकर समाज के लिए कार्य करना और समाज के लिए जीना। प्रधानमंत्री ने कहा कि विवकेकानंद ने संन्यास की महान परंपरा को आधुनिक रूप दिया और आत्मस्थानंद ने इस परंपरा को जिया तथा अपने जीवन में लागू किया। मोदी ने रेखांकित किया कि भारत में ही नहीं, बल्कि नेपाल और बांग्लादेश में भी बृहद पैमाने पर बेलुर मठ और रामकृष्ण मिशन द्वारा राहत और बचाव कार्य किए गए।

उन्होंने कहा कि वह गरीबों की सेवा और ज्ञान के प्रसार के बारे में सोचते थे और इसके लिए किए जाने वाले कार्य को पूजा की तरह मानते थे। मोदी ने कहा, सभी जानते हैं कि रामकृष्ण मिशन के संत राष्ट्रीय एकता के वाहक हैं और जब वह विदेश जाते थे तो भारतीयता का प्रतिनिधित्व करते थे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि रामकृष्ण परमहंस एक संत थे जिनका देवी काली को लेकर स्पष्ट विचार था और उन्होंने अपना

सबकुछ उनके चरणों में समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि मां की चेतना से सबकुछ व्याप्त है और यह चेतना बंगाल में मां काली की पूजा में दिखती है।

'नया वन संरक्षण नियम आदिवासियों को शक्तिविहीन बना देगा,' कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने साधा मोदी सरकार पर निशाना

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। कांग्रेस ने रविवार को आरोप लगाया कि केंद्र की मोदी सरकार आदिवासियों के अधिकारों की रक्षा करने की अपनी जिम्मेदारी से पीछे हट रही है। पार्टी ने साथ ही आरोप लगाया कि नया वन संरक्षण कानून करोड़ों आदिवासियों और वन क्षेत्र में रह रहे लोगों को शक्तिविहीन कर देगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि हाल में जारी नए नियम केंद्र सरकार द्वारा अंतिम रूप से वन मंजूरी देने के बाद ही वन अधिकार के मुद्दे को निपटाने की अनुमति देते हैं।

जयराम रमेश ने एक बयान में कहा, निश्चित तौर पर यह कुछ लोगों द्वारा चुने गए व्यापार सुगमता के नाम पर किया गया। लेकिन यह बड़ी आबादी की जीविकोपार्जन सुगमता समाप्त करेगा। पूर्व पर्यावरण मंत्री ने कहा कि इसने वन भूमि को किसी अन्य उपयोग के लिए इस्तेमाल के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए वन अधिकार अधिनियम-2006 के उद्देश्य और अर्थ को ही खंडित कर दिया है। रमेश ने कहा, एक बार वन मंजूरी दे देने के बाद बाकी सभी चीजें महज औपचारिकता रह जाएंगी और यह लगभग तय है कि किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा व उनका समाधान नहीं होगा। इसके तहत राज्य सरकारों पर केंद्र की ओर से वन भूमि को अन्य उपयोग के लिए बदलने की प्रक्रिया को तेज करने के लिए अधिक दबाव बनाया जाएगा।

रमेश ने हैशटैग आदिवासी विरोधी नरेंद्र मोदी के साथ ट्वीट किया, अगर मोदी सरकार द्वारा आदिवासियों के हितों की रक्षा करने और उन्हें प्रोत्साहित करने की वास्तविक मंशा दिखाई गई है तो यह फैसला है, जो करोड़ों आदिवासियों और वन क्षेत्र में रहने वाले लोगों को शक्तिविहीन बनाएगा। उन्होंने एक समाचार रिपोर्ट साझा करते हुए कहा कि सरकार आदिवासियों और वनवासियों की सहमति के बिना जंगलों को काटने की मंजूरी दे रही है। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा कि

अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006, जिसे वन अधिकार अधिनियम, 2006 के रूप में जाना जाता है, एक ऐतिहासिक और प्रगतिशील कानून है जिसे संसद द्वारा व्यापक बहस और चर्चा के बाद सर्वसम्मति से और उत्साहपूर्वक पारित किया गया है। और यह देश के वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी, दलित और अन्य परिवारों को, व्यक्तिगत और समुदाय दोनों को भूमि और आजीविका के अधिकार प्रदान करता है।

अगस्त 2009 में, इस कानून के पूर्ण कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए, तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय ने निर्धारित किया कि वन संरक्षण अधिनियम, 1980 के तहत वन भूमि के अन्य किसी इस्तेमाल के लिए किसी भी मंजूरी पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि वन अधिकार अधिनियम, 2006 के पहले उनका निपटारा नहीं कर दिया जाता। उन्होंने कहा, यह पारंपरिक रूप से वन क्षेत्रों में रहने वाले आदिवासी और अन्य समुदायों के हितों की रक्षा और बढ़ावा देने के लिए किया गया था। उन्होंने दावा किया, अब, हाल ही में जारी नए नियमों में, मोदी सरकार ने केंद्र सरकार द्वारा वन मंजूरी के लिए अंतिम मंजूरी मिलने के बाद वन अधिकारों के निपटान की अनुमति दी है।

मेधा पाटकर पर दर्ज हुई एफआईआर, ट्रस्ट के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग करने का आरोप

बड़वानी, 10 जुलाई (एजेन्सी)। मध्य प्रदेश की बड़वानी कोतवाली पुलिस ने सामाजिक कार्यकर्ता और नर्मदा बचाओ आंदोलन की नेता मेधा पाटकर तथा 11 अन्य लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है। मेधा पाटकर और उनके एनजीओ पर आदिवासी बच्चों की शिक्षा तथा अन्य सामाजिक कार्यों के नाम पर 13.5 करोड़ रुपये से अधिक की राशि एकत्र कर कथित तौर पर राजनीतिक गतिविधियों और विकास परियोजनाओं के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में दुरुपयोग करने का आरोप है।

पुलिस अधीक्षक (एसपी) दीपक कुमार शुक्ला ने रविवार को बताया कि राजपुर थाना क्षेत्र के टेमला बुजुर्ग निवासी प्रीतम राज की शिकायत पर मेधा पाटकर, परवीन समी जहांगीर, विजया चौहान और संजय जोशी समेत 12 लोगों के खिलाफ आईपीसी की धारा 420 के अंतर्गत एफआईआर दर्ज कर इसकी जांच शुरू कर दी गई है।

एसपी ने बताया कि मेधा पाटकर तथा अन्य ट्रस्टियों के विरुद्ध उनकी संस्था नर्मदा नव निर्माण अभियान के माध्यम से वर्ष 2007 से 2022 के बीच विभिन्न शैक्षणिक एवं सामाजिक गतिविधियों के नाम पर एकत्र 13 करोड़ 50 लाख से अधिक राशि के दुरुपयोग का आरोप है। उन्होंने बताया कि प्रकरण की जांच में और धाराएं भी बढ़ सकती हैं।

आरोप के मुताबिक, मेधा पाटकर एवं अन्य आरोपियों द्वारा सामाजिक कार्यों तथा मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र के आदिवासी बच्चों के प्राथमिक स्कूल स्तर पर शैक्षणिक उद्देश्य आदि के लिए दान एकत्र किया गया, लेकिन इस राशि से राजनीतिक गतिविधियों के वित्त पोषण के साथ विकास परियोजनाओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन के प्रबंधन और आयोजन किए गए।

एफआईआर में बताया गया है कि लगभग 14 वर्षों में जिस समय ट्रस्टियों ने लगभग 13 करोड़ 52 लाख 59 हजार 304 रुपयों की कुल धनराशि जमा की एवं उतनी ही धनराशि खर्च की, परंतु ना तो धन का स्त्रोत और ना ही इसके लिए किए गए व्यय का स्पष्ट खुलासा किया गया है। इसमें बताया गया है कि वर्ष 2020 से 2022 के दौरान भी जब पूरी दुनिया कोविड-19 से ग्रसित थी उक्त ट्रस्ट कॉर्पोरेट सोशल रिस्पॉसिबिलिटी (सीएसआर नीति) से मझगांव डक लिमिटेड से प्राप्त 65 लाख रुपये से अधिक राशि खर्च करने में कामयाब रहा, जिसका हिसाब भी दर्ज नहीं है।

एफआईआर में सीएसआर निधि का दुरुपयोग, नर्मदा नवनिर्माण के तीन खातों से 1.69 करोड़ रुपये नकद निकासी, ऑडिट रिपोर्ट/ खाता विवरण का अस्पष्ट होना, व्यय का तथ्य के अनुरूप ना होना, ट्रस्ट द्वारा बनाए गए सभी 10 खातों में वित्तीय लेन-देन में संदिग्ध पैटर्न देखा जाना, जिसमें 4.7 करोड की राशि की नियमित और अज्ञात नकद निकासी हुई है।

एफआईआर में इंदौर की अदालत में मेधा पाटकर द्वारा अपनी सालाना आय 6000 बताए जाने के विरुद्ध उनके व्यक्तिगत खाते में वर्ष 2007 से 2021-22 के बीच 19 लाख 25 हजार 711 रुपए प्राप्त हुए हैं। एफआईआर में यह भी आशंका जताई गई है कि नर्मदा नव निर्माण अभियान शायद या तो मनी लॉन्ड्रिंग के लिए एक मोर्चा है या राष्ट्र विरोधी/ भारत विरोधी गतिविधियों के वित्त पोषण के लिए महाराष्ट्र में धन भेजने के लिए बनाया गया है। इसमें यह भी बताया गया है कि अभियान के तौर तरीकों से ऐसा प्रतीत होता है कि मेधा पाटकर जो ट्रस्ट की ट्रस्टी हैं, ने अपने ब्रांड और छवि का उपयोग पारस्थितिकि संरक्षण के नाम पर सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं के खिलाफ योजना बनाने और प्रबंधन करने के लिए करती हैं और उनकी अनधिकृत तरीके से प्राप्त लोकप्रियता के कारण, नर्मदा नव निर्माण द्वारा वित्तीय दान प्राप्त किया जाता है और उक्त दान का निजी या राजनीतिक उद्देश्यों के लिए मनी लॉन्ड्रिंग में उपयोग किया जाता है।

उधर, इस संबंध में मेधा पाटकर ने आज बड़वानी में पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि फिलहाल उन्हें इस तरह का मुकदमा दर्ज होने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने कहा कि पहले भी इस तरह के आरोप लग चुके हैं और हमारे पास आय और व्यय संबंधित समस्त दस्तावेज और ऑडिट उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि विस्थापन बच्चों के अध्ययन के लिए चलाई जाने वाली जीवन शालाएं 30 वर्षों से संचालित हैं। यह लॉकडाउन के दौरान बंद रहीं, लेकिन अभी पुन: आरंभ हो गई हैं। उन्होंने कहा कि जीवन शालाओं में निमाड़ के किसान अनाज भी प्रदान करते हैं। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जीवन शालाओं के लिए जो मदद आती है, वह उसी में खर्च की जाती है। इसके अलावा शिक्षा, स्वास्थ्य प्रशिक्षण, पुनर्वसन आदि में भी काम किया जाता है।

मेधा पाटकर ने अपनी सालाना आय 6 हजार रुपए बताए जाने और उनके खातों में 19 लाख रुपए से अधिक की राशि पाए जाने को लेकर कहा कि वह उक्त खाता स्वयं नहीं संचालित करती है। इसका संचालन एक रिटायर्ड व्यक्ति करते हैं।

उधर शिकायतकर्ता प्रीतम राज का कहना है कि वह आरएसएस तथा एबीवीपी से अवश्य जुड़ा है, लेकिन प्रकरण से इसका कोई संबंध नहीं है।

यूपी को मिली सबसे बड़े लुलू मॉल की सौगात, सीएम योगी ने किया उद्घाटन

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेन्सी)। यूपी को सबसे बड़े मॉल की सौगात रविवार को मिल गई है। गोमतीनगर फेज दो स्थित अमर शहीद पथ गोल्फ सिटी में नवनिर्मित लुलू मॉल का मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उद्घाटन किया। यह मॉल सोमवार 11 जुलाई से आम जनता के लिए खुल जाएगा। लखनऊ का यह सबसे बड़ा शॉपिंग मॉल 2.2 मिलियन वर्ग फुट में स्थित है। देश में कुछ सबसे बड़े ब्रांडों में लुलु हाइपरमार्केट,यूनीक्लो, डेकाथलॉन, स्टारबक्स, नायका लक्स, कल्याण ज्वैलर्स, कोस्टा कॉफी और चिलीज जैसे अन्य ब्रांड के शोरूम इस मॉल में शामिल हैं।

इस मॉल में 15 बढ़िया भोजन रेस्तरां और कैफे हैं, और 25 ब्रांड आउटलेट के साथ एक विशाल फूड कोर्ट है जिसमें 1600 लोगों के बैठने की क्षमता है। लुलु मॉल लखनऊ में सबसे अच्छे आभूषण, फैशन और प्रीमियम वॉच ब्रांड्स के साथ एक डेडिकेटेड वेडिंग शॉपिंग एरिना भी होगा। 11 स्क्रीन वाला पीवीआर सुपरख़लेक्स इस साल के आखिर में लॉन्च किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश में लुलु ग्रुप के रीजनल डायरेक्टर जयकुमार गंगाधरन ने कहा , 'हम लखनऊ में पहले सही मायने में वैश्विक शॉपिंग और लीजर डेस्टिनेशन के दरवाजे खोलने के लिए उत्साहित हैं। लखनऊ के इस मॉल में हमारा अपना अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय सबसे बड़ा इनडोर एंटरटेनमेंट सेंटर, फंटुरा और लुलु हाइपरमार्केट भी होगा। अत्याधुनिक फूड कोर्ट और आकर्षक मनोरंजन आउटलेट के साथ भारत के कुछ सबसे बड़े रिटेल ब्रांडों के साथ मॉल को इस कैपिटल सिटी तथा उसके आस-पास के निवासियों के लिए एक पारिवारिक गंतव्य बना देगी।

यह शॉपिंग मॉल अपने ग्राहकों के लिए ग्लोबल और स्थानीय खरीदारी के असंख्य विकल्प प्रदान करेगा जिसमें ग्रोसरी (फल और सब्जियां, फ्रेश फ़ूड, बेकरी, डेयरी, पिज़्ज़ा एंड स्नैक्स, हॉट फ़ूड, रोस्टरी और स्वादिष्ट खाना), हेल्थ एंड ब्यूटी, घरेलु जरूरतों के सामान, कपड़े, फुटवियर, इलेक्ट्रॉनिक्स, स्टेशनरी, होम एप्लायंसेज और बहुत कुछ शामिल है। यहाँ ग्लूटेन फ्री, - लैक्टोज, शुगर फ्री, फैट फ्री इत्यादि जैसे 'फ्री फ्रॉम' उत्पादों की सबसे बड़ी रेंज भी होगी, जिन्हें यूके, यूएस, स्पेन, दक्षिण अफ्रीका, इटली और सुदूर पूर्वी देशों में उनके अपने सोर्सिंग कार्यालयों से विशेष रूप से लाया गया है।

65,000 वर्ग फुट का सबसे बड़ा इनडोर फैमिली एंटरटेनमेंट सेंटर, फंटुरा में कैरोसेल, मिनी कोस्टर, ड्रॉप टावर्स, नॉवेल्टी गेम, वीआर इनेबल एडवेंचर एरीना गेम्स, आर्केड वीडियो गेम, एक्सडी थिएटर, पार्टी रूम, सॉफ्ट ख़ले, चिल्ड्रेन्स राइड के साथ-साथ छोटे बच्चों के लिए भी बेहतरीन जगह दी गयी है। यह पूल टेबल और एफ एंड बी के साथ एक 8-लेन बॉलिंग एरीना के साथ इंटिग्रेटेड है। फन वॉल में पांच रोमांचक एक्टिविटी के साथ बच्चे और वयस्क भाग ले सकते हैं। सभी आयु के लोगों के लिए यादगार आकर्षण के केंद्र है जैसे कि रिवर्स टाइम, मिनी कांवोयज और साथ ही फंटुरा परिसर के भीतर डांस पार्टियों के लिए जगह है।

आईएसी विक्रांत ने पूरा किया चौथे चरण का परीक्षण, अब देश सेवा की बारी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। भारतीय नौसेना का स्वदेशी विमान वाहक पोत (आईएसी) विक्रांत रविवार को अपना चौथे चरण का समुद्री परीक्षण पूरा कर लिया। इस परीक्षण के दौरान आईएसी विक्रांत से अधिकांश उपकरणों और प्रणालियों का परीक्षण किया गया। विक्रांत का यह परीक्षण 15 अगस्त को भारतीय नौसेना में शामिल होने से पहले हुआ है। नौसेना की ओर से रविवार को परीक्षण की कई तस्वीरें भी शेयर की गई है।

तस्वीरों में विक्रांत पर मिग-29 लाड़कू विमान भी खड़ा नजर आ रहा है। जिसका संचालन आईएनएस विक्रमादित्य से होता है। इसके अलावा एक हेलीकॉख़्टर भी नजर आ रहा है जो विक्रांत पर खड़ा है। वहीं, परीक्षण के दौरान मिसाइल दागे जाने की भी तस्वीर नजर आ रही है।

भारतीय नौसेना के नौसेना डिजाइन निदेशालय (डीएनडी) की ओर से डिजाइन किए गए विक्रांत को राज्य के स्वामित्व वाली कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) में बनाया गया है। करीब 37500 टन के डिस्ख़्लेसमेंट के साथ विक्रांत ने भारत को उन चुनिंदा देशों की शामिल कर दिया है जो विमानह वाहक बनाने हैं। मौजूदा समय में यूएस, यूके, रूस, फ्रांस और चीन में विमान वाहक बनाने की क्षमता है।

भारत के इस स्वदेशी विमान वाहक के जरिए मिग-29 लड़ाकू विमान, कोमोव-31 हेलीकॉख़्टर, एमएच-60 आर मल्टी रोल हेलीकॉप्टर और स्वदेशी उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर का संचालन करेगा।

इसका नाम 1961 से 1997 तक नौसेना द्वारा संचालित विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत के नाम पर रखा गया है जो कि अब रिटायर हो चुका है।

भारत वर्तमान में अकेला विमानवाहक पोत आइएनएस विक्रमादित्य संचालित करता है, जिसे रूस से 2.33 अरब डॉलर में खरीदा गया था। वहीं, पड़ोसी देश चीन दो विमान वाहक सीवी-16 लियाओनिंग और सीवी-17 शेडोंग संचालित करता है।

इसके अलावा हिंद महासागर में अपनी क्षमता को बढ़ाने के लिए तीसरे विमान वाहक का निर्माण कर रहा है। विक्रांत के निर्माण में 76 फीसदी सामान भारत के हैं। इस विमान वाहक पोत का निर्माण साल 2009 में शुरू हुआ था।

गांव कर सकते हैं बदलाव का नेतृत्व : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को प्राकृतिक कृषि सम्मेलन में वर्चुअल शिरकत की। गुजरात के सूरत में हो रहे इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने किसानों को संबोधित करते कहा, यह महत्वपूर्ण कार्यक्रम इस बात का प्रतीक है कि गुजरात किस तरह से देश के अमृत संकल्पों को गति दे रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आजादी के 75 साल के तहत देश ने ऐसे अनेक लक्ष्यों पर काम करना शुरू किया है जो आने वाले समय में बड़े बदलावों का आधार बनेंगे। अमृत काल में देश की गति-प्रगति का आधार, सबका प्रयास की वो भावना है जो हमारी इस विकास यात्रा का नेतृत्व कर रही है। उन्होंने कहा, हमारा जीवन, हमारा स्वास्थ्य, हमारा समाज सबके आधार में हमारी कृषि व्यवस्था ही है। भारत तो स्वभाव और संस्कृति से कृषि आधारित देश ही रहा है। इसलिए, जैसे-जैसे हमारा किसान आगे बढ़ेगा, जैसे-जैसे हमारी कृषि उन्नत और समृद्ध होगी, वैसे-वैसे हमारा देश आगे बढ़ेगा। पीएम मोदी ने कहा, डिजिटल इंडिया मिशन की असाधारण सफलता भी उन लोगों को देश का जवाब है जो कहते थे गाँव में बदलाव लाना आसान नहीं है। हमारे गांवों ने दिखा दिया है कि गाँव न केवल बदलाव ला सकते हैं, बल्कि बदलाव का नेतृत्व भी कर सकते हैं।

पीएम मोदी ने कहा, आप प्राकृतिक खेती करते हैं तो आप धरती माता की सेवा करते हैं, उसकी उत्पादकता की रक्षा करते हैं। आप प्राकृतिक खेती करते हैं तो आप प्रकृति और पर्यावरण की सेवा करते हैं। आप प्राकृतिक खेती

से जुड़ते हैं तो आपको गौमाता की सेवा का सौभाग्य भी मिलता है। उन्होंने कहा, परंपरागत कृषि विकास योजना और भारतीय कृषि पद्धति कार्यक्रमों के जरिए आज किसानों को संसाधन, सुविधा और सहयोग दिया जा रहा है। इस योजना के तहत देश में 30 हजार क्लस्टर्स बनाए गए हैं। लाखों किसानों को इसका लाभ मिल रहा है। उन्होंने आगे कहा, प्राकृतिक खेती व्यक्तिगत खुशहाली का रास्ता तो खोलती ही है साथ ही ये 'सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया' की इस भावना को भी साकार करती है।

ट्रांसफर-पोस्टिंग पर नीतीश की रोक से उखड़े मंत्री रामसूरत राय, कहा- 'पद किसी की बपौती नहीं है'

पटना, 10 जुलाई (का.सं.)। बिहार के राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री रामसूरत राय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से इन दिनों बेहद खफा हैं। बताया जा रहा है कि इसकी वजह उनके द्वारा किए गए विभागीय तबादले को मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) की तरफ से रोक लगाना है।

इस बात से मंत्री रामसूरत राय इतने आहत हुए हैं कि उन्होंने सीएम नीतीश कुमार से उनकी जगह किसी और को उनके विभाग का मंत्री बनाने की पेशकश कर दी है।

दरअसल, राजस्व विभाग में बीते 30 जून को मंत्री रामसूरत राय ने बड़ी संख्या में अधिकारियों की ट्रांसफर-पोस्टिंग किए थे, लेकिन दो दिन बाद सीएमओ ने इस पर तत्काल रोक लगा दी। इससे मंत्री रामसूरत राय खफा हो गए। रामसूरत राय के द्वारा तबादले की पूरी प्रक्रिया पर सीएमओ की तरफ से तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के बाद चर्चाओं का बाजार गर्म है।

मुख्यमंत्री की तरफ से तबादले पर रोक लगाने पर मंत्री रामसूरत राय का गुस्सा तब फूट पड़ा जब पत्रकारों ने उनसे इस बारे में सवाल पूछा। इसके जवाब में उन्होंने कहा कि हमको जो समझ में आया है उसको समझते हुए तबादला किया, लेकिन क्योंकि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमारे मुखिया हैं उनका विषेशाधिकार है। इस प्रक्रिया से मैं आहत हुआ हूं, लेकिन हम सभी के माननीय मुख्यमंत्री ने निर्णय लिया है तो उसको मानना मेरा धर्म है लेकिन अब हम पहले जिस तरह जनता दरबार लगाते थे, लोगों के बीच जाते थे वो नहीं करेंगे और जनता दरबार नहीं लगाएंगे। जनता को जहां जाना है जाए।

रामसूरत राय यहीं नहीं रुके, उन्होंने कहा कि इस विभाग में भू-माफिया पूरी तरह हावी है जिसका मैंने कमर तोड़ने का काम किया है, लेकिन अभी भी यह पूरी तरह से साफ नहीं हुआ है। उन सभी की साजिश है किसी तरह से ऊपर तक बात पहुंचायी जाए। वक्त आने पर इसका खुलासा हो जाएगा।

उन्होंने यह भी कहा कि 'राजनीति किसी की पैतृक संपत्ति नहीं होती है। अगर कोई मंत्री बनना चाहता है तो आकर विभाग को चलाए, हमें कोई आपत्ति नहीं है। वंशावली के अधिकार पर राजनीति नहीं होती। यह किसी के बाप-दादा की अर्जित की हुई संपत्ति नहीं है।

लोकतंत्र में सरकार में किसी को भी जाने का अधिकार है। मेरी शुभकामना है कि कोई आए और इस विभाग को अच्छे से चलाए।'

जब रामसूरत राय से जब पूछा गया कि क्या भाजपा के मंत्री दबाव में काम करते हैं तो उन्होंने मुखर होकर जवाब दिया कि भाजपा किसी के दबाव में नहीं रहती है। भाजपा के सभी विधायक काम करते हैं, मंत्री काम करते हैं। जेडीयू के भी करते हैं। एक सरकारी व्यवस्था तंत्र है।

नूपुर शर्मा पर केसीआर का तंज, गिरते रुपए पर कहा- यह लोकतंत्र या षड्यंत्र

हैदराबाद, 10 जुलाई (एजेन्सी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री केसीआर ने एक बार फिर भाजपा और केंद्र सरकार के ऊपर तंज कसा है। उन्होंने इस बार नूपुर शर्मा को निशाना बनाया है। इसके साथ ही केसीआर ने मोदी सरकार के ऊपर भी बड़ी टिप्पणी की है। केसीआर ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा नुपूर शर्मा के ऊपर किए गए कमेंट का भी समर्थन किया है। बता दें कि केसीआर की भाजपा से जमकर ठनी हुई है। पिछले दिनों जब पीएम मोदी हैदराबाद गए थे तो उन्हें केसीआर उन्हें रिसीव करने भी नहीं पहुंचे थे।

केसीआर ने नूपुर शर्मा की तरफ इशारा करते हुए कहा कि एक भाजपा प्रवक्ता कुछ भी बोलती रहती हैं। इसके बाद हमारे देश के राजदूत और डेलीगेट्स दूसरे देशों में माफी मांगने को मजबूर हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि जब भाजपा ने कुछ गलत किया है तो आखिर देश माफी क्यों मांगे? इसके बाद केसीआर ने कहा कि मैं जस्टिस पारदीवाला और जस्टिस सूर्यकांत को सैल्यूट करता हूं। कृपया इन लोगों से देश को बचाने के लिए अपना यह भाव कायम रखिए। केसीआर ने कहा कि कर्नाटक हाई कोर्ट के जज को भाजपा द्वारा धमकी दी जा रही है।

केसीआर ने आगे कहा कि अब तो सुप्रीम कोर्ट भी कह चुकी है जो नूपुर शर्मा ने जो कहा वह गलत था। इसके बाद भाजपा ने आखिर क्या किया? उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा कुछ रिटायर्ड जजों को लेकर आई। इसके बाद इन जजों से सीजेआई को लेटर लिखवाया गया कि सुप्रीम कोर्ट ने सीमा पार कर दी है। केसीआर ने कहा कि रुपए की वैल्यू बहुत ज्यादा कम हो चुकी है। इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ। रुपया कभी इतना नीचे नहीं गया, जितना प्रधानमंत्री मोदी के कार्यकाल में गया है। उन्होंने पूछा कि आखिर इसकी वजह क्या हो सकती है? इसके बाद केसीआर ने यह भी कहा कि यह लोकतंत्र है या षड्यंत्र।

जेएसी की विरोध .....

का पालन करेगी। सरकार ने इस सप्ताह कई कार्यक्रमों का आयोजन किया है। हम उसकी निगरानी करेंगे। सभी में धारा 144 का पालन सुनिश्चित किया जाना चाहिए। यदि सरकार अपने कार्यक्रमों को स्थगित करती है तो हम स्वीकार करेंगे कि राज्य सरकार ने लोगों के लिए वास्तविक चिंता के साथ कोविड प्रोटोकॉल संबंधी अधिसूचना जारी की थी। हालांकि, अगर सत्तारूढ़ दल की गतिविधियां जारी रहती हैं और सरकार और सामाजिक कार्यक्रम नियमित रूप से आयोजित किए जाते हैं तो यह स्पष्ट है कि कोविड प्रोटोकॉल अधिसूचना केवल और केवल जेएसी को बाधित करने, लोगों को दबाने और भ्रष्टों को बचाने के लिए जारी की गई।

केंद्र सरकार ने लागू .....

विधायक राज कुमारी थापा सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारियों ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम के समापन के बाद केंद्रीय मंत्री ने आज यांगगांग में निर्माणाधीन सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर का भी निरीक्षण किया और प्रगति का जायजा लिया। कल 11 जुलाई को मंत्री सिंह उत्तर सिक्किम का दौरा करेंगे जहां वे आधिकारिक और संगठनात्मक कार्यों में भाग लेंगे।

शिव-पार्वती बन .....

है। उन्होंने कहा, 'लोग जागरूकता अभियान की तरफ आसानी से ध्यान नहीं देते हैं। इसके लिए बहुत इंतजाम करने होते हैं। इसीलिए हमने लोगों को समझाने के लिए इस तरह का नाटक करने का विचार बनाया।' विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने इस नुक्कड़ नाटक पर आपत्ति जताई थी और केस दर्ज करा दिया था। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

'छोटी और घातक' को पूरा करती है अग्निपथ योजना

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने रविवार को कहा कि अग्निपथ योजना भारतीय वायुसेना के दीर्घकालिक दृष्टिकोण के तहत लाई गई है। उन्होंने साफ किया कि नई भर्ती प्रणाली वायुसेना की संचालन क्षमता को किसी भी तरह से कम नहीं करेगी। वायुसेना प्रमुख ने बताया कि चार साल की नियुक्ति अवधि में 13 टीमें 'अग्निवीरों' के नामांकन, रोजगार, मूल्यांकन और प्रशिक्षण का जिम्मा संभालेंगी। उन्होंने कहा कि योजना के क्रियान्वयन से पेंशन और अन्य खर्चों में होने वाली कोई भी कमी महज आकस्मिक है और इसे सुधार लागू करने की वजह नहीं मानना चाहिए।

एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा, 'अग्निपथ योजना भारतीय वायुसेना के श्रमशक्ति के बेहतर दोहन के अभियान को आगे बढ़ाती है। यह काम एक दशक से चल रहा है और जिसके तहत हमने कई मानव संसाधन नीतियों और संगठनात्मक संरचनाओं की समीक्षा की है। यह योजना सबसे अच्छे मानव संसाधन के साथ छोटे और घातक बल होने के भारतीय वायुसेना के दीर्घकालिक दृष्टिकोण की पूरक है, क्योंकि हम दृढ़ता से मानते हैं कि जरूरत के समय में किसी भी बल में शामिल पुरुष और महिलाएं उसकी ताकत को साबित करते हैं।'

नई भर्ती योजना के तहत भारतीय वायुसेना के लगभग 3,000 पदों के लिए तकरीबन 7,50,000 आवेदकों ने पंजीकरण कराया है। 14 जून को घोषित अग्निपथ योजना के तहत सशस्त्र बलों में केवल चार साल के लिए साढ़े 17 से 21 वर्ष तक के युवाओं की भर्ती करने का प्रावधान है, जिनमें से 25 फीसदी की सेवाएं 15 और वर्षों के लिए बरकरार रखी जाएंगी। साल 2022 के लिए भर्ती की ऊपरी आयु सीमा को बढ़ाकर 23 वर्ष किया गया है।

पिछले महीने भारत के कई हिस्सों में अग्निपथ योजना के खिलाफ हिंसक विरोध-प्रदर्शन हुए थे। प्रदर्शनकारियों ने यह कहते हुए योजना को वापस लेने की मांग की कि नई भर्ती प्रणाली 75 फीसदी 'अग्निवीरों' को नौकरी की गारंटी नहीं देती है। एयर चीफ मार्शल चौधरी ने कहा, 'लगातार बदलती और विकसित होती तकनीक के साथ एक वायु योद्धा से अपेक्षित बुनियादी कौशल में भी गुणात्मक बदलाव आया है। हमें लगता है कि आज के युवा न सिर्फ अलग और आवश्यक कौशल रखते हैं, बल्कि प्रौद्योगिकी के मामले में भी बेहद दक्ष हैं।'

उन्होंने दावा किया कि संगठनात्मक आवश्यकताओं और युवाओं की आकांक्षाओं के बीच तालमेल भारतीय वायुसेना को बेहद प्रभावी बल बनने के लिए आदर्श परिस्थिति मुहैया करेगा। वायुसेना प्रमुख ने कहा, 'एक पुनर्गठित प्रशिक्षण प्रणाली, जो हमारी परिचालन प्रतिबद्धताओं के लिए समकालीन, प्रौद्योगिकी-आधारित और विशेष रूप से निर्मित है, उसके साथ हम योजना के कार्यान्वयन को निर्बाध बनाने की परिकल्पना करते हैं। सशस्त्र बलों में मानव संसाधन में बदलाव की आवश्यकता पर

वायुसेना के विजन : वी.आर. चौधरी

व्यापक रूप से विचार-विमर्श किया गया है और करगिल समीक्षा समिति की सिफारिशों पर धीरे-धीरे ध्यान केंद्रित करने के लिए जरूरी कदम उठाए गए हैं।'

वायुसेना प्रमुख ने कहा, 'चयन की प्रक्रिया जारी है। हमने चार साल की भर्ती अवधि में अग्निवीरों के निर्बाध नामांकन, भूमिका, रोजगार, मूल्यांकन और प्रशिक्षण के लिए 13 टीमों का गठन किया है। मानव संसाधन में बदलाव किसी भी रूप में हमारी संचालन क्षमता को प्रभावित नहीं करता है। अलबत्ता यह सशस्त्र बलों को प्रतिभाओं को आकर्षित करने और राष्ट्र की सेवा करने के इच्छुक युवाओं के साथ जुड़ने का लाभ प्रदान करेगा।'

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 06:00 PM
DEAR JUPITER SUNDAY
WEEKLY LOTTERY
Draw No:84 DrawDate on:10/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 85A 04098
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 04098 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01678 07847 41734 48963 53328 59513 65582 80213 88117 99266
3rd Prize ₹450/-
0618 0748 0832 2893 5214 5303 5885 6086 9268 9585
4th Prize ₹250/-
0018 0884 3266 5096 6142 6857 7119 7509 8357 9855
5th Prize ₹120/-
0014 0044 0165 0167 0248 0277 0412 0968 1017 1103
1172 1336 1342 1427 1561 1643 1752 1781 1797 1895
2054 2190 2246 2249 2468 2518 2615 2834 2861 2900
2938 3141 3177 3219 3241 3332 3417 3953 3990 3997
4153 4223 4249 4299 4447 4514 4676 4808 4965 4970
5021 5075 5076 5176 5394 5510 6147 6358 6408 6679
6822 6957 7021 7036 7133 7136 7298 7364 7430 7551
7695 7814 7854 7883 7933 7990 7997 8020 8046 8088
8090 8149 8209 8460 8576 8685 8775 9178 9270 9313
9399 9472 9610 9653 9675 9708 9741 9751 9877 9988
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 08:00 PM
DEAR HAWK EVENING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:184 DrawDate on:10/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 66L 66684
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 66684 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
01234 07016 07338 28075 45705 46179 60220 68035 70751 87375
3rd Prize ₹450/-
1365 2302 2707 4442 4613 5195 6714 7194 9063 9592
4th Prize ₹250/-
0911 1685 2905 3132 4067 4717 4783 5792 8410 8907
5th Prize ₹120/-
0005 0151 0350 0502 0703 0750 0904 0954 1016 1123
1149 1182 1208 1287 1438 1439 1624 1740 2255 2368
2585 2600 2657 2909 2914 2955 3025 3066 3298 3426
3548 3619 3641 3797 3822 3841 3898 4062 4321 4361
4367 4438 4451 4584 4651 4657 4674 4687 4828 4851
4881 4910 4930 4953 4970 5202 5211 5272 5450 5505
5661 5662 5925 6225 6252 6265 6453 6488 6493 6549
6602 6653 6749 6983 7022 7100 7251 7266 7828 8045
8127 8214 8372 8632 8633 8704 8883 8893 8996 9079
9089 9131 9186 9372 9559 9564 9722 9731 9788 9928
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

NAGALAND STATE LOTTERIES
Draw Time: 01:00 PM
DEAR DAMODAR MORNING
SUNDAY WEEKLY LOTTERY
Draw No:84 DrawDate on:10/07/22
1st Prize ₹1 Crore/- 45H 85951
(Including Super Prize Amt)
Cons. Prize ₹1000/- 85951 (REMAINING ALL SERIALS)
2nd Prize ₹9000/-
06525 14553 16399 23228 23479 26855 32007 41933 46019 96343
3rd Prize ₹450/-
1086 1249 3554 3588 5479 5525 6795 7337 8168 8653
4th Prize ₹250/-
2013 3432 4624 5217 7341 7649 7855 8182 9715 9798
5th Prize ₹120/-
0111 0135 0147 0304 0347 0950 0979 1035 1090 1145
1182 1269 1368 1393 1505 1535 1596 1622 1649 1761
1766 1850 2070 2171 2242 2338 2629 2814 2910 2934
3117 3122 3274 3447 3493 3754 3908 4007 4052 4079
4180 4241 4703 4713 4774 5060 5079 5556 5843 5953
6188 6215 6559 6646 6713 6803 6908 7050 7065 7129
7142 7174 7191 7195 7237 7266 7292 7334 7342 7407
7432 7506 7517 7552 7589 7827 8024 8044 8132 8177
8287 8451 8484 8505 8542 8568 8592 8717 8881 9009
9058 9307 9454 9544 9578 9620 9637 9702 9708 9955
ISSUED BY : THE DIRECTOR
NAGALAND STATE LOTTERIES, KOHIMA, NAGALAND
For Results, Please Visit : Www.Nagalandlotteries.Com
KINDLY CHECK THE RESULT WITH THE OFFICIAL GAZETTE

सत्यमेव जयते
सूक्ष्म,लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय
भारत सरकार

प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (पीएमईजीपी) के साथ
अपने सपनों के उद्यम का निर्माण करें

पीएमईजीपी
प्रधान मंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम
उद्यमिता को बढ़ावा दे कर देश भर के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आकांक्षी युवाओं को स्व-रोजगार के अवसर प्रदान करने वाली भारत सरकार की एक प्रमुख योजना

लाभ
नए सूक्ष्म उद्यमों को शुरू करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है
- अधिकतम परियोजना लागत - विनिर्माण क्षेत्र के लिए 50 लाख रुपये और सेवा क्षेत्र के लिए 20 लाख रुपये।
- सब्सिडी - परियोजना लागत का 15% से 35%
- लाभार्थी का योगदान - परियोजना लागत का 5% से 10%
- पीएमईजीपी / मुद्रा/ आरईजीपी के तहत उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली इकाइयों को विस्तार व उन्नयन के लिए लिए दूसरी बार वित्तीय सहायता:-
  - विनिर्माण क्षेत्र के लिए 1 करोड़ रुपयों तक
  - सेवा क्षेत्र के लिए 25 लाख रुपयों तक
  - 15% से 20% तक की सब्सिडी

पात्रता
- 18 वर्ष से ऊपर के व्यक्ति
- स्वयं सहायता समूह (SHG)
- विनिर्माण क्षेत्र में 10 लाख रुपये तथा सेवा क्षेत्र में 5 लाख रुपये की लागत वाली परियोजनाओं के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 8 वीं कक्षा उत्तीर्ण

उद्यमिता विकास कार्यक्रम
औद्योगिक दस्तावेजों / प्रोजेक्ट रिपोर्ट तथा ऑनलाइन उद्यमिता विकास कार्यक्रम हेतु कृपया दी गई लिंक देखें
www.udyami.org.in /
www.kvic.udyami.org.in
मोबाइल ऐप "UDYAMI" डाउनलोड करें

यदि आप उद्यम लगाना चाहते हैं, तो www.kviconline.gov.in/pmegpeportal पर ऑनलाइन आवेदन करें या QR कोड स्कैन करें

योजना के बारे में विस्तार से जानने के लिए, www.msme.gov.in और www.kviconline.gov.in / pmegpeportal पर उपलब्ध योजना से संबंधित दिशानिर्देशों को देखें।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग
इंदिरा बायपास, पो. तादोंग, गंगटोक, सिक्किम : 737 102
Khadi India

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय को फॉलो करें @minmsme
चैंपियन बनें . देखें champions.gov.in
अधिक जानकारी के लिए खादी इंडिया @ kvicindia फॉलो करें

संपादकीय पृष्ठ

चीन पर फिर उंगली

दुनिया के कारोबार जगत में चीन ने अचानक जो हैसियत बना ली है, वह हैरान करने वाली है। उसका एकाएक हुआ आर्थिक उभार कुछ लोगों को दांतों तले उंगली दबाने के लिए मजबूर करता है, तो कुछ को लगता है कि यह रास्ता अनुसरण करने लायक है। यह बात अलग है कि कोशिशों के बावजूद कोई उसका पूरा अनुसरण नहीं कर पाया है। यह भी अक्सर कहा जाता है कि चीन के आगे बढ़ने की कहानी इतनी सीधी नहीं है, इसके बहुत सारे स्याह पहलू हैं। कई काले कारनामे हैं, जो उपलब्धियों की चमक के सामने नजरंदाज हो जाते हैं। बृहस्पतिवार को लंदन में जब अमेरिकी खुफिया एजेंसी एफबीआई के प्रमुख क्रिस्टोफर वारी और ब्रिटिश खुफिया एजेंसी एमआई5 के प्रमुख केन मैकलम ने व्यापारिक समूहों के अगुवा लोगों को संबोधित किया, तो उनके निशाने पर चीन की इसी तरह की हरकतें थीं। उन्होंने बताया कि चीन किस तरह दुनिया भर के देशों, उनकी कंपनियों का डाटा चुराता है, उनकी तकनीक उड़ाता है और इन्हीं का इस्तेमाल करके विश्व बाजार में उन्हें परास्त करता है। उन्होंने यह भी कहा कि चीन और उसकी कंपनियां बाजार पर कब्जा जमाने के लिए सभी तरह के हथकंडे अपनाती हैं और चीन का हैकिंग नेटवर्क सबसे बड़ा है। दोनों ने इसके कई उदाहरण भी दिए। अमेरिका और ब्रिटेन की खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों का यह संबोधन उस समय सामने आया है, जब भारत में स्मार्टफोन बनाने वाली चीनी कंपनी वीवो विवाद में फंसी हुई है। प्रवर्तन निदेशालय को इसके सुबूत मिले हैं कि यह कंपनी धनशोधन के मामलों में लिप्त रही है। इसे लेकर निदेशालय ने कंपनी के 40 से ज्यादा ठिकानों पर छापे भी मारे हैं। इसी दौरान इस कंपनी के दो निदेशक जिस तरह से भारत छोड़कर भाग गए, उससे भी इन आरोपों को बल मिला है। इन छापों पर चीन की सरकार ने काफी तीखी प्रतिक्रिया दी है और कहा है कि ऐसी कार्रवाइयों से भारत में निवेश और कारोबार का माहौल खराब होगा। इसमें कोई शक नहीं है कि भारत सरकार कड़ा संदेश दे, ताकि हर विदेशी कंपनी भारत के नियम-कायदों की पूरी पालना सुनिश्चित करे। वीवो मामले में अभी जांच चल रही है और जब तक जानकारियां सामने नहीं आतीं, उसे किसी बड़े संदर्भ से जोड़कर नहीं देखा जा सकता। जहां तक दुनिया की दो बड़ी खुफिया एजेंसियों के प्रमुखों के संबोधन का सवाल है, तो खुफिया एजेंसियों का काम ही है, शक करना और हर चीज के पीछे किसी बड़े षड्यंत्र को ढूंढ़ना। लेकिन सिर्फ इतना सोच लेने से ही चीन किसी भी आरोप से बरी नहीं हो जाता है। चीन की सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि वह तमाम तरक्की के बाद अभी भी एक बंद समाज है। भले पर्यटन और व्यापार के लिए उसने अपने दरवाजे खोल दिए हैं, लेकिन वहां क्या, कहां और कैसे हो रहा है, इसकी दुनिया को भनक भी नहीं लगती। विदेशी पत्रकारों को वहां हरेक जगह जाने की छूट नहीं है। खुद चीन का मीडिया कभी इतना स्वतंत्र नहीं रहा कि उसके भरोसे कुछ कहा जा सके। वहां जो सरकार है, वही सत्ताधारी कम्युनिस्ट पार्टी है और उसी की फौज भी है। दुनिया के लोग आज भी इसमें उलझे रहते हैं कि फलां चीनी कंपनी सरकारी है या निजी। चीन ने बेशक बहुत तरक्की की है, पर इसके पीछे कोई पारदर्शिता नहीं है। बंद खिड़की-दरवाजे वालों की नीयत पर शक न करने का कोई कारण नहीं होता।

बढ़ती आबादी - समस्याओं की जननी

डॉ. प्रीतम भि. गेडाम

वैश्विक जनसंख्या मुद्दों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व जनसंख्या दिवस एक वार्षिक कार्यक्रम है, जो 1990 से लेकर हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है। इस विशेष दिवस का उद्देश्य विभिन्न जनसंख्या मुद्दों जैसे परिवार नियोजन, लिंग समानता, गरीबी, मातृ स्वास्थ्य, मानवाधिकार, आदि के महत्व के बारे में और बढ़ती जनसँख्या से उत्पन्न समस्याओं के प्रति आम जनता को जागरूक करना है। इस साल विश्व जनसंख्या दिवस की थीम 8 बिलियन की दुनिया : सभी के लिए एक लचीले भविष्य की ओर - अवसरों का उपयोग और सभी के लिए अधिकार और विकल्प सुनिश्चित करना' यह है। दुनिया की आबादी को 1 अरब तक बढ़ने में सैकड़ों-हजारों साल लगे, फिर बाद में सिर्फ 200 साल में, यह सात गुना बढ़ गई। 20वीं सदी के मध्य से, दुनिया ने अभूतपूर्व जनसंख्या वृद्धि का अनुभव किया है। 1950 और 2020 के बीच विश्व की जनसंख्या आकार में तीन गुना से अधिक हो गई है। 2011 में, वैश्विक जनसंख्या 7 बिलियन तक पहुंच गई तथा 2021 में लगभग 7.9 बिलियन हो गई, और 2030 में लगभग 8.5 बिलियन, 2050 में 9.7 बिलियन और 2100 में 10.9 बिलियन तक बढ़ने की संभावना है।

आनेवाले कुछ सालो में भारत, दुनिया के सबसे अधिक आबादी वाले देश चीन से आगे निकलने के लिए तैयार है। देश में हर साल जनसंख्या में लगभग 1.60 करोड़ की वृद्धि होती है, जिसके लिए लाखो टन खाद्यान्न, 1.9 लाख मीटर कपड़ा और 2.6 लाख घरों और 52 लाख अतिरिक्त नौकरियों की आवश्यकता होती है, साथ ही नैसर्गीक व मानव निर्मीत संसाधनो पर आवश्यकता पुर्ती हेतु भारी दबाव पडता हैं। जिस देश की बडी आबादी 2 डॉलर प्रतिदिन से कम पर जीवन यापन करती हैं, वहां बढ़ती जनसंख्या, खाद्य सुरक्षा की स्थिति को अधिक खराब ही करेगी। 2050 तक दुनिया की लगभग 66 प्रतिशत आबादी शहरों में रह रही होगी। जनसंख्या वृद्धि सीधे आर्थिक विकास, रोजगार, आय वितरण, गरीबी और सामाजिक सुरक्षा को प्रभावित करती हैं। वे स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा, आवास, स्वच्छता, पानी, भोजन और ऊर्जा तक सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयासों को भी प्रभावित करती हैं। यूथ इन इंडिया, 2017 की रिपोर्ट के अनुसार, 1971 से 2011 के बीच युवाओं की वृद्धि 16.8 करोड़ से बढ़कर 42.2 करोड़ हो गई।

संयुक्त राष्ट्र, आर्थिक और सामाजिक मामलों के विभाग, जनसंख्या प्रभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, 8 जुलाई, 2022 तक भारत की वर्तमान जनसंख्या 1,40,78,73,998 है और विश्व की 7,95,91,50,845 संपूर्ण जनसंख्या है, जो संयुक्त राष्ट्र के नवीनतम आंकड़ों के वर्ल्डोमीटर विस्तार पर आधारित है। भारत की जनसंख्या विश्व की कुल जनसंख्या के 17.7 प्रतिशत है, लेकिन विश्व के मीठे पानी के संसाधनों का केवल 4 प्रतिशत है। कुल भूमि क्षेत्र 2,973,190 वर्ग किमी. है, अर्थात भारत विश्व के कुल क्षेत्रफल के 2.4 प्रतिशत भाग हमारे हिस्से है। खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) के अनुसार, भारत की लगभग 14.8 प्रतिशत आबादी कुपोषित है। भारत में पांच साल से कम उम्र के 69 फीसदी बच्चों की मौत कुपोषण के कारण होती हैं, कुपोषण के अंतर्निहित कारणों में से एक गरीबी है और गरीबी उन्मूलन कोसों दूर है। भारत में डॉक्टर-जनसंख्या अनुपात 1:1456 है, जबकि डब्ल्यूएचओ की 1:1000 की सिफारिश है। संयुक्त राष्ट्र के वैश्विक शहरीकरण संभावनाओं अनुसार, देश में मलिन बस्तियों में रहने वाले लोगों की संख्या 10.40 करोड़ या भारत की कुल जनसंख्या का 9 प्रतिशत होने का अनुमान है। झुग्गी-झोपड़ी के प्रत्येक 10 में से छह घरों में जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं है। भारत में 63 प्रतिशत झुग्गी-झोपड़ी घर या तो बिना जल निकासी कनेक्शन के हैं या खुले नालों से जुड़े हैं। दुनिया के अविकसित देशों की तरह भारत में भी बड़ी संख्या में ऐसे लोग हैं जिन्हें जीवित रहने के लिए पर्याप्त भोजन नहीं मिलता है। इतना ही नहीं, उन्हें जो भोजन मिलता है उसमें पोषक तत्वों की भी कमी होती है। ख्रयू रिसर्च सेंटर ने बताया था कि भारत में ऐसे लोगों की संख्या पिछले एक साल में तीव्र गति से बढ़ गई हैं जो 150 रुपये प्रति दिन (क्रय शक्ति के आधार पर आय) नहीं कमा सके। सालभर में ऐसे लोगों की संख्या में छह करोड़ की वृद्धि हुई है, जिससे कुल गरीबों की संख्या 13.4 करोड़ हो गई है।

116 देशों के ग्लोबल हंगर इंडेक्स 2021 में भारत 2020 के 94वें स्थान से फिसलकर अब 101वें स्थान पर आ गया है। भारत अपने अधिकांश पड़ोसियों से पीछे है। पाकिस्तान 92वें, नेपाल 77वें, बांग्लादेश 76वें और श्रीलंका 65 वें स्थान पर है। गरीबी उन्मूलन के लिए काम करने वाली संस्था ऑक्सफैम के मुताबिक, दुनिया भर में हर मिनट भूख से 11 लोगों की मौत हो जाती है। संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम की खाद्य अपशिष्ट सूचकांक रिपोर्ट 2021 अनुसार, भारत में, घरेलू खाद्य अपशिष्ट प्रतिवर्ष 50 किलोग्राम या देशभर में प्रतिवर्ष कुल 68,760,163 टन होने का अनुमान है। यूएनईपी रिपोर्ट मुताबिक 2019 में अनुमानित 93.1 करोड़ टन खाना बर्बाद हुआ। उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय ने खुलासा किया है कि पिछले पांच वर्षों में 38,000 मीट्रिक टन से अधिक खाद्यान्न का नुकसान हुआ है। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य सुरक्षा और पोषण की स्थिति 2022 रिपोर्ट में कहा गया कि वर्ष 2021 में 22.4 करोड लोग भारत देश के कुपोषण का शिकार थे और दुनियाभर में भूख से प्रभावित लोगों की संख्या 2021 में बढ़कर 82.8 करोड़ हो गई।

प्रदूषण, खाद्यमिलावट, ग्लोबल वार्मिंग, खतरनाक ई-कचरा, प्रदूषित वायु-जल, उपजाऊ खेत की कमी, प्राकृतिक संसाधनों का अधिक उपयोग, प्राकृतिक संसाधनों की कमी, वनों की कटाई, जंगलों का विनाश, वन्य जीवों और मनुष्यों के बीच बढ़ते टकराव, ईंधन की बढ़ती खपत, कभी अकाल, कभी बाढ़, शुद्ध हवा और पानी की कमी, पर्यावरण का क्षरण, बढ़ते कंक्रीट के जंगल, बेरोजगारी, भुखमरी, महंगाई, जिंदगी के लिए संघर्ष और बढ़ती गंभीर बीमारियाँ इन सभी समस्याओं का कारण बढ़ती जनसंख्या है, ज्यादा जनसंख्या अर्थात ज्यादा आवश्यकताये। आज भी हमारे समाज के कई असहाय लोग, भिखारी, बीमार, विक्षिप्त लोग, असहाय बच्चे सड़कों पर कूड़े में, खराब भोजन के ढेर में खाना चुनते नजर आते है, यह हमारे लिए बड़ी शर्म की बात है। जनसंख्या वृद्धि के कारण मलिन बस्तियों, गंदा वातावरण, अशिक्षा, गरीबी, अपर्याप्त पोषण, उचित परवरिश की कमी, आर्थिक असमानता जैसी गंभीर समस्याएं हैं, ऐसी खराब परिस्थितियों में बच्चों के जीवन का संघर्ष बचपन से ही शुरू हो जाता है।

आज हम विश्व में सबसे बड़ी युवा शक्ति वाला देश कहलाते है, अगर युवाओं को उचित संसाधन, रोजगार, व्यवसाय, शिक्षा, स्वास्थसेवा, उज्जवल भविष्य के लिए सही नियोजन और सभी के लिए समान अवसर मिले तो युवाशक्ति देश को विश्वगुरु बना सकती है। वर्ना यही युवाशक्ति बेरोजगारी, महंगाई, गरीबी, संसाधनों के अभाव में गलत दिशा में अग्रसर होगी और समाज के लिए समस्या बढ़ाएगी। आज हमारे देश में ऐसी समस्या आम हो गयी है, युवाओं में अपराध का ग्राफ बहुत बढ़ गया है। क्या हम वास्तव में अपने जीवन में एक नवजात शिशु के जन्म का आनंद उठा सकते हैं जबकि हम जानते हैं कि हम अपने बच्चे को जीवन की मूलभूत आवश्यकताएं भी नहीं दे पाएंगे? आज के भागम भाग जैसे माहौल में धनी व्यक्ति के पास समय नहीं है, गरीब व्यक्ति दो वक़्त की रोटी के इंतजाम में लगा रहता है, कोई जिम्मेदारी से बंधा है तो कोई मज़बूरी से बंधा है। आधुनिकता का खुमार सभी पर छाया हुआ है, बच्चे तो बच्चे लेकिन बड़ों द्वारा भी संस्कारों की खुलेआम धज्जियां उड़ाई जाती है। परन्तु बच्चो को जन्म देने के बाद उस बच्चे के सुजान नागरिक बनने तक की पूरी जिम्मेदारी माता-पिता की होती है, बच्चों का भविष्य पालको के हाथों में होता है। अपनी जिम्मेदारी से हम पल्ला झाड़ नहीं सकते। बच्चों के जन्म के पहले उनके भविष्य के बारे में गंभीरता से विचार करने की आज पालको को बहुत आवश्यकता है।

जनता के संदेश को समझने की जरूरत

अतुल सिन्हा

इस बार ये आग रामभक्त हनुमान की पूंछ ने नहीं लगाई है, क्योंकि अब न तो लंका सोने की रह गई है और न पीतल की। अब लंका को जलाने वाली खुद वहां की बदहाल, परेशान जनता है जो लंबे समय से भूख, गरीबी और भीषण महंगाई के बीच जीने को अभिशप्त हो गई है। महंगाई तो छोड़िए, वहां के सत्ताधारियों ने जनता के लिए कुछ छोड़ा ही नहीं है। तमाम तीसरी दुनिया के देश कर्ज लेते हैं और तकरीबन हर देश अमेरिका, चीन, जापान, रूस जैसे विकसित देशों के कर्जजाल में फंसा हुआ है। पाकिस्तान हो नेपाल हो, बांग्लादेश हो या फिर श्रीलंका, इन अमीर देशों की नजर में भारतीय उपमहाद्वीप के इन देशों को अपना आर्थिक गुलाम बनाने की प्रक्रिया बदस्तूर जारी रहती है। रिश्ते बेहतर बनाने और मदद के नाम पर यहां के हर सत्ताधारी विकास का हवाला देकर इस चक्रव्यूह में फंसते हैं और इसका खामियाजा उठाती है-वहां की जनता। अगर आपका प्रबंधन ठीक नहीं है तो हालात श्रीलंका जैसे होने में वक्त नहीं लगता।

श्रीलंका में विद्रोह की लपटें पिछले तीन चार महीनों से उठने लगी थीं। हालात धीरे धीरे बेकाबू होते जा रहे थे। चीन पर बढ़ती निर्भरता और कर्ज के भयानक जाल में बुरी तरह उलझ चुके इस देश के सत्ताधारियों ने आम जनता की सुध नहीं ली, उनकी रोजमर्रा की तकलीफों के बारे में नहीं सोचा और उन्हें भूखे, ख्रयासे और अंधेरे में रहने को मजबूर कर दिया। जाहिर है विद्रोह होना ही था। इसकी भूमिका महीनों से बन रही थी। शनिवार को इसकी पराकाष्ठा थी और आगे भी तबतक रहेगी जबतक कोई कारगर सरकार नहीं बन जाती। राष्ट्रीय सरकार बनाने के लिए रास्ते खोले गए हैं लेकिन इससे भी स्थितियां कितनी सुधरेंगी कहा नहीं जा सकता। फिलहाल तो लोगों का जो गुस्सा है वो देश से भागे मौजूदा राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के खिलाफ है। उन्हें लगता है कि हमारे पैसों पर ये नेता एय्श्शी कर रहे हैं और हम भूखे मरने को मजबूर हैं। इसी गुस्से का इजहार राष्ट्रपति निवास में घुसे हजारों लोगों की भीड़ ने किया.. बेडरूम से लेकर, स्वीमिंग पूल तक और पूरे परिसर में इनका कब्जा यूं ही नहीं हो गया। पीएम आवास को यूं ही नहीं जला दिया गया। अप्रैल में भी ऐसे हिंसक प्रदर्शन हुए थे। राष्ट्रपति निवास के सामने आगजनी हुई थी। राजपक्षे ने डर कर अपना निवास छोड़ दिया था और कोलंबो फोर्ट में रहने लगे थे। इस बार तो वो देश से ही भाग गए।

श्रीलंका में विद्रोह की ऐसी तस्वीरें पहले किसी ने नहीं देखी होंगी। शायद किसी देश में ऐसा नहीं हुआ कि राष्ट्रपति भवन और प्रधानमंत्री निवास पर सीधे तौर पर कब्जा करने और आग लगाने की ऐसी कोशिश हुई हो। नेपाल में राजशाही के खात्मे के वक्त वहां के राजमहल पर कब्जा हुआ था और तत्कालीन राजा को भागना पड़ा था, लेकिन वहां भी ऐसा भयानक मंजर नहीं आया था। सत्ता के शीर्ष पर बैठे हुक्मरानों पर हमले भी कई दफा हुए, हत्याएं हुईं, लेकिन जनता का ऐसा सैलाब कभी नहीं उमड़ा।

दुनिया के तमाम देश इस वक्त भीषण आर्थिक संकट के दौर से गुजर रहे हैं, खासकर तीसरी दुनिया के देशों में हालात हमेशा से खराब रहे हैं। आंदोलन तो तमाम चलते ही रहे हैं, सत्ता पलटने की कोशिशें भी हुई हैं, लेकिन करीब सवा दो करोड़ की आबादी वाले श्रीलंका में पिछले तीन महीनों से जो हालात बन रहे थे, शनिवार को उसकी परिणति कुछ इस तरह हुई कि दुनिया देखती रह गई।

देश में बेहद गहरे होते आर्थिक संकट की वजह से श्रीलंका में गोटा गो होम (गोतबया वापस जाओ) आंदोलन की जिस तरह तीन महीने पहले शुरुआत हुई, तब से ये लगातार पूरे देश में फैलता गया और इसका विस्तार इस कदर हुआ कि आम जनता ने सत्ताधारियों को पूरी आक्रामकता के साथ ये संदेश दे दिया कि जनता भूखी रहे, महंगाई में पिसती रहे, ऐसे में राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ऐशो आराम के साथ सरकार में नहीं बैठे रह सकते। जनता ने ही उन्हें सत्ता पर बैठाया है तो उस ऐशो आराम की हकदार जनता भी है।

शनिवार को ये आंदोलन और इतने बड़े पैमाने पर प्रदर्शन तो पहले से तय था, लेकिन उसका यह रूप होगा, यह नहीं सोचा गया था। हालांकि खुफिया तंत्र की जानकारियों की वजह से ही वक्त से पहले राष्ट्रपति गोटबया राजपक्षे राष्ट्रपति भवन छोड़कर भाग चुके थे, प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने भी खुद को बचाते हुए पद से इस्तीफा दे दिया और उन्हें इस संभावित हमले से बचाकर शाम पांच बजे ही निकाल लिया गया। राष्ट्रपति राजपक्षे विदेश भाग गए हैं। लेकिन हालात इस कदर बिगड़ चुके हैं कि आखिरकार राष्ट्रपति को भी इस्तीफे की घोषणा करनी पड़ी। हालांकि इतना कुछ होने पर भी राजपक्षे ने इस्तीफे का वक्त उन्होंने तीन दिन बाद का दिया है, यानी वो 13 जुलाई को पद छोड़ेंगे। इस बीच वो क्या करेंगे, क्या लोगों के गुस्से के शांत होने का इंतजार या फिर चीन के साथ मिलकर कोई नई रणनीति तैयार करेंगे, ये सवाल उठाए जाने लगे हैं।

श्रीलंका पर विदेशी कर्ज का बोझ पिछले 12 सालों से लगातार बढ़ रहा था। हालात ये हो गए कि जरूरी चीजों का आयात घटाना पड़ा। दवाओं, पेट्रोल-डीजल, गैस और खाद्य वस्तुओं की कमी होने लगी। श्रीलंकाई रुपये की कीमत तेजी से गिरने लगी। जनता का आक्रोश देखते हुए 2019 में राष्ट्रपति गोतबाया ने उन्हें लुभाने के लिए टैक्स कम करने शुरू कर दिए। इससे सरकार का राजस्व 2020 में 656 करोड़ डॉलर रह गया, 2017 में यह 1095 करोड़ डॉलर था। सबसे ज्यादा कमाई वाला श्रीलंका का पर्यटन उद्योग कई वजहों से खत्म होने लगा। आतंकवादी गतिविधियां बढ़ने लगीं। 2019 में तौहीद जमात नामक मुस्लिम संगठन ने ईस्टर पर चर्च में तीन बम विस्फोट करवाए, 260 निर्दोष नागरिकों की जान गई। इन घटनाओं से दुनियाभर से आने वाले करीब 25 प्रतिशत पर्यटकों ने यहां आना बंद कर दिया। उसके बाद कोरोना काल ने और तबाही मचाई और पर्यटन उद्योग पूरी तरह चौपट हो गया।

दूसरी तरफ सत्ता पर कब्जे के खेल में राजपक्षे परिवार ने कोई कसर नहीं छोड़ी। इस परिवार ने सभी प्रमुख पदों पर कब्जा कर लिया। महिंदा प्रधानमंत्री बने तो भाइयों में से गोतबाया को राष्ट्रपति, बासिल राजपक्षे को वित्त मंत्री, चामल राजपक्षे को सिंचाई व कृषि मंत्री व बेटे नामल राजपक्षे को खेल मंत्री बना दिया। देश के कुल बजट का 70 फीसदी ने इस परिवार ने अपने कब्जे में कर लिया। भ्रष्टाचार के आरोप लगे। बावजूद इसके देश को कर्ज के जाल में डुबोने का खेल जारी रहा। महिंदा राजपक्षे ने 700 करोड़ डॉलर की गैर-जरूरी परियोजनाओं के लिए चीन से फिर कर्ज लिया। इस कर्ज से बने एयरपोर्ट पर कोई उड़ान नहीं थी। नतीजतन हंबनटोटा बंदरगाह 99 साल के लिए चीन को लीज पर देना पड़ा। आरोप है कि महिंदा व गोतबाया ने तमिलों को क्रूरता से कुचला, जिससे यह समुदाय आर्थिक विकास से कट गया।

जाहिर है लोगों का गुस्सा बढ़ता गया। भीतर ही भीतर आक्रोश चरम तक पहुंचता गया। खासकर श्रीलंका के प्रभावशाली बौद्ध भिक्षुओं ने राष्ट्रपति गोतबया राजपक्षे के इस्तीफे पर जोर डालने के लिए नए सिरे से आंदोलन शुरू कर दिया। इसके लिए वो अनशन पर बैठे। इसके साथ साथ देशव्यापी प्रदर्शनों की बाढ़ आ गई और आखिरकार शनिवार को लंका जल उठी। बौद्ध भिक्षुओं ने अपना अभियान तीन दिन पहले ही शुरू कर दिया था। गुरुवार को वे वट्टाला नाम की जगह से 12 किलोमीटर पैदल चलते हुए कोलंबो फोर्ट पहुंचे। बीते अप्रैल से राष्ट्रपति राजपक्षे यहीं रह रहे हैं। अप्रैल में उग्र भीड़ ने राष्ट्रपति के निजी आवास को घेर लिया था। उसके बाद राजपक्षे सपरिवार कोलंबो फोर्ट आ गए थे। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक गुरुवार को पैदल मार्च में तकरीबन 100 भिक्षु शामिल थे। लेकिन एक अदालती आदेश के कारण उनके मार्च को बीच में रोक दिया गया।

बौद्ध भिक्षुओं के आंदोलन को राष्ट्रपति राजपक्षे के लिए तगड़ा झटका माना जा रहा है। नवंबर 2019 में हुए चुनाव में भिक्षुओं ने उन्हें अपना पुरजोर समर्थन दिया था। दो करोड़ 20 लाख आबादी वाले श्रीलंका में बहुसंख्यक सिंहली समुदाय बौद्ध धर्म को मानता है। इसलिए भिक्षुओं का समर्थन महत्त्वपूर्ण समझा जाता है। कुछ राजनीतिक पर्यवेक्षकों की राय है कि देश में महंगाई और जरूरी चीजों के अभाव के कारण जनमत का एक बड़ा हिस्सा राजपक्षे परिवार से निकटता के कारण भिक्षुओं के खिलाफ होने लगा था। इसीलिए अब बौद्ध भिक्षु सरकार विरोधी रुख अपनाने को मजबूर हो गए हैं।

बेशक श्रीलंका की घटना को तीसरी दुनिया के देशों के लिए सबक के तौर पर देखा जाना चाहिए। कुछ महीने पहले पाकिस्तान में सत्ता पलटी थी, नेपाल का भी वही हश्र दिखा था, लेकिन वहां जनता ने इस तरह विद्रोह नहीं किया था और मामला राजनीतिक तौर पर ही सत्ता की अदाल बदली तक ही रहा था, लेकिन श्रीलंका की जनता ने ये संदेश तो दे ही दिया है कि अगर जनता सत्ता पर बैठा सकती है तो सत्ता से उतारने का हर तरीका भी अपना सकती है।

काली विवाद पर महुआ का काउंटर अटैक, कहा-भारी पड़ेगा मां ओ मां

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। तृणमूल कांग्रेस की लोकसभा सांसद महुआ मोइत्रा की ओर से मां काली पर टिप्पणी पर राजनीतिक विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा है। बीजेपी और टीएमसी एक दूसरे पर निशाना साध रही हैं। इस बीच रविवार को महुआ मोइत्रा एक बार फिर अपने बयानों को लेकर चर्चा में हैं। मोइत्रा ने बीजेपी आईटी सेल प्रमुख पर निशाना साधते हुए कहा, अब मां काली उनके सीने पर पैर रखेंगी।

मोइत्रा ने ट्वीट करते हुए कहा, बंगाल के लिए बीजेपी के ट्रोल-इन-चार्ज को सलाह देंगी कि वे अपने आकाओं से कहें कि वे उन चीजों पर टिप्पणी करना बंद करें जिनके बारे में उन्हें कोई जानकारी नहीं है। दीदी ओ दीदी ने उन्हें बूट दिलवाया। अब मां ओ मां उनके सीने पर पैर रखेगी।' दरअसल, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दौरान पीएम मोदी की ओर से दीदी ओ दीदी बोलना बीजेपी के लिए भारी पड़ गया था और भाजपा को हार का सामना करना पड़ा था।

देवी काली पर बयान के बाद छिड़े विवादों के बीच रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इशारों-इशारों में निशाना साधा। पीएम मोदी ने कहा, 'स्वामी रामकृष्ण परमहंस, एक ऐसे संत थे जिन्होंने मां काली का स्पष्ट साक्षात्कार किया था। उन्होंने मां के चरणों में अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया था। वह कहते थे यह सम्पूर्ण जगत, ये चर-अचर, सब कुछ मां की चेतना से व्याप्त है। यही चेतना बंगाल की काली पूजा में दिखती है। यही चेतना बंगाल और पूरे भारत की आस्था में दिखती है।'

वहीं, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा ने हाल ही में एक सम्मेलन में कहा था कि उन्हें एक व्यक्ति के रूप में देवी काली की कल्पना मांस खाने वाली और शराब स्वीकार करने वाली देवी के रूप में करने का पूरा अधिकार है क्योंकि प्रत्येक व्यक्ति के पास प्रार्थना करने का अपना अनूठा तरीका है। मोइत्रा एक फिल्म के पोस्टर पर उत्पन्न आक्रोश के संबंध में एक सवाल का जवाब दे रही थीं। उक्त पोस्टर में देवी काली के वेशभूषा वाली एक महिला को सिगरेट पीते हुए दिखाया गया था।

अंधकार से प्रकाश का पर्व

गुरू पुर्णिमा

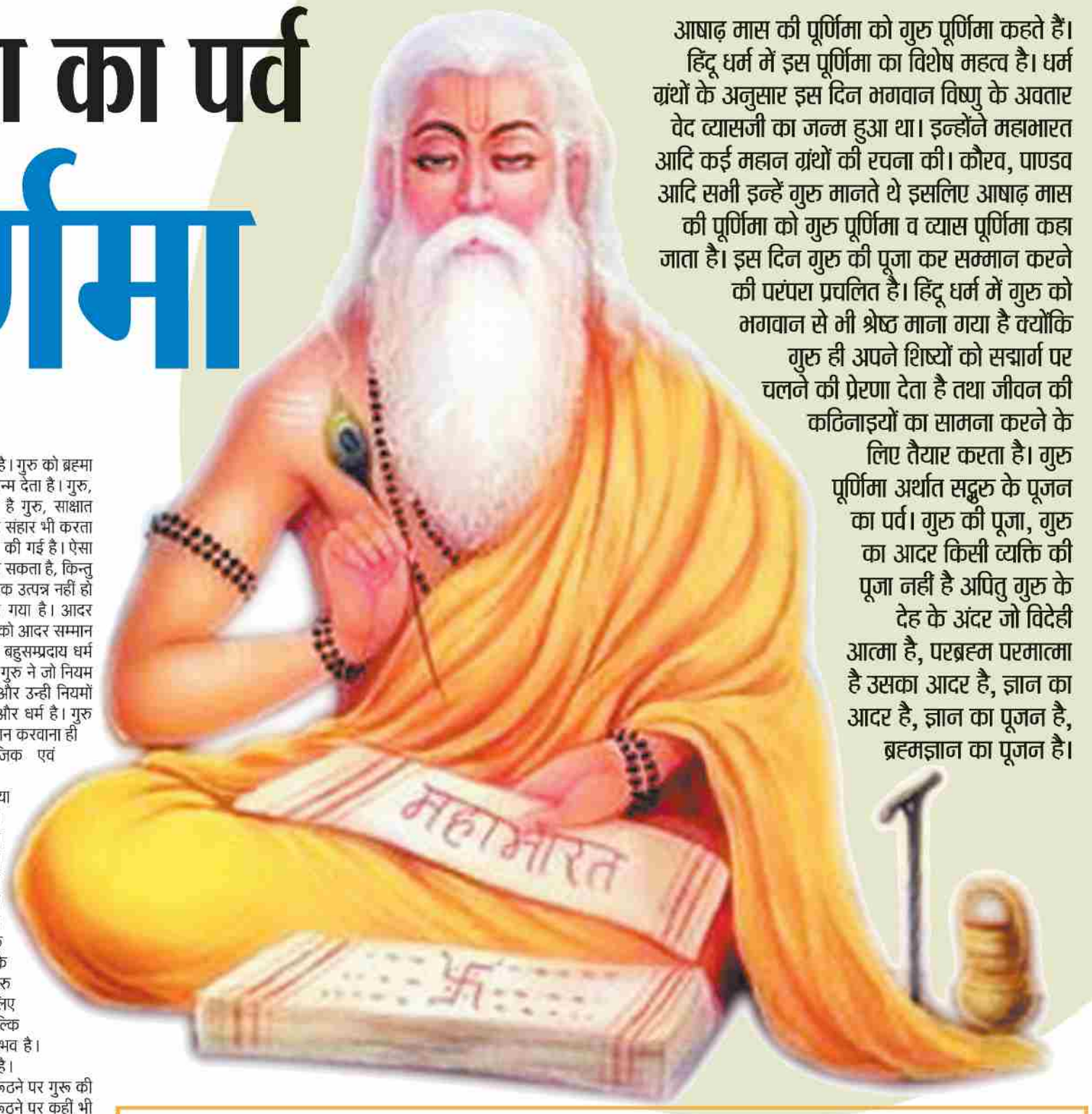

आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा कहते हैं। हिंदू धर्म में इस पूर्णिमा का विशेष महत्व है। धर्म ग्रंथों के अनुसार इस दिन भगवान विष्णु के अवतार वेद व्यासजी का जन्म हुआ था। इन्होंने महाभारत आदि कई महान ग्रंथों की रचना की। कौरव, पाण्डव आदि सभी इन्हें गुरु मानते थे इसलिए आषाढ़ मास की पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा व व्यास पूर्णिमा कहा जाता है। इस दिन गुरु की पूजा कर सम्मान करने की परंपरा प्रचलित है। हिंदू धर्म में गुरु को भगवान से भी श्रेष्ठ माना गया है क्योंकि गुरु ही अपने शिष्यों को सद्मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है तथा जीवन की कठिनाइयों का सामना करने के लिए तैयार करता है। गुरु पूर्णिमा अर्थात सद्गुरु के पूजन का पर्व। गुरु की पूजा, गुरु का आदर किसी व्यक्ति की पूजा नहीं है अपितु गुरु के देह के अंदर जो विदेही आत्मा है, परब्रह्म परमात्मा है उसका आदर है, ज्ञान का आदर है, ज्ञान का पूजन है, ब्रह्मज्ञान का पूजन है।

अगर हम प्राचीन ग्रंथो और शास्त्रों का अध्ययन करें तो, आज भी हमें गुरु महिमा का मार्मिक वर्णन मिलता है। मुलतः गुरु शब्द दो अक्षरों का मिलाकर बनाया गया है गु और रु। गु का अर्थ अंधकार और रु का अर्थ अंधकार का हटाने वाला बताया गया है। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है, अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को गुरु कहा जाता है। गुरु वह है जो अज्ञान का निराकरण कर, धर्म का मार्ग दिखाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

भारत भर में गुरू पूर्णिमा का पर्व बड़ी श्रद्धा व धूमधाम से मनाया जाता है। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करता था तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु का पूजन करके उन्हें अपनी शक्ति सामर्थ्यानुसार दक्षिणा देकर कृतकृत्य होता था। आज भी इसका महत्व कम नहीं हुआ है। पारंपरिक रूप से शिक्षा देने वाले विद्यालयों में, संगीत और कला के विद्यार्थियों में आज भी यह दिन गुरू को सम्मानित करने का होता है। मंदिरों में पूजा होती है, पवित्र नदियों में स्नान होते हैं, जगह जगह भंडारे होते हैं और मेले लगते हैं।

गुरू पूर्णिमा की महिमा आषाढ़ मास की पूर्णिमा से जुडी हैं। शास्त्रों मे गुरु पूजा का विधान आषाढ़ मास की पूर्णिमा को ही है। गुरू पूर्णिमा वर्षा ऋतु के आरंभ में आती है। इस दिन से चार महीने तक परिव्राजक साधु-संत एक ही स्थान पर रहकर चारो तरफ ज्ञान की गंगा बहाते हैं। ये चार महीने मौसम की दृष्टि से सर्वोत्तम सर्वश्रेष्ठ होते हैं। न ज्यादा गर्मी और न ज्यादा सर्दी, चारो तरफ हरियाली और वर्षा की छोटी छोटी बुंदों का चारो तरफ आनंद ही आनंद रहता है। इसलिए ये महिने अध्ययन के लिए सर्वोत्तम माने गए हैं। जैसे सूर्य के ताप से तप्त भूमि को वर्षा से शीतलता एवं फसल पैदा करने की शक्ति मिलती है, ऐसे ही गुरुचरण में उपस्थित साधकों को ज्ञान, शांति, भक्ति और योग शक्ति प्राप्त करने की शक्ति मिलती है। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नहीं। गुरु पूजन का मन्त्र है -

गुरु ब्रह्मा गुरुर्विष्णु- गुरुदेव महेश्वर। गुरु साक्षात्परब्रह्म तस्मैश्री गुरुवे नम।।

अर्थात- गुरु ही ब्रह्मा है, गुरु ही विष्णु है और गुरु ही भगवान शंकर है। गुरु ही साक्षात परब्रह्म है। ऐसे गुरु को मै प्रणाम करता हूं।

अपनी महत्ता के कारण गुरु को ईश्वर से भी ऊँचा पद दिया गया है। शास्त्र वाक्य में ही गुरु को ही ईश्वर के विभिन्न रूपों ब्रह्मा, विष्णु एवं महेश्वर के रूप में स्वीकार किया गया है। गुरु को ब्रह्मा कहा गया क्योंकि वह शिष्य को बनाता है नव जन्म देता है। गुरु, विष्णु भी है क्योंकि वह शिष्य की रक्षा करता है गुरु, साक्षात महेश्वर भी है क्योंकि वह शिष्य के सभी दोषों का संहार भी करता है। वैसे तो गुरु तत्व की प्रशंसा सभी शास्त्रों में की गई है। ऐसा माना जाता है कि, ईश्वर के अस्तित्व में मतभेद हो सकता है, किन्तु गुरु के लिए कोई भी प्रकार का मतभेद आज तक उत्पन्न नहीं हो सका है। सभी धर्मों में गुरु को सर्वश्रेष्ठ माना गया है। आदर सम्मान के दृष्टीकोण से हर गुरु ने दूसरे गुरुओं को आदर सम्मान एवं पूजा सहित सम्पुर्ण मान दिया है। भारत के बहुसम्प्रदाय धर्म तो केवल गुरुवाणी के आधार पर ही कायम हैं। गुरु ने जो नियम बताए हैं उन नियमों का श्रद्धा से पालन करना और उन्ही नियमों पर चलना संप्रदाय के शिष्य का परम कर्तव्य और धर्म है। गुरु का कार्य सिर्फ उनके शिष्यों को उचित शिक्षा प्रदान करवाना ही नही बल्कि नैतिक, आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनीतिक समस्याओं को हल करना भी है।

गुरु की भूमिका भारत में केवल सिर्फ आध्यात्म या धार्मिकता तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि देश पर राजनीतिक विपदा आने पर गुरु ने देश को समय पर उचित सलाह देकर, इस देश को विपदा से उबारा भी है। अर्थात अनादिकाल से ही गुरु का शिष्य का हर क्षेत्र में मार्गदर्शित योगदान रहा है। अतः सद्गुरु की इसी महिमा के कारण उनका व्यक्तित्व हमेशा माता-पिता से ऊपर रहा है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक के अनुसार यस्य देवे परा भक्तिर्यथा देवे तथा गुरु अर्थात जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी होनी चाहिए। बल्कि सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है।

संत कबीर ने यहाँ तक कहा है कि, भगवान के रूठने पर गुरू की शरण हमारी रक्षा कर सकती है किंतु गुरू के रूठने पर कहीं भी शरण मिलना असम्भव है। जिसे ब्राह्मणों ने आचार्य, बौद्धों ने कल्याणमित्र, जैनों ने तीर्थंकर और मुनि, नाथों तथा वैष्णव संतों और बौद्ध सिद्धों ने उपास्य सद्गुरु कहा है। उस श्री गुरू से उपनिषद् की तीनों अग्नियाँ भी थर-थर काँपती हैं। त्रोलोक्यपति भी गुरू का गुणनान करते है। ऐसे गुरू के रूठने पर कहीं भी ठौर ठीकान नहीं मिल सकता है। सद्गुरु की महिमा बहुत अपरंपार है। उन्होंने शिष्य पर अनंत उपकार किए है। उसने विषय वासनाओं से बंद शिष्य की बंद आँखों को ज्ञानचक्षु द्वारा खोलकर उसे शांत ही नहीं बल्कि अनंत तत्व ब्रह्म का दर्शन भी कराया है। अतः सद्गुरु की महिमा तो ब्रह्मा, विष्णु और महेश भी गाते है, इनके सामने हम जैसे मनुष्य की बिसात क्या। इसी के साथ दुनिया के समस्त गुरुओं को मेरा नमन।

गुरु पूर्णिमा का महत्व

गुरु पूर्णिमा / व्यास पूर्णिमा / मुड़िया पूनों आषाढ मास की पूर्णिमा को कहा जाता है। इस दिन गोवर्धन पर्वत की लाखों श्रद्धालु परिक्रमा देते हैं। बंगाली साधु सिर मुंडाकर परिक्रमा करते हैं क्योंकि आज के दिन सनातन गोस्वामी का तिरोभाव हुआ था। ब्रज में इसे मुड़िया पूनों कहा जाता है। आज का दिन गुरुङ्गपूजा का दिन होता है। इस दिन गुरु की पूजा की जाती है। पूरे भारत में यह पर्व बड़ी श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। वैसे तो व्यास नाम के कई विद्वान हुए है परंतु व्यास ऋषि जो चारों वेदों के प्रथम व्याख्याता थे, आज के दिन उनकी पूजा की जाती है। हमें वेदों का ज्ञान देने वाले व्यास जी ही थे। अत- वे हमारे आदिगुरु हुए। उनकी स्मृति को बनाए रखने के लिए हमें अपने-अपने गुरुओं को व्यास जी का अंश मानकर उनकी पूजा करनी चाहिए। प्राचीन काल में जब विद्यार्थी गुरु के आश्रम में निःशुल्क शिक्षा ग्रहण करते थे तो इसी दिन श्रद्धा भाव से प्रेरित होकर अपने गुरु की पूजा किया करते थे और उन्हें यथाशक्ति दक्षिणा अर्पण किया करते थे। इस दिन केवल गुरु की ही नहीं अपितु कुटुम्ब में अपने से जो बड़ा है अर्थात माता-पिता, भाई-बहन आदि को भी गुरुतुल्य समझना चाहिए।

वेद व्यास जयंती

गुरु पूर्णिमा जगत गुरु माने जाने वाले वेद व्यास को समर्पित है। माना जाता है कि वेदव्यास का जन्म आषाढ़ मास की पूर्णिमा को हुआ था। वेदों के सार ब्रह्मसूत्र की रचना भी वेदव्यास ने आज ही के दिन की थी। वेद व्यास ने ही वेद ऋचाओं का संकलन कर वेदों को चार भागों में बांटा था। उन्होंने ही महाभारत, 18 पुराणों व 18 उप पुराणों की रचना की थी जिनमें भागवत पुराण जैसा अतुलनीय ग्रंथ भी शामिल है। ऐसे जगत गुरु के जन्म दिवस पर गुरु पूर्णिमा मनाने की परंपरा है।

गुरुपूर्णिमा का महत्व

गुरु के प्रति नतमस्तक होकर कृतज्ञता व्यक्त करने का दिन है गुरुपूर्णिमा। गुरु के लिए पूर्णिमा से बढ़कर और कोई तिथि नहीं हो सकती। जो स्वयं में पूर्ण है, वही तो पूर्णत्व की प्राप्ति दूसरों को करा सकता है। पूर्णिमा के चंद्रमा की भांति जिसके जीवन में केवल प्रकाश है, वही तो अपने शिष्यों के अंतःकरण में ज्ञान रूपी चंद्र की किरणें बिखेर सकता है। इस दिन हमें अपने गुरुजनों के चरणों में अपनी समस्त श्रद्धा अर्पित कर अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करनी चाहिए। गुरु कृपा असंभव को संभव बनाती है। गुरु कृपा शिष्य के हृदय में अगाध ज्ञान का संचार करती है।

गुरु की महिमा

गुरु को गोविंद से भी ऊंचा कहा गया है। शास्त्रों में गु का अर्थ बताया गया है- अंधकार या मूल अज्ञान और रु का का अर्थ किया गया है- उसका निरोधक। गुरु को गुरु इसलिए कहा जाता है कि वह अज्ञान तिमिर का ज्ञानांजन-शलाका से निवारण कर देता है। अर्थात अंधकार को हटाकर प्रकाश की ओर ले जाने वाले को 'गुरु' कहा जाता है। गुरु तथा देवता में समानता के लिए एक श्लोक में कहा गया है कि जैसी भक्ति की आवश्यकता देवता के लिए है वैसी ही गुरु के लिए भी। सद्गुरु की कृपा से ईश्वर का साक्षात्कार भी संभव है। गुरु की कृपा के अभाव में कुछ भी संभव नहीं है। 'व्यास' का शाब्दिक संपादक, वेदों का व्यास यानी विभाजन भी संपादन की श्रेणी में आता है। कथावाचक शब्द भी व्यास का पर्याय है। कथावाचन भी देश-काल-परिस्थिति के अनुरूप पौराणिक कथाओं का विश्लेषण भी संपादन है। भगवान वेदव्यास ने वेदों का संकलन किया, 18 पुराणों और उपपुराणों की रचना की। ऋषियों के बिखरे अनुभवों को समाजभोग्य बना कर व्यवस्थित किया। पंचम वेद 'महाभारत' की रचना इसी पूर्णिमा के दिन पूर्ण की और विश्व के सुप्रसिद्ध आर्ष ग्रंथ ब्रह्मसूत्र का लेखन इसी दिन आरंभ किया। तब देवताओं ने वेदव्यासजी का पूजन किया। तभी से व्यासपूर्णिमा मनायी जा रही है। ''तमसो मा ज्योतिगर्मय'' अंधकार की बजाय प्रकाश की ओर ले जाना ही गुरुत्व है। आगम-निगम-पुराण का निरंतर संपादन ही व्यास रूपी सद्गुरु शिष्य को परमपिता परमात्मा से साक्षात्कार का माध्यम है। जिससे मिलती है सारूप्य मुक्ति। तभी कहा गया- ''सा विद्या या विमुक्तये।'' आज विश्वस्तर पर जितनी भी समस्याएं दिखाई दे रही हैं, उनका मूल कारण है गुरु-शिष्य परंपरा का टूटना। श्रद्धावाल्लभते ज्ञानम्। आज गुरु-शिष्य में भक्ति का अभाव गुरु का धर्म ''शिष्य को लूटना, येन केन प्रकारेण धनार्जन है'' क्योंकि धर्मभीरुता का लाभ उठाते हुए धनतृष्णा कालनेमि गुरुओं को गुरुता से पतित करता है। यही कारण है कि विद्या का लक्ष्य 'मोक्ष' न होकर धनार्जन है। ऐसे में श्रद्धा का अभाव स्वाभाविक है। अन्ततः अनाचार, अत्याचार, व्यभिचार, भ्रष्टाचारादि कदाचार बढ़ा। व्यासत्व यानी गुरुत्व अर्थात् संपादकत्व का उत्थान परमावश्यक है।

व्रत और विधान

इस दिन (गुरु पूजा के दिन) प्रातःकाल स्नान पूजा आदि नित्य कर्मों से निवृत्त होकर उत्तम और शुद्ध वस्त्र धारण कर गुरु के पास जाना चाहिए। गुरु को ऊंचे सुसज्जित आसन पर बैठाकर पुष्पमाला पहनानी चाहिए। इसके बाद वस्त्र, फल, फूल व माला अर्पण कर तथा धन भेंट करना चाहिए। इस प्रकार श्रद्धापूर्वक पूजन करने से गुरु का आशीर्वाद प्राप्त होता है। गुरु के आशीर्वाद से ही विद्यार्थी को विद्या आती है। उसके हृदय का अज्ञानता का अन्धकार दूर होता है। गुरु का आशीर्वाद ही प्राणी मात्र के लिए कल्याणकारी, ज्ञानवर्धक और मंगल करने वाला होता है। संसार की संपूर्ण विद्याएं गुरु की कृपा से ही प्राप्त होती हैं और गुरु के आशीर्वाद से ही दी हुई विद्या सिद्ध और सफल होती है। गुरु पूर्णिमा पर व्यासजी द्वारा रचे हुए ग्रंथों का अध्ययन-मनन करके उनके उपदेशों पर आचरण करना चाहिए। इस दिन केवल गुरु (शिक्षक) ही नहीं, अपितु माता-पिता, बड़े भाई-बहन आदि की भी पूजा का विधान है। इस पर्व को श्रद्धापूर्वक मनाना चाहिए, अंधविश्वासों के आधार पर नही।

क्या करें गुरु पूर्णिमा के दिन

प्रातः घर की सफाई, स्नानादि नित्य कर्म से निवृत्त होकर साफ-सुथरे वस्त्र धारण करके तैयार हो जाएं। घर के किसी पवित्र स्थान पर पटिए पर सफेद वस्त्र बिछाकर उस पर 12-12 रेखाएं बनाकर व्यास-पीठ बनाना चाहिए। फिर हमें गुरुपरंपरासिद्धयर्थं व्यासपूजां करिष्ये मंत्र से पूजा का संकल्प लेना चाहिए। तत्पश्चात दसों दिशाओं में अक्षत छोड़ना चाहिए। फिर व्यासजी, ब्रह्माजी, शुकदेवजी, गोविंद स्वामीजी और शंकराचार्यजी के नाम, मंत्र से पूजा का आवाहन करना चाहिए। अब अपने गुरु अथवा उनके चित्र की पूजा करके उन्हें यथा योग्य दक्षिणा देना चाहिए।

आषाढ़ की पूर्णिमा को ही क्यों

आषाढ़ पूर्णिमा को गुरु पूर्णिमा के रूप में मानने का क्या राज़ है? धर्म जीवन को देखने का काव्यात्मक ढंग है। सारा धर्म एक महाकाव्य है। अगर यह तुम्हें खयाल में आए, तो आषाढ़ की पूर्णिमा बड़ी अर्थपूर्ण हो जाएगी। अन्यथा आषाढ़ में पूर्णिमा दिखाई भी न पड़ेगी। बादल घिरे होंगे, आकाश खुला न होगा। और भी प्यारी पूर्णिमाएं हैं, शरद पूर्णिमा है, उसको क्यों नहीं चुन लिया? लेकिन चुनने वालों का कोई खयाल है, कोई इशारा है। वह यह है कि गुरु तो है पूर्णिमा जैसा, और शिष्य है आषाढ़ जैसा। शरद पूर्णिमा का चांद तो सुंदर होता है, क्योंकि आकाश खाली है। वहां शिष्य है ही नहीं, गुरु अकेला है। आषाढ़ में सुंदर हो, तभी कुछ बात है, जहां गुरु बादलों जैसा घिरा हो शिष्यों से। शिष्य सब तरह के हैं, जन्मों-जन्मों के अंधेरे को लेकर आ छाए हैं। वे अंधेरे बादल हैं, आषाढ़ का मौसम हैं। उसमें भी गुरु चांद की तरह चमक सके, उस अंधेरे से घिरे वातावरण में भी रोशनी पैदा कर सके, तो ही गुरु है। इसलिए आषाढ़ की पूर्णिमा! वह गुरु की तरफ भी इशारा है और उसमें शिष्य की तरफ भी इशारा है। और स्वभावतः दोनों का मिलन जहां हो, वहीं कोई सार्थकता है।

गुरुदेव हमारे कर्मों के दाता

चारों वेदों के व्याख्याता गुरु व्यास थे. हमें वेदों का दान देने वाले व्यास जी ही हैं. इसलिए वो हमारे आदि गुरु हुए. गुरु पूर्णिमा के दिन ही ऋषि व्यास का भी जन्मदिन मनाया जाता है. उन की स्मृति को ताजा रखने के लिए हमें अपने गुरु को व्यास जी का ही अंश मान कर सम्मानपूर्वक उन की पूजा करनी चाहिए. गुरु की कृपा से ही विद्या की प्राप्ति होती है.

गुरु के महत्व को हमारे सभी संतो, ऋषियों एवं महान विभूतियों ने उध स्थान दिया है. संस्कृत में गु का अर्थ होता है अंधकार (अज्ञान)एवं रु का अर्थ होता है प्रकाश (ज्ञान)। गुरु हमें अज्ञान रूपी अंधकार से ज्ञान रूपी प्रकाश की ओर ले जाते हैं.

हमारे जीवन के प्रथम गुरु हमारे माता-पिता होते हैं. जो हमारा पालन-पोषण करते हैं, सांसारिक दुनिया में हमें प्रथम बार बोलना, चलना तथा शुरुआती आवश्यकताओं को सिखाते हैं. अतः माता-पिता का स्थान सर्वोपरि है. जीवन का विकास सुचारू रूप से चलता रहे, उसके लिए हमें गुरु की आवश्यकता होती है. भावी जीवन का निर्माण गुरू द्वारा ही होता है.

मानव मन में व्याप्त बुराई रूपी विष को दूर करने में गुरु का विशेष योगदान है. महर्षि वाल्मीकि जिनका पूर्व नाम रत्नाकर था. वे अपने परिवार कापालन पोषण करने हेतु दस्युकर्म करते थे. महर्षि वाल्मीकि जी ने रामायण जैसे महाकाव्य की रचना की, ये तभी संभव हो सका, जब गुरू रूपी नारद जी ने उनका हृदय परिवर्तित किया. मित्रों, पंचतंत्र की कथाएं हम सब ने सुनी है. नीति कुशल गुरू विष्णु शर्मा ने किस तरह राजा अमरशक्ति के तीनों अज्ञानी पुत्रों को कहानियों एवं अन्य माध्यमों से उन्हें ज्ञानी बना दिया.

गुरु शिष्य का संबंध सेतु के समान होता है. गुरू की कृपा से शिष्य के लक्ष्य का मार्ग आसान होता है.

स्वामी विवेकानंद जी को बचपन से परमात्मा को पाने की चाह थी. उनकी ये इच्छा तभी पूरी हो सकी, जब उनको गुरु परमहंस का आशीर्वाद मिला. गुरु की कृपा से ही आत्म साक्षात्कार हो सका. छत्रपति शिवाजी पर अपने गुरु समर्थ गुरु रामदास का प्रभाव हमेशा रहा.

गुरु द्वारा कहा एक शब्द या उनकी छवि मानव की कायापलट सकती है. कबीर दास जी का अपने गुरु के प्रति जो समर्पण था, उसको स्पष्ट करना आवश्यक है क्योंकि गुरु के महत्व को सबसे ज्यादा कबीर दास जी के दोहों में देखा जा सकता है. एक बार रामानंद जी गंगा स्नान को जा रहे थे, सीढी उतरते समय उनका पैर कबीर दास जी के शरीर पर पड गया. रामानंद जी के मुख से राम-राम शब्द निकल पडा. उसी शब्द को कबीर दास जी ने दीक्षा मंत्र मान लिया और रामानंद जी को अपने गुरु के रूप में स्वीकार कर लिया. ये कहना अतिश्योक्ति न होगा कि जीवन में गुरु के महत्व का वर्णन कबीर दास जी ने अपने दोहों में पूरी आत्मियता से किया है.

गुरु गोविंद दोऊ खडे काके लागू पांव
बलिहारी गुरु आपने गोविन्द दियो बताय.

गुरू का स्थान ईश्वर से भी श्रेष्ठ है. हमारे सभ्य सामाजिक जीवन का आधार स्तभ गुरू हैं। कई ऐसे गुरू हुए हैं, जिन्होने अपने शिष्य को इस तरह शिक्षित किया कि उनके शिष्यों ने राष्ट्र की धारा को ही बदल दिया। आचार्य चाणक्य ऐसी महान विभूती थे, जिन्होंने अपनी विद्वता और क्षमताओं के बल पर भारतीय इतिहास की धारा को बदल दिया। गुरू चाणक्य कुशल राजनितिज्ञ एवं प्रकांड अर्थशास्त्री के रूप में विश्व विख्यात हैं। उन्होने अपने वीर शिष्य चन्द्रगुप्त मौर्य को शासक पद पर सिहांसनारूढ करके अपनी जिस विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया उससे समस्त विश्व परिचित है। गुरु हमारे अंतर मन को आहत किये बिना हमें सभ्य जीवन जीने योग्य बनाते हैं। दुनिया को देखने का नजरिया गुरू की कृपा से मिलता है। पुरातन काल से चली आ रही गुरु महिमा को शब्दों में लिखा ही नही जा सकता। संत कबीर भी कहते हैं कि

सब धरती कागज करू, लेखनी सब वनराज।
सात समुंद्र की मसि करु, गुरु गुंण लिखा न जाए॥

गुरु पूर्णिमा के पर्व पर अपने गुरु को सिर्फ याद करने का प्रयास है। गुरू की महिमा बताना तो सूरज को दीपक दिखाने के समान है। गुरु की कृपा हम सब को प्राप्त हो। अंत में कबीर दास जी के निम्न दोहे से अपनी कलम को विराम देते हैं।

यह तन विष की बेलरी, गुरु अमृत की खान।
शीश दियो जो गुरु मिले, तो भी सस्ता जान॥

दक्षिण अफीका में बार में गोलीबारी में 14 व्यक्तियों की मौत

जोहानिसबर्ग। दक्षिण अफीका में जोहानिसबर्ग के सोवेटो टाउनशिप स्थित एक बार में सामूहिक गोलीबारी में 14 लोगों की मौत हो गई और तीन अन्य की हालत गंभीर बनी हुई है। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस ने बताया कि वे उन रिपोर्ट की जांच कर रहे हैं कि शनिवार देर रात एक मिनीबस टैक्सी में कुछ लोगों का एक समूह आया और उसने बार में कुछ संरक्षकों पर गोलीबारी की। पुलिस ने रविवार सुबह शवों को हटाया और जांच शुरू की कि सामूहिक गोलीबारी क्यों हुई। गंभीर रूप से घायल तीन व्यक्तियों और घायल एक अन्य व्यक्ति को क्रिस हानी बरगवनथ अस्पताल ले जाया गया है। गौतेंग प्रांत के पुलिस आयुक्त लेफ्टिनेंट जनरल इलियास मावेला ने कहा कि घटनास्थल पर मिले कारतूसों की संख्या से संकेत मिलता है कि ये लोगों का एक समूह था, जिन्होंने संरक्षकों को गोली मारी।

मावेला ने बताया, ''प्राथमिक जांच से पता चलता है कि वहां मौजूद लोग यहां लाइसेंस-धारक बार में जश्न मना रहे थे।'' उन्होंने कहा, ''अचानक इन लोगों ने गोलियों की आवाज सुनी और बार से बाहर निकलने की कोशिश की। इस घटना के पीछे मकसद क्या है और इन लोगों को क्यों निशाना बनाया गया इस बारे में फिलहाल हमारे पास पूरी जानकारी नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''आप देख सकते हैं कि 'हाई कैलिबर' बन्दूक का इस्तेमाल किया गया है और वे बेतरतीब ढंग से गोलीबारी कर रहे थे। आप देख सकते हैं कि ये सभी लोग बार से बाहर निकलने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

अफगानिस्तान, लीबिया समेत कई देशों में मनाया जा रहा ईद-उल-अजहा का पर्व

मीना (सऊदी अरब)। अफगानिस्तान, लीबिया, मिस्र, केन्या और यमन समेत दुनिया के कई देशों में शनिवार को ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व मनाया जा रहा है। इंडोनेशिया, भारत और पाकिस्तान सहित एशिया के ज्यादातर देशों में रविवार को बकरीद मनाई जायेगी।

खुशी के इस त्योहार पर भोजन की विविधता एक मुख्य आकर्षण होता है, लेकिन यूक्रेन में रूस के हमले के कारण खाद्य पदार्थों की कीमतों में हुई वृद्धि का जश्न पर असर देखा जा रहा है। उत्तरी अफगानिस्तान में मजार-ए-शरीफ के एक मवेशी बाजार के मोहम्मद नादिर ने कहा, ''हर कोई अल्लाह के नाम पर एक जानवर की कुर्बानी देना चाहता है, लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकते क्योंकि वे गरीब हैं।'' यूक्रेन युद्ध के कारण गेहूं और मांस की कीमतें कई गुना बढ़ गई हैं। गाजा पट्टी में एक पशु बाजार में खरीदारों की संख्या कम थी। विक्रेताओं ने कहा कि हाल के हफ्तों में भेड़ के चारे की कीमत चार गुना बढ़ गई है। चार दिवसीय त्योहार पर बहुत से मुस्लिम पारंपरिक तौर पर पशुओं की कुर्बानी देने के बाद उसके मांस को परिवार, दोस्तों और गरीबों में वितरित करते हैं।

अमेरिका और चीन के बीच तनाव खत्म करने के लिए शीर्ष नेताओं ने मुलाकात की

नुसा दुआ (इंडोनेशिया)। अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने वाशिंगटन और बीजिंग के बीच हाल में बढ़ी कड़वाहट को खत्म करने या कम से कम करने की कवायद के तौर पर शनिवार को चीन के अपने समकक्ष वांग यी से मुलाकात की। ब्लिंकन और वांग यी इंडोनेशिया के बाली में बातचीत कर रहे हैं। इससे एक दिन पहले वे 20 अमीर और बड़े विकासशील देशों के समूह के शीर्ष राजनयिकों की बैठक में शामिल हुए, जिसमें यूक्रेन में रूस के युद्ध और इसके असर से निपटने पर आम सहमति नहीं बन पायी।

वांग और ब्लिंकन के शुल्क, व्यापार और मानवाधिकार से लेकर ताइवान तथा दक्षिण चीन सागर संबंधी विवाद जैसे मुद्दों पर चर्चा करने की संभावना है। जब दोनों नेता बंद कमरे में बैठक के लिए जा रहे थे तब ब्लिंकन ने कहा, ''अमेरिका और चीन के बीच जटिल तथा परिणामी संबंधों की स्थिति में काफी मुद्दों पर बात करने की आवश्यकता है और मैं रचनात्मक एवं सार्थक बातचीत के लिए उत्साहित हूं।'' वहीं, वांग ने कहा, ''दोनों देशों के लिए सामान्य बातचीत करना और यह सुनिश्चित करने के लिए साथ मिलकर काम करना आवश्यक है कि यह रिश्ता सही दिशा में आगे बढ़ता रहेगा।'' अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उन्हें ब्लिंकन और वांग के बीच वार्ता से कोई बड़ी कामयाबी मिलने की उम्मीद नहीं है।

शी चिनफिंग ने आबे के निधन पर शोक जताया, चीन-जापान संबंधों में सुधार के प्रयासों की सराहना की

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने जापान के सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहे शिंजो आबे के निधन पर शनिवार को शोक जताया और चीन-जापान संबंधों को बेहतर बनाने में उनके सकारात्मक योगदान की सराहना की। आबे (67)की शनिवार को पश्चिमी जापान के नारा में एक रेलवे स्टेशन के निकट चुनाव प्रचार कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चीन के सरकारी मीडिया ने शनिवार को खबर दी कि शी ने आबे के निधन पर चीन सरकार, देशवासियों और अपनी ओर से शोक व्यक्त किया और आबे के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्होंने कहा कि आबे ने प्रधानमंत्री पद पर रहते हुए चीन-जापान संबंधों को सुधारने के प्रयास किए और इस प्रयास में सकारात्मक योगदान दिया। शी ने कहा कि नए युग की जरूरतों को पूरा करने वाले चीन-जापान संबंध स्थापित करने को लेकर आबे के साथ उनकी एक महत्वपूर्ण आम सहमति बन गई थी। शी ने कहा कि वह चीन-जापान संबंधों के विकास के लिये जापान के मौजूदा प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा के साथ काम करते रहेंगे। सरकार द्वारा संचालित चाइना डेली की खबर के अनुसार शी और उनकी पत्नी पेंग लियुआन ने आबे की पत्नी अकी आबे को शोक संदेश भी भेजा। चीन और जापान के संबंध अतीत में तनावपूर्ण रहे हैं। दोनों के बीच दो युद्ध हो चुके हैं जिसमें से एक 1894-95में और दूसरा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 1934-45के बीच।

इस्लामाबाद में वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार पर हमला

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में सरकारी प्रतिष्ठानों की आलोचना करने वाले मीडियाकर्मियों पर हमलों के बढ़ते मामलों के बीच अज्ञात लोगों ने एक वरिष्ठ पाकिस्तानी पत्रकार पर उसके कार्यालय के बाहर यहां शनिवार को हमला कर दिया। 'बोल टीवी' के प्रस्तोता सामी इब्राहिम इस्लामाबाद के मेलोडी इलाके में अपने कार्यालय के बाहर खड़े थे, तभी करीब तीन लोगों ने उन पर हमला कर दिया। इब्राहिम ने एक वीडियो क्लिप में घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि पीछे से उन पर हमला करने कोई आया।

उन्होंने कहा कि हमलावरों ने ''हरे रंग की पंजीकरण प्लेट'' वाली एक कार में बैठकर फरार होने से पहले घटना का वीडियो भी बनाया। अधिकारियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले राज्य के स्वामित्व वाले वाहनों की पंजीकरण प्लेट के लिए हरे रंग का इस्तेमाल किया जाता है। मौके पर पहुंची पुलिस ने घटना के पीछे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है। पाकिस्तान में संघीय जांच एजेंसी ने सोशल मीडिया मंचों पर ''सरकार विरोधी वीडियो और बयान'' प्रसारित करने के मामले में इब्राहिम के खिलाफ हाल में जांच शुरू की है। इससे पहले इसी महीने, अज्ञात हमलावरों ने वरिष्ठ पत्रकार अयाज आमिर पर उस समय हमला कर दिया था, जब वह लाहौर स्थित अपने घर वापस जा रहे थे। समाचार वेबसाइट 'आईन्यूज' के मुख्य संपादक अहमद शाहीन पर जून में अज्ञात लोगों ने हमला किया था।

ब्रिटेन के नये प्रधानमंत्री पद की दौड़ में ऋषि सुनक सबसे आगे

लंदन। ब्रिटेन की कंजर्वेटिव पार्टी का नया नेता और देश का अगला प्रधानमंत्री चुने जाने के लिए अपना अभियान औपचारिक रूप से शुरू करने वाले भारतीय मूल के ऋषि सुनक नेतृत्व संभालने की दौड़ में शनिवार को सबसे आगे नजर आए।

बहरहाल, इस दौड़ में कई अन्य नेता शामिल हो गए हैं। 42 वर्षीय सुनक इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति के दामाद हैं। हाउस ऑफ कॉमन्स में सत्ता पक्ष के नेता मार्क स्पेंसर, कंजर्वेटिव पार्टी के पूर्व अध्यक्ष ओलिवर डाउडेन और पूर्व कैबिनेट मंत्री लियाम फॉक्स सहित कई वरिष्ठ टोरी सांसदों ने सार्वजनिक रूप से उनका समर्थन किया है। सुनक के बाद ब्रिटेन के चांसलर बने इराकी मूल के नाधिम जहावी और परिवहन मंत्री ग्रांट शाप्स ने भी शनिवार को अपनी उम्मीदवारी की घोषणा की। कंजर्वेटिव पार्टी के एक बड़े समूह का मानना है कि सुनक विभाजित सत्तारूढ़ दल को एकजुट करने के लिए सबसे उपयुक्त उम्मीदवार हैं और वह पूर्व चांसलर के रूप में ब्रिटेन के सामने खड़ी बड़ी आर्थिक चुनौतियों से निपटने में सबसे अधिक सक्षम हैं। सुनक की स्थिति इसलिए और मजबूत हो गई है, क्योंकि कंजर्वेटिव पार्टी के नेता और प्रधानमंत्री पद के संभावित दावेदारों में शामिल ब्रिटेन के रक्षा मंत्री बेन वॉलेस ने खुद को इस दौड़ से आधिकारिक तौर पर बाहर कर लिया है।

करांची में बाढ़ के पानी के बीच से निकलते हुए वाहन।

कोविड-19 महामारी के दौरान 70प्र. वरिष्ठ नागरिकों को उचित स्वास्थ्य सेवा नहीं मिली: सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। कोविड-19 महामारी के दौरान लगभग 70 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिकों को उचित स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलीं। इस दौरान 57 प्रतिशत को मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का सामना करना पड़ा। मैक्स समूह की फर्म अंतरा के एक सर्वेक्षण में यह बात सामने आई।

अंतरा की 2013 में शुरुआत हुई थी और यह मैक्स इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। अंतरा वरिष्ठ नागरिकों की देखभाल जरूरतों के लिए एकीकृत सेवा प्रदाता है। अंतरा ने शनिवार को एक बयान में कहा कि सर्वेक्षण में 60 वर्ष और उससे अधिक उम्र के 2,100 वरिष्ठ नागरिकों की राय ली गई। शहरी क्षेत्रों पर आधारित यह शोध मार्च से मई के अंत तक ढाई महीने की अवधि में एयॉन इनसाइट्स मार्केट रिसर्च के सहयोग से किया गया था। सर्वेक्षण में 53 प्रतिशत लोगों ने कहा कि बीमारी को लेकर उनकी शीर्ष चिंताओं में कोविड-19 महामारी शामिल थी। महामारी से बचने के लिए लगभग 72 प्रतिशत ने स्व-निगरानी, संतुलित आहार का विकल्प चुना और 55 प्रतिशत ने पेशेवर चिकित्सा सहायता लेने के बजाय घरेलू उपचार पर भरोसा किया।

रूस को चीन का समर्थन रिश्तों को जटिल बना रहा : अमेरिका के विदेश मंत्री

नुसा दुआ (इंडोनेशिया) (एजेंसी)।

अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने अपने चीनी समकक्ष वांग यी से शनिवार को कहा कि यूक्रेन में रूस के युद्ध के लिए चीन का समर्थन ऐसे समय में अमेरिका-चीन के संबंधों को जटिल बना रहा है जब कई अन्य मुद्दों पर दोनों देशों के बीच मतभेद हैं। चीन के विदेश मंत्री ने दोनों देशों के संबंधों में तनाव के लिए अमेरिका को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि चीन को खतरा मानने की गलत धारणा से अमेरिकी नीति बेपटरी हो गई है। वांग ने कहा, ''बहुत से लोग मानते हैं कि अमेरिका 'चीन-फोबिया' से पीड़ित है।

एक बयान में उन्होंने कहा, ''अगर इस तरह खतरे की धारणा को बढ़ावा दिया जाता है तो चीन के प्रति अमेरिकी नीति मृत हो जाएगी जिसका कोई रास्ता नहीं होगा।'' अक्टूबर के बाद से आमने-सामने की पहली बैठक में ब्लिंकन और वांग ने इंडोनेशिया के बाली में पांच घंटे तक वार्ता की। ब्लिंकन ने कहा, ''रूस के साथ चीन के जुड़ाव को लेकर हम चिंतित हैं।'' उन्होंने कहा कि यूक्रेन में युद्ध को लेकर चीन का रुख स्वाभाविक नहीं है। चीनी पक्ष द्वारा जारी बयान में कहा गया कि दोनों विदेश मंत्रियों ने यूक्रेन को लेकर प्रमुखता से बातचीत की, लेकिन इसके विवरण साझा नहीं किए गए। एक दिन पहले, जी-20 देशों के विदेश मंत्री यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए एक स्वर में आह्वान करने के वास्ते सहमत नहीं हो पाए। वहीं, ब्लिंकन ने कहा कि रूस जी-20 की बैठक से अलग-थलग और अकेले पड़ गया है क्योंकि इसमें शामिल हुए अधिकतर देशों ने यूक्रेन युद्ध का विरोध किया है। ब्लिंकन ने कहा, ''इस बारे में मजबूत भावना है कि रूस अलग-थलग पड़ चुका है।'' अमेरिकी विदेश मंत्री ने उल्लेख किया कि रूस के विदेश मंत्री बैठक से बहुत पहले रवाना हो गए क्योंकि वह अपने समकक्षों की राय नहीं सुनना चाहते होंगे। चीन के मुद्दे पर ब्लिंकन ने कहा कि उन्होंने और वांग ने शुल्क, व्यापार और मानवाधिकार से लेकर ताइवान तथा दक्षिण चीन सागर संबंधी विवाद जैसे मुद्दों पर चर्चा की। वांग ने अमेरिका से चीन से सामनों के आयात पर जल्द से जल्द शुल्क हटाने, देश के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप करना बंद करने और मानवाधिकारों तथा लोकतंत्र के नाम पर उसके हितों को नुकसान पहुंचाने से परहेज करने का आह्वान किया। वांग ने आरोप लगाया कि अमेरिका ताइवान पर अपने कदमों के जरिए भड़कावे का काम कर रहा है। ठीक दो दिन पहले दोनों देशों के सैन्य अधिकारियों ने डिजिटल माध्यम से बैठक में ताइवान पर बातचीत की थी। ब्लिंकन ने यह भी कहा कि उन्होंने तिब्बत और पश्चिमी शिनजियांग में अल्पसंख्यकों के मानवाधिकारों के मुद्दे को भी उठाया। बैठक से पहले अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि उन्हें ब्लिंकन और वांग के बीच वार्ता से कोई बड़ी कामयाबी मिलने की उम्मीद नहीं है। हालांकि उन्होंने आशा जताई कि बातचीत से संवाद का रास्ता खुला रह सकता है और जटिल मुद्दों पर दोनों देश आगे बातचीत कर सकते हैं।

श्रीलंका के राष्ट्रपति को अज्ञात स्थान पर ले जाया गया : रिपोर्ट

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका में शनिवार को होने वाले व्यापक विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने शुक्रवार को अपना आधिकारिक आवास छोड़ दिया था और वह फिलहाल कहां पर हैं, इसकी जानकारी सामने नहीं आ सकी है। अभूतपूर्व आर्थिक संकट से जूझ रहे द्वीपीय देश में मार्च से ही राजपक्षे के इस्तीफे की मांग कर रहे हजारों प्रदर्शनकारियों ने शनिवार को कोलंबो स्थित उनके आधिकारिक आवास पर धावा बोल दिया। प्रदर्शनकारियों के अप्रैल की शुरुआत में राष्ट्रपति कार्यालय पर कब्जा करने के इरादे से उसके प्रवेश द्वार तक पहुंचने के बाद से राजपक्षे राष्ट्रपति आवास को अपने आवास और कार्यालय के रूप में इस्तेमाल कर रहे थे।

सूत्रों के मुताबिक, शनिवार के विरोध-प्रदर्शनों के मद्देनजर राजपक्षे को शुक्रवार को ही उनके आवास से हटा दिया गया था और वह फिलहाल कहां पर हैं, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। इस बीच, प्रदर्शनकारी अब राष्ट्रपति के कार्यालय और आधिकारिक आवास, दोनों पर कब्जा जमा चुके हैं। 'न्यूज फर्स्ट' चैनल ने शनिवार को प्रसारित रिपोर्ट में दावा किया कि कोलंबो बंदरगाह पर खड़े श्रीलंकाई नौसेना के गजबाहू जहाज पर सामान भेजे जाने की खबरें सामने आई हैं। चैनल के मुताबिक, 'कोलंबो बंदरगाह के हार्बर मास्टर ने कहा कि एक समूह एसएलएनएस सिंदुराला और एसएलएनएस गजबाहू पर सवार हुआ तथा बंदरगाह से निकल गया। हालांकि, वह जहाज में सवार होने वाले लोगों के बारे में कोई जानकारी नहीं दे सकते, न ही यह बता सकते हैं कि वे कहां गए हैं।' इससे पहले, सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में वीआईपी वाहनों के एक काफिले को कोलंबो अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे की तरफ जाते हुए देखा गया, जहां श्रीलंका एयरलाइंस का एक विमान इंतजार में खड़ा था। उधर, राष्ट्रपति राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर फोर्ट इलाके में बड़ी संख्या में जुटे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षाबलों के बीच झड़प में दो पुलिसकर्मियों सहित कम से कम 30 लोगों के घायल होने की खबर है। राष्ट्रपति भवन की दीवारों पर चढ़ने वाले प्रदर्शनकारी किसी संपत्ति को नुकसान पहुंचाए या हिंसा के कृत्यों में शामिल हुए बिना उसमें डटे हुए हैं।

श्रीलंका के सेना प्रमुख ने देश में शांति बनाये रखने के लिए लोगों से सहयोग मांगा

कोलंबो। (एजेंसी)।

श्रीलंकाई सेना प्रमुख जनरल शैवेंद्र सिल्वा ने देश में शांति बनाए रखने के लिए लोगों से समर्थन मांगते हुए रविवार को कहा कि मौजूदा राजनीतिक संकट का शांतिपूर्ण तरीके से समाधान का अवसर अब उपलब्ध है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब श्रीलंका के राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने कुछ घंटे पहले ही 13 जुलाई को पद छोड़ने की सहमति जतायी।

श्रीलंका में आर्थिक संकट को लेकर राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के इस्तीफे की मांग को लेकर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी शनिवार को मध्य कोलंबो के कड़ी सुरक्षा वाले फोर्ट इलाके में राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास में घुस गए थे। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के इस्तीफे की पेशकश किये जाने के बाद भी प्रदर्शनकारियों ने उनके निजी आवास में आग लगा दी। श्रीलंका के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल सिल्वा ने एक संक्षिप्त बयान में कहा कि मौजूदा संकट को शांतिपूर्ण तरीके से हल करने का अवसर उत्पन्न हुआ है।

'कोलंबो गजट न्यूज' पोर्टल ने बताया कि सिल्वा ने श्रीलंका के सभी लोगों से देश में शांति बनाए रखने के लिए सशस्त्र बलों और पुलिस का समर्थन करने का अनुरोध किया। यह बयान शनिवार को गाले फेस और फोर्ट तथा प्रधानमंत्री विक्रमसिंघे के निजी आवास के पास हुई हिंसा के बाद जारी किया गया। इन घटनाओं के बाद राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे और प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे ने इस्तीफा देने की पेशकश की है।

नर्सिंग होम पर हमले के लिए रूस के साथ यूक्रेन भी जिम्मेदार : संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन (एजेंसी)।

रूस द्वारा फरवरी के अंत में यूक्रेन पर आक्रमण किये जाने के करीब दो सप्ताह बाद क्रेमलिन समर्थित विद्रोहियों ने पूर्वी लुहांस्क क्षेत्र के एक नर्सिंग होम पर हमला किया था। संयुक्त राष्ट्र ने इस हमले के लिए रूस के साथ-साथ यूक्रेन को भी समान रूप से जिम्मेदार ठहराया है। इस हमले की वजह से कई मरीज बिना बिजली-पानी के नर्सिंग होम की इमारत में फंस गए थे।

उल्लेखनीय है कि 11 मार्च को यूक्रेन की राजधानी कीव से 580 किलोमीटर दक्षिण पूर्व के गांव स्टारा क्रास्न्यांका स्थित नर्सिंग होम पर हमला किया गया था। यूक्रेन के अधिकारियों ने रूस पर करीब 50 लोगों की हत्या करने का आरोप लगाया था। इस हमले को युद्ध के दौरान बरती गई क्रूरता बताया गया और यूक्रेन के अधिकारियों ने घटना के लिए रूस को जिम्मेदार ठहराया था। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र की एक नयी रिपोर्ट में कहा गया है कि हमले के

लिए यूक्रेन की सशस्त्र सेनाएं समान रूप से जिम्मेदार हैं, क्योंकि हमले से कुछ दिन पहले उन्होंने नर्सिंग होम की इमारत के अंदर से मोर्चा संभाला था जिसने इमारत को दुश्मन सेना के निशाने पर लाने का काम किया। संयुक्त राष्ट्र ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि नर्सिंग होम में मौजूद 71 मरीजों में कम से कम 22 बचने में सफल रहे, लेकिन मृतकों की वास्तविक संख्या अब भी अज्ञात है। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र का मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय अपनी रिपोर्ट में इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है कि यूक्रेनी सैनिक या मॉस्को समर्थित अलगाववादी लड़ाकों में से किसने युद्ध अपराध किया था। लेकिन संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी ने कहा कि नर्सिंग होम पर किया गया हमला मानवाधिकार कार्यालय के लिए चिंता का विषय है। इस युद्ध में अमेरिका, यूक्रेन का सहयोग कर रहा है और वह रूस पर आम नागरिकों को निशाना बनाने का आरोप लगाता रहा है। अमेरिका रक्षा मंत्रालय के पूर्व अधिकारी और कई अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधों की जांच का अनुभव रखने वाले डेविड क्रेन ने कहा कि युद्ध के मैदान में यूक्रेन को भी अंतरराष्ट्रीय कानूनों का अनुपालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के सशस्त्र बलों ने नर्सिंग होम में रहने वालों और कर्मचारियों को वहां से नहीं निकालकर संभवतः सैन्य संघर्ष के नियमों का उल्लंघन किया है। क्रेन ने कहा, ''मौलिक सिद्धांत है कि आम नागरिकों को जानबूझकर निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। भले कोई भी कारण हो। लेकिन यूक्रेनी सेना ने उन लोगों को वहां रखा जो प्राणों के लिए घातक क्षेत्र था। आप ऐसा नहीं कर सकते।

शिंजो आबे की हत्या से जापान में हाथ से निर्मित बंदूकों पर फिर उठने लगे सवाल

तो यो। (एजेंसी)।

जापान के पूर्व प्रधानमंत्री शिंजो आबे की हत्या ने देश को हिलाकर रख दिया है और इस घटना से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। भीड़ से निकले एक व्यक्ति ने हाथ से बनी बंदूक से देश के सबसे दिग्गज नेताओं में शुमार आबे को गोली मार दी। यह बंदूक इतने बेतरतीब तरीके से बनी थी कि इसे टेप से जोड़ा गया था। पश्चिमी जापान के नारा शहर में शुक्रवार को सत्तारूढ़ पार्टी के प्रचार के दौरान आबे को मारने के लिए इस्तेमाल की गई 40 सेंटीमीटर लंबी बंदूक किसी नौसिखिये द्वारा निर्मित लग रही थी। यह टेप से लिपटे पाइप से बनी एक ऐसी प्रणोदक नजर आ रही थी, जो विस्फोटकों से भरी हुई थी।

पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध के नारा स्थित एक कमरे वाले मकान की तलाशी के दौरान ऐसी कई और बंदूकें बरामद हुईं। पारंपरिक हथियारों के विपरीत हस्तनिर्मित बंदूकों का पता लगाना व्यावहारिक रूप से असंभव होता है, जिससे जांच मुश्किल हो जाती है। जापान में इस तरह के हथियारों का इस्तेमाल कम ही किया जाता है। देश में होने वाले ज्यादातर हमलों में या तो पीड़ित को चाकू घोंपने या वाहन से कुचलने या फिर गैसोलीन छिड़ककर आग लगाने जैसे तरीके अपनाए जाते रहे हैं। हमलावर तेतसुया यामागामी ने संभवतः सख्त बंदूक नियंत्रण कानून के चलते हस्तनिर्मित हथियार चुना। वह जापान की नौसेना का पूर्व सदस्य है और हथियार बनाने व उनका इस्तेमाल करने की कला से वाकिफ है। आबे पर हमले के बाद उसे घटनास्थल से ही गिरफ्तार कर लिया गया था। अपराध विशेषज्ञों का कहना है कि इंटरनेट पर बंदूक बनाने के दिशा-निर्देश आसानी से उपलब्ध हैं और 3-डी प्रिंटर के जरिये भी बंदूक तैयार की जा सकती है। कुछ विश्लेषकों ने आबे पर हुए हमले को ''लोन-वोल्फ आतंकवाद'' करार दिया है। ऐसे मामलों में साजिशकर्ता अकेले ही काम करता है, ज्यादातर मामलों में किसी राजनीतिक विचारधारा से प्रभावित होकर, जिससे अपराध का पहले से पता लगाना काफी मुश्किल हो जाता है। हालांकि, आबे की हत्या के पीछे का मकसद अभी स्पष्ट नहीं है। जापानी मीडिया में प्रकाशित खबरों में दावा किया गया है कि संदिग्ध के मन में एक धार्मिक समूह के प्रति घृणा उत्पन्न हो गई थी, जिससे उसकी मां इस कदर जुड़ी हुई थी कि उसके परिवार को आर्थिक दुश्वारियां झेलनी पड़ी थीं। खबरों में धार्मिक समूह का नाम जाहिर नहीं किया गया है।

हालांकि, बताया जा रहा है कि आबे भी इस समूह के प्रति झुकाव रखते थे।

जापान ने अतीत में भी कई नेताओं पर हमले देखे हैं। 1960 में आबे के दादा और तत्कालीन प्रधानमंत्री नोबुसुके किशी पर चाकू से हमला हुआ था, लेकिन वह बच गए थे। 1975 में जब पूर्व प्रधानमंत्री इसाकु सातो के अंतिम संस्कार में तत्कालीन प्रधानमंत्री टेको मिकी पर हमला किया गया था, तब जापान ने अमेरिकी खुफिया सेवा की तर्ज पर एक सुरक्षा दल की स्थापना की थी। जापान में इंटरनेशनल बॉडीगार्ड एसोसिएशन के मुख्य कार्यकारी हिदेतो टेड ओसानाई और अन्य विशेषज्ञों का मानना है कि जापानियों ने सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण रोकथाम मानसिकता के बजाय केवल सुरक्षा दस्ते के गठन जैसी सतही चीजें सीखी होंगी।

विराट कोहली बन गए हैं टीम इंडिया की सबसे कमज़ोर कड़ी? इंग्लैंड के खिलाफ फॉर्म में लौटे भारतीय गेंदबाद

साउथैंपटन (एजेंसी)।

भारतीय क्रिकेट टीम बदल रही है! क्रिकेट लवर्स पिछले कुछ सालों से टीम इंडिया के एक कमजोर रूप को देख रहे थे। भारतीय क्रिकेट टीम की ऐसी हालत के पीछे आखिर क्या कारण थे वह किसी को नहीं पता लेकिन फैंस के बीच मैदान में जब टीम इंडिया उतरती और खेलती, तब मैच देखने में मजा नहीं आता था। खेल में आक्रामकता का आभाव, ढीली गेंदबादी, खेल खत्म होने से पहले ही हथियार डाल देना, बल्लेबाजों का फॉर्म से आउट होना। कुछ एक बल्लेबाजों ने टीम की जिम्मेदारी अपने सिर पर उठा रखी थी लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज खेलने इंग्लैंड दौरे पर गयी भारत की टीम का रंग कुछ अलग दिखायी पड़ा! कुछ सालों से कमजोर पावरप्ले की शुरूआत करने वाली टीम इंडिया ने शायद अपनी क्रिकेट की रणनीति में बदलाव किया था। इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया ने 2-0 की बढ़त हासिल करके सीरीज अपने नाम कर ली है। रविवार (10 जुलाई 2022) को टीम सीरीज का आखिरी मैच इंग्लैंड के खिलाफ खेलेगी। मैच 6 बजे से शुरू होगा।

पावर प्ले में टीम इंडिया ने दिखाई आक्रामकता

टीम इंडिया अपने विकेट बचाने के लिए पावर-प्ले में बहुत संभलकर खेलती थी लेकिन इंग्लैंड के लिखाफ पावर-प्ले में बिना विकेट गवाने के डर से टीम इंडिया आक्रामक खेली। पावर प्ले में रोहित शर्मा और ऋषभ पंथ ने ओपनिंग की और निडर अंदाज में खेले। बहुत दिनों बाद रोहित शर्मा का बेबाद अंदाज से क्रिकेट खेलने वाला स्टाइल फैंस ने मैदान में देखा। छह ओवर यानी पावरप्ले के बाद सिर्फ एक विकेट के नुकसान पर 61 रन बने थे। रोहित शर्मा ने 20 बोलों में 31 रन बनाए जिसमें उन्होंने कई चौके-छक्के लगाए आखिर में रिचर्ड गीशन की गेंद पर कप्तान आउट हो गये। पहली बार मैदान में उतरी रोहित और ऋषभ की जोड़ी ने 29 गेंद पर 49 रन जड़े। इसके लग रहा था कि स्कोर शायद 200 के पार जाएगा लेकिन रोहित के आउट होने के बाद 89 रनों पर भारत ने अपने एक साल 5 विकेट गंवा दिए। 10 बॉलों के अंदर ऋषभ पंद, विराट कोहली, हार्दिक पांड्या और सुर्यकुमार यादव आउट हो गये। भले ही भारत ने अपने विकेट गिराए लेकिन भारत के खेलने के अंदाज में परिवर्तन नहीं दिखा। विकेट के दवाब के बाद भी भारत का स्कोर बोर्ड चल रहा था। दिनेश कार्तिक और रवींद्र जडेजा के कंधों पर एक सम्मान जनक स्कोर खड़ा करने की जिम्मेदारी आयी। जिसे जडेजा ने निभाया भी। टीम ने इंग्लेंड को 170 रनों का टारगेट दिया।

विराट कोहली आये और विराट कोहली गये (3 गेंद पर 1 रन)

आयरलैंड के खिलाफ एक अर्धशतक लगाकर शानदार फॉर्म में चल रहे दीपक हुड्डा ने इंग्लैंड के खिलाफ पहले मैच में भी शानदार खेल खेला लेकिन विराट की वापसी के लिए दी दीपक को बाहर कर दिया गया। विराट कोहली फॉर्म में नहीं है शायद ये बात हिंदुस्तान का बच्चा-बच्चा जान गया है। पिछले कुछ सालों से विराट का बल्ला शांत है। 200 की स्ट्राइक रेट से खेलने वाला और टीम इंडिया को शिखर पर पहुंचाने वाला खिलाड़ी इस समय

अपने करियर के सबसे बुरे दौर से गुजर रहा है। विश्व कप के लिए टीम तैयार हो रही है और विराट कोहली रन ही नहीं बना पा रहे हैं। ऐसे में विराट के विश्व कप खेलने को लेकर भी कई तरह की चर्चा हो रही है। विराट कोहली को फॉर्म में वापसी करनी होगी अगर वह चाहते है कि भारत विश्व कप जीते! एग्रेसिव खेलने के निर्देशों का पालन करते हुए विराट ने अपने बल्लेबाजी करने के तरीके से विपरीत तीसरी गेंद पर ही शॉट खेलने का ट्राई किया और कैंच आउट हो गये। उन्होंने तीन गेंद में एक रन बनाया।

भारतीय क्रिकेट की शानदार गेंदबाजी

समकालीन क्रिकेट में बहुत कम गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार से बेहतर गेंद को स्विंग करा पाते हैं लेकिन सफेद कूकाबूरा गेंद से तीन दिन में दूसरी बार इंग्लैंड के बल्लेबाजी क्रम को झकझोरने के बाद भारत के इस तेज गेंदबाज ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि वह गेंद को स्विंग करा रहे हैं या हालात के कारण ऐसा हो रहा है। या फिर गेंद ही खुद स्विंग हो रही है।

विश्व खेल: वर्मा और ज्योति की मिश्रित टीम को कांस्य पदक

बर्मिंघम (एजेंसी)।

अभिषेक वर्मा और ज्योति सुरेखा वेनाम की भारतीय कंपाउंड मिश्रित टीम ने यहां विश्व खेलों में मैक्सिको के अपने प्रतिद्वंद्वियों को एक अंक से पछाड़कर कांस्य पदक जीता। भारतीय जोड़ी ने परफेक्ट शुरुआत करते हुए पहले दौर में बढ़त बनाई लेकिन आंद्रिया बेकेरा और मिगुएल बेकेरा की जोड़ी ने दूसरे दौर में बेहतर प्रदर्शन करते हुए स्कोर बराबर कर दिया।

वर्मा और ज्योति ने इसके बाद तीसरे दौर में वापसी की और अंतिम दौर में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक के प्ले आफ मुकाबले को 157-156 से जीत लिया। भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) के बयान के अनुसार यह विश्व खेलों में भारत का अब तक का पहला पदक और विश्व कप के पूर्व स्वर्ण पदक विजेता वर्मा का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर 50वां पदक है। वर्मा कंपाउंड तीरंदाजी में सभी स्तर पर पदक जीतने वाले एकमात्र भारतीय तीरंदाज हैं। उन्होंने विश्व खेलों, विश्व चैंपियनशिप, विश्व कप फाइनल, विश्व कप, एशियाई खेल और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीते हैं।

व्यक्तिगत वर्ग में हालांकि वर्मा ने निराश किया। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी विश्व चैंपियन अमरीका के माइक श्लोसर को क्वार्टर फाइनल में हराने वाले वर्मा सेमीफाइनल की बाधा को पार करने में नाकाम रहे। उन्हें विश्व रैंकिंग में अपने से एक स्थान बेहतर चौथे स्थान पर मौजूद फ्रांस के जीन फिलिप बोल्च के खिलाफ 141-143 से शिकस्त झेलनी पड़ी। वर्मा इसके बाद कांस्य पदक के प्लेऑफ मुकाबले में अपने से कम रैंकिंग वाले कनाडा के क्रिस्टोफर पार्किंस से 145-148 से हार गए।

73 साल के हुए लिटिल मास्टर

नई दिल्ली (एजेंसी)।

महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर रविवार 10 जुलाई को 73 साल के हो गए। गावस्कर को जन्मदिन पर साथी खिलाड़ियों और प्रशंसकों ने शुभकामनाएं दी हैं। गावस्कर टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल की जब विश्व क्रिकेट में डेनिस लिली, रिचर्ड हैडली , इमरान खान और वेस्टइंडीज की पैस बैटरी (माइकल होल्डिंग, जोएल गार्डर और मेलकम मार्शल) छाये थे। गावस्कर इन खतरनाक गेंदबाजों के सामने हेलमेट के बिना ही उतरते थे। इसके बाद भी तेज गेंदबाज उनसे खौफ खाते थे। गावस्कर, ने 16 साल के लंबे करियर में उन्होंने 233 अंतर्राष्ट्रीय मैचों में 13,214 अंतर्राष्ट्रीय रन बनाए। उनकी सबसे पसंदीदा टीम वेस्टइंडीज ही मानी जाती थी जिसके खिलाफ 27 मैचों में उन्होंने 13 शतक लगाए। 7 मार्च 1987 को गावस्कर ने पाकिस्तान के खिलाफ खेलते हुए अपने 10,000 रन पूरा किए और टेस्ट क्रिकेट में ऐसा करने वाले वह पहले बल्लेबाज बने।टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक शतक भी गावस्कर के ही नाम थे। उन्होंने 125 टेस्ट मैचों में 34 शतक लगाए हैं।

करुणारत्ने-मेंडिस की शानदार साझेदारी से श्रीलंका बड़े स्कोर की ओर

कोलंबो (एजेंसी)।

दिमुथ करुणारत्ने और कुसल मेंडिस की शानदार बल्लेबाजी से मेजबान श्रीलंकाई क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी पहली पारी में दो विकेट पर 184 रन बना लिए थे। करुणारत्ने 86 रन बनाकर आउट हुए जबकि मेंडिस ने नाबाद 84 रन बनाये थे। इन दोनो के बीच ही दूसरे विकेट के लिए 152 रनों की रिकॉर्ड साझेदारी हुई। इससे पहले स्पिनर प्रभात जयसूर्या के छह विकेटों की सहायता से दूसरे दिन के शुरुआती सत्र में श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलियाई टीम को पहली पारी में 364 रन पर समेट दिया था। दिन का खेल समाप्त होने के समय मेंडिस 84 और पूर्व कप्तान एंजेलो मैथ्यूज छह रन बनाकर खेल रहे थे। मिचेल स्टार्क की गेंद पर सलामी बल्लेबाज प्रथुम निशंका के 06 रनों पर ही आउट होने के बाद कप्तान करुणारत्ने और मेंडिस ने शानदार बल्लेबाजी की। करुणारत्ने ने इस दौरान अपने टेस्ट करियर का 30 वां अर्धशतक लगाया।

इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने दिन की शुरुआत पहली पारी में पांच विकेट पर 298 रन से की पर पदार्पण कर रहे प्रभात जयसूर्या ने शानदार गेंदबाजी कर ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर खड़ा करने से रोक दिया। बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 145 रन बनाकर नाबाद रहे। प्रभात जयसूर्या पदार्पण टेस्ट में पांच या अधिक विकेट लेने वाले श्रीलंका के छठे गेंदबाज है। इससे पहले प्रवीण जयविक्रमा ने पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ 92 रन पर छह विकेट लिए थे। जयसूर्या ने शनिवार सुबह पिछले दिन के नाबाद बल्लेबाज एलेक्स केरी को 28 रन पर आउट कर स्मिथ के साथ छठे विकेट के लिए 77 रन की साझेदारी को तोड़ा।

टी20 विश्व कप जीत सकती है भारतीय टीम : अफरीदी

लाहौर। भारतीय टीम के इंग्लैंड में शानदार प्रदर्शन का लोहा इस बार पाकिस्तान के पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी ने भी माना है। अफरीदी ने पहले दोनो मुकाबलों में भारतीय टीम की जीत पर खुशी व्यक्त की है। अफरीदी ने भारतीय टीम की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उसकी गेंदबाजी शानदार रही है। साथ ही कहा कि अगर भारतीय टीम ऐसा ही प्रदर्शन आगे भी करती रही तो टीम इस साल ऑस्ट्रेलिया में होने वाले टी20 विश्व कप को जीतने में सफल रहेगी। वहीं पाकिस्तान के पूर्व लेग स्पिनर दानिश कनेरिया ने भी टीम इंडिया की जमकर तारीफ की। कनेरिया ने विशेष रुप से अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार की स्विंग गेंदबाजी को सराहा है। उन्होंने कहा, कोई कुछ भी कहे पर मौजूदा दौर में विश्व क्रिकेट में नई गेंद को स्विंग कराने में भुवनेश्वर से बेहतर कोई नहीं है। उन्होंने इससे पहले, उनकी इनस्विंग गेंदों की तुलना मोहम्मद आसिफ से भी की थी।

भुवनेश्वर ने बनाया रिकार्ड

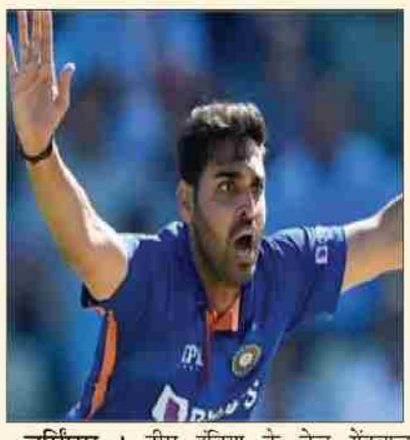

बर्मिंघम । टीम इंडिया के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में एक अहम उपलब्धि अपने नाम की है। भुवनेश्वर 14 वीं बार टी20 अंतरराष्ट्रीय में पहले ही ओवर में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज बने हैं। भुवनेश्वर ने इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टी20 में 3 ओवर में 15 रन देकर 3 विकेट लिए और उन्हें अपनी इस उपलब्धि के लिए प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड भी मिला। भुवी ने कप्तान जोस बटलर और रिचर्ड ग्लीसन को भी आउट किया। वहीं पहले टी20 में भी भुवनेश्वर ने 3 विकेट लिए थे। टेस्ट खेलने वाले देशों की बात करें, तो यह किसी भी गेंदबाज का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भुवनेश्वर का प्रदर्शन टी20 अंतरराष्ट्रीय में अब तक अच्छा रहा है। उन्होंने 68 मैच में 23 की औसत से 70 विकेट लिए हैं। इस दौरान 24 रन देकर 5 विकेट उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इस दौरान उनका इकोनॉमी रेट 7 से कम रहा। है। उन्होंने कुल 230 टी20 में 236 विकेट लिए हैं इससे पहले इंग्लैंड के डेविड विली ने 13, श्रीलंका के एंजेलो मैथ्यूज ने 11 और न्यूजीलैंड के टिम साउदी ने 9 बार पहले ही ओवर में विकेट लिए थे।

भारत-जिम्बाबे दौरा: 18 से 22 अगस्त के बीच तीन एकदिवसीय मैंच खेलेगी टीम इंडिया

जिम्बाबे दौरे के बाद शुरु होगा एशिया कप

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

टीम इंडिया के लिए आगामी महीने काफी व्यस्त रहने वाले हैं। टी-20 विश्व कप से पहले ही टीम तीन देशों का दौरा करेगी। कार्यक्रम इतना व्यस्त हैं, कि रेगुलर खेलने वाले खिलाडियों को घर जाने तक का मौका नहीं मिलेगा। इसी बीच भारत के जिम्बाबें दौरे की डेट भी सामने आ गई हैं। भारत ने 3 वनडे मुकाबले खेलने हैं, जोकि 18 से 22 अगस्त तक होने वाले हैं। पहला वनडे 18 अगस्त को, दूसरा वनडे 20 अगस्त को और तीसरा वनडे 22 अगस्त को खेला जाएगा।

भारतीय टीम का व्यस्त कार्यक्रम में टीम अभी इंग्लैंड के दौरे पर है। इंग्लैंड का दौरा 17 जुलाई को समाप्त होगा। इसके बाद वेस्टइंडीज का दौरा 22 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त को खत्म होगा। इसके बाद टीम इंडिया के दौरे पर रहेगी। जिम्बाबे दौरा 18 अगस्त से शुरू हो जाएगा और 22 अगस्त को समाप्त होगा। इसके बाद टीम इंडिया को एशिया कप खेलना हैं। एशिया कप 27 अगस्त से शुरू होगा और 11 सितंबर को खत्म होगा।

जाहिर है कि इंग्लैंड का दौरा खत्म होते ही टीम इंडिया विंडीज पहुंचेगी। जहां 3 टी-20 और 3 वनडे मुकाबले होने हैं। इसके बाद जिमबाब्वे दौरा होगा। पांच दिन बाद ही एशिया कप शुरू होगा। टाइट शैड्यूल से जाहिर है कि कई प्लेयरों को बीसीसीआई रोटेशन वाइज इस्तेमाल करेगा। बीसीसीआई ने पहले ही विंडीज दौरे के कारण वनडे मैचों के लिए शिखर धवन को कप्तानी सौंपी है। तीन वनडे मैचों की सीरीज के यह मुकाबले रात 7 बजे से शुरू होने हैं।

इस बीच बीसीसीआई कप्तानों के लेकर भी चर्चा में हैं। साल में बीसीसीआई कई कप्तानों को आजमा चुकी हैं। दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के लिए विराट कोहली, दक्षिण अफ्रीका वनडे के लिए केएल राहुल, दक्षिण अफ्रीका और वेस्टइंडीज सीरीज के लिए रोहित शर्मा, दक्षिण अफ्रीका टी-20 आई के लिए ऋषभ पंत, आयरलैंड टी-20 आई के लिए हार्दिक पांड्या, इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें टेस्ट में जसप्रीत बुमराह और डर्बीशायर के खिलाफ अभ्यास मैच के लिए दिनेश कार्तिक कप्तानी कर रहे हैं।

एलेना रिबाकिना ने जाबेर को हराकर विम्बलडन में जीता पहला ग्रैंडस्लैम खिताब

विम्बलडन (इंग्लैंड)। एलेना रिबाकिना विम्बलडन फाइनल में ओन्स जाबेर को 3-6, 6-2, 6-2 से हराकर ग्रैंडस्लैम एकल चैम्पियनशिप जीतने वाली कजाखस्तान की पहली टेनिस खिलाड़ी बन गई। मॉस्को में जन्मीं रिबाकिना 2018 के बाद से कजाखस्तान का प्रतिनिधित्व कर रही हैं जिस देश ने उनके टेनिस करियर के लिए उन्हें वित्तीय मदद देने की पेशकश की थी। इस पर विम्बलडन के दौरान काफी चर्चा भी होती रही क्योंकि 'आल इंग्लैंड क्लब' ने यूक्रेन पर हमले के कारण रूस और बेलारूस के खिलाड़ियों को टूर्नामेंट में प्रवेश करने से प्रतिबंधित कर दिया था। यह आल इंग्लैंड क्लब पर 1962 के बाद पहला महिला खिताबी मैच रहा जिसमें दोनों खिलाड़ी अपने पदार्पण में मेजर फाइनल में पहुंची हों। रिबाकिना की रैंकिंग 23 है। 1975 में जब से डब्ल्यूटीए कम्प्यूटर रैंकिंग शुरू हुई है, महज एक महिला खिलाड़ी ऐसी है जिसने रिबाकिना से निचली रैंकिंग पर रहते हुए विम्बलडन खिताब जीता और वो हैं वीनस विलियमस जिन्होंने 2007 में यहां खिताब जीता था और तब उनकी रैंकिंग 31 थी। हालांकि इससे पहले वीनस नंबर एक रह चुकी थीं और आल इंग्लैंड क्लब में अपने करियर की पांच ट्राफियों में से तीन जीत चुकी थीं। रिबाकिना ने सेंटर कोर्ट पर जाबेर की 'स्पिन' और 'स्लाइस' से पार पाने के लिए अपनी सर्विस और ताकतवर फॉरहैंड का बेहतर इस्तेमाल किया। रिबाकिना ने इस तरह जाबेर की लगातार 12 मैच जीतने की लय तोड़ दी। जाबेर की यह लय ग्रासकोर्ट पर चल रही थी।

महिला हॉकी विश्व कप : क्वार्टरफाइनल सीट के लिए स्पेन से भिड़ेगा भारत

टेरासा (स्पेन) (एजेंसी)।

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच महिला हॉकी विश्व कप के पूल बी में तीसरा स्थान हासिल करने के बाद क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए स्पेन का सामना करेगी। गोलकीपर सविता की कप्तानी में भारत ने राउंड रॉबिन लीग में इंग्लैंड (1-1) और चीन (1-1) के साथ ड्रॉ खेले, हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ उसे 3-4 से हार का सामना करना पड़ा। अब भारत को क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिए स्पेन के टेरेसा में होने वाले क्रॉसओवर मैच में मेजबान स्पेन पर जीत दर्ज करनी होगी।

अपने अब तक के विश्व कप अभियान के बारे में सविता ने कहा कि हमें पता था कि पूल मैच बेहद मुश्किल होने वाले हैं। हमने डटकर मुकाबला किया और हार नहीं मानी, लेकिन नतीजे हमारे पक्ष में नहीं आये। हम इन नतीजों को पीछे छोड़ते हुए आगे आने वाले मैच पर ध्यान देंगे। हम अब भी प्रतियोगिता में बने हुए हैं और क्वार्टरफाइनल में पहुंचने के लिये अपना सब कुछ देंगे। स्पेन पूल स्टेज में दो जीत और एक हार के बाद भारत का मुकाबला करेगी। उन्होंने अपने विश्व कप अभियान की शुरुआत कनाडा के खिलाफ 4-1 की जीत से की थी, लेकिन वह अर्जेंटीना के खिलाफ दूसरा मैच 1-4 से हार गये थे। मेजबान टीम ने तीसरे मैच में वापसी करते हुए कोरिया को 4-1 से हराकर पूल सी में दूसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले जब भारत और स्पेन एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2021/22 में सामने आए थे तो मुकाबला बराबरी का रहा था। दोनों टीमों के बीच दो मैच खेले गए थे जिसमें भारत ने पहला मैच 2-1 से जीता था जबकि स्पेन ने दूसरा मैच 4-3 से अपने नाम किया था।

लियॉन मास्टर्स शतरंज - आनंद और बोरिस के बीच होगा फाइनल

लियॉन ,स्पेन । 35वें लियॉन शतरंज फेस्टिवल रैपिड टूर्नामेंट का फाइनल मुक़ाबला भारत के पाँच बार के विश्व चैम्पियन विश्वनाथन आनंद का मुक़ाबला उनके लंबे समय तक करीबी प्रतिद्वंदी रहे इज़राइल के बोरिस गेलफंड के बीच खेला जाएगा । इस नॉक आउट रैपिड मुक़ाबले के लिए आनंद और गेलफंड के अलावा मेजबान स्पेन के जेमे संटोस लताशा और रूस के आन्द्रे एसीपेंकों को शामिल किया गया था और इनके बीच चार रैपिड मुक़ाबलों का सेमी फाइनल मुक़ाबला खेला गया जिसमें आनंद ने लताशा को तो बोरिस ने एसीपेंकों को पराजित करते हुए फाइनल में प्रवेश कर लिया है ।

आनंद ने लताशा के खिलाफ आनंद पहला रैपिड हारने के बाद वापसी करते हुए चार रैपिड का मुक़ाबला 1.5-2.5 से जीतने में कामयाब रहे । बोरिस गेलफंड और आन्द्रे एसीपेंकों के बीच चार रैपिड के बीच मुक़ाबला 2-2 से ड्रॉ रहा इसके बाद ब्लिट्ज़ टाईब्रेक 1-1 से बराबरी पर छूटा ऐसे में अंतिम अरमागोदेन टाईब्रेक जीतकर बोरिस ने फाइनल में जगह बना ली ।

महेंद्र सिंह धोनी का वो आखिरी मैच, जिसकी हार के लिए वह आज भी खुद को कोसते है!

नई दिल्ली (एजेंसी)।

वनडे वर्ल्ड कप 2019 भारत और न्यूजीलैंड के बीच 10 जुलाई को सेमीफाइनल मैच चल रहा था और इंडिया जीत के करीब पहुंच रही थी। बीच में लगातार भारतीय टीम ने अपने बड़े विकेट खो दिए थे लेकिन मैदान में जब तक महेंद्र सिंह धोनी खड़े थे तब तक टीम की फाइनल में जाने की उम्मीद जिंदा था लेकिन एक दर्दनाक एक्सीडेंट हुआ और धोनी दो इंच की दूरी से रन आउट हो गये। धोनी के रन आउट होते ही करोडों फैंस की उम्मीद भी टूट गयी। आज इस बात को 3 साल हो गये हैं लेकिन जब भी बात आती है वनडे वर्ल्ड कप 2019 की, तो सबसे पहले 2 इंच की दूरी से धोनी का रन आउट होना आखों के सामने आ जाता है। फैंस ही नहीं खुद टीम इंडिया के कई खिलाड़ी भी इस हार के दर्द को कई बार बयां कर चुके हैं। महेंद्र सिंह धोनी भी खुद को इस तरह से आउट हो जाने को लेकर कई बार कोसते नजर आये हैं। भारतीय जर्सी में एमएस धोनी का अंतिम खेल दिल तोड़ने वाला था। 2019 विश्व कप में खेलते एमएस धोनी का चमत्कार लोगों ने नहीं देखा और केन विलियमसन की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ सेमीफाइनल भारत हार गया। खेल के 49वें ओवर में दो रन लेने के चक्कर में धोनी आउट हुए। धोनी सफेल लाइन से दो इंच की दूरी पर थे जब मार्टिन गप्टिल ने बॉल को स्टंप पर मार दिया और धोनी आउट हो गये। महान भारतीय कप्तान महेंद्र सिंह धोनी के अंतरराष्ट्रीय करियर को उन उपलब्धियों के साथ देखा जाता है जो इससे पहले किसी भी भारतीय क्रिकेट क्तान ने हासिल नहीं की थी। क्रिकेट के इतिहास में धोनी सबसे सफल कप्तानों में से एक हैं और आज करोड़ो लोगों के लिए प्रेरणा है। एमएस धोनी खेल के कई पहलुओं में बेजोड़ हैं। फिर चाहे स्टंप के पीछे उनकी क्षमता (विकेटकीपिंग), खेल के पीछे उनका तेज दिमाग और दबाव की स्थितियों पर उनकी कमान, कई खिलाड़ियों के लिए सीखने का पहलू रहा है।

खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाने की तैयारी में योगी सरकार

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेन्सी)। वृंदावन में मांस की बिक्री पर रोक लगाने के बाद अब योगी सरकार एक बार फिर सख्त हो गई। योगी सरकार कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले खुले में मांस की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रही है। बतादें कि कोविड-19 की वजह से दो साल तक बंद रही कांवड़ यात्रा अब फिर से शुरू होने जा रही है। यूपी सरकार सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम करने के साथ ही यात्रा के लिए निर्धारित मार्गों पर खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाने को कदम उठा रही है।

अधिकारियों ने बताया कि स्थानीय, जिला और पुलिस प्रशासन इसे सुनिश्चित करने के लिए मांस व्यापारियों से संपर्क कर रहा है। शिव भक्तों की आस्था से जुड़ी कांवड़ यात्रा 14 जुलाई से शुरू होगी और एक पखवाड़े तक चलेगी। 2020 और 2021 में कोविड-19 के प्रकोप के कारण कांवड़ यात्रा आयोजित नहीं की गई थी।

2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यूपी में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार बनने के बाद कांवड़ियों पर हेलीकॉप्टर से फूल बरसाने की भी परंपरा शुरू हुई थी। योगी ने ही कांवड़ यात्रा में डीजे पर लगा प्रतिबंध भी हटाया था। भगवान शिव के भक्त, जिन्हें 'कांवड़िया' कहा जाता है, गंगा के तटों पर जाकर जल ले आते हैं और उसे अपने इलाके में स्थित मंदिरों से लेकर घरों तक में चढ़ाते हैं। योगी ने हाल ही में एक बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे कांवड़ यात्रियों के लिए निर्धारित मार्गों पर स्वच्छता का ध्यान रखें और वहां खुले में मांस की बिक्री पर रोक लगाने के अलावा पर्याप्त प्रकाश व प्राथमिक चिकित्सा की व्यवस्था करें।

अपर मुख्य सचिव (गृह) अवनीश अवस्थी ने बताया, मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए यह सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रयास किए जा रहे हैं कि कांवड़ यात्रा पूरे राज्य में सुरक्षित और शांतिपूर्ण तरीके से हो। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सत्यार्थ अनिरुद्ध पंकज ने कहा, हमने मांस व्यापारियों से संपर्क किया है और उन्हें यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि खुले में मांस की बिक्री न हो। व्यापारियों ने हमें इस निर्देश पर अमम का आश्वासन दिया है।

बिजनौर के पुलिस अधीक्षक दिनेश सिंह ने कहा कि उन्होंने भी मांस व्यापारियों से इसी तरह की अपील की है, जिन्होंने भरोसा दिलाया है कि कांवड़ियों के रास्ते में मांस की बिक्री नहीं होगी। राज्य भर के जिला अधिकारियों ने कांवड़ यात्रा के लिए निर्धारित सड़कों की मरम्मत का काम शुरू कर दिया है। कांवड़ियों की सर्वाधिक संख्या वाले इलाके मेरठ के मंडलायुक्त सुरेंद्र सिंह ने कहा, हाल ही में मैंने संभाग के सभी जिलों के जिलाधिकारियों के साथ बैठक की और कांवड़ यात्रा से जुड़ी व्यवस्था करने का काम जोरों पर है। उन्होंने कहा, अधिकारी मार्ग में उचित साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और महत्वपूर्ण स्थानों पर सीसीटीवी कैमरे लगाने सहित छोटी-छोटी बातों का ध्यान रख रहे हैं।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिले के अधिकारी मार्गों पर चिकित्सा शिविर लगाने की योजना भा बना रहे हैं। सिंह ने कहा, चूंकि, पिछले दो वर्षों में यात्रा नहीं हुई है, इसलिए हम इस बार कांवड़ यात्रियों की संख्या में वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। अधिकारियों को व्यवस्था करते समय इस बात को ध्यान में रखने का निर्देश दिया गया है। सिंह ने कहा, हमने मार्ग में पड़ने वाले व्यापारिक प्रतिष्ठानों और भोजनालयों के संचालकों से भी कहा है कि वे दाम को लेकर कांवड़ यात्रियों के साथ किसी भी तरह के विवाद से बचने के लिए अपने मेन्यू को कीमत सहित प्रमुखता से दर्शाएं।

प्रशासनिक अधिकारियों के मुताबिक, हरिद्वार (उत्तराखंड) पहुंचने के लिए लाखों श्रद्धालु पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, शामली, मेरठ, गाजियाबाद और बागपत जिलों से गुजरते हैं। दिल्ली, मध्य प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और राजस्थान से कांवड़िये उत्तराखंड पहुंचने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग 58 का रास्ता अपनाते हैं। यह राजमार्ग गौतम बौद्ध नगर, गाजियाबाद, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर और मेरठ से होकर गुजरता है और रुड़की (उत्तराखंड) होते हुए हरिद्वार पहुंचता है।

दिल्ली, हरियाणा और पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी श्रद्धालु सहारनपुर, शामली और बागपत जिलों से होकर जाते हैं। मुरादाबाद और बरेली से बड़ी संख्या में श्रद्धालु बिजनौर और अमरोहा होते हुए हरिद्वार पहुंचते हैं। मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक प्रवीण कुमार ने कहा, हमारा मकसद कांवड़ यात्रा के लिए स्पष्ट मार्ग उपलब्ध कराना होगा। इसके लिए बैरिकेड लगाने और मार्ग परिवर्तन करने की योजना बनाई जा रही है। थाना स्तर पर क्षेत्र के वरिष्ठ धर्म गुरुओं और शांति समितियों के साथ बैठकें भी की जा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने अपनी बैठक में

अधिकारियों से कांवड़ यात्रियों को परेशान न करने को भी कहा। उन्होंने कहा कि किसी को भी धार्मिक जुलूस में हथियार प्रदर्शित करने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए और कांवड़ यात्रियों को निर्धारित ध्वनि सीमा के भीतर भक्ति गीत बजाने की अनुमति दी जानी चाहिए। इसके अलावा, पुलिस प्रशासन ने संवेदनशील इलाकों की भी पहचान की है, जहां यात्रा के दौरान अतिरिक्त बल तैनात किया जाएगा। मेरठ क्षेत्र के अलावा फैजाबाद, प्रयागराज, वाराणसी और अन्य पड़ोसी जिलों में भी मुख्य रूप से पूर्वी उत्तर प्रदेश और बिहार से कांवड़ यात्रियों की आमद देखी जाती है। अधिकारियों ने बताया कि इन जिलों में भी प्रशासन द्वारा पर्याप्त व्यवस्था की जा रही है।

तेलंगाना सरकार का शिक्षण संस्थानों में तीन की छुट्टी का ऐलान, भारी बारिश के चलते फैसला

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने रविवार को राज्य में भारी बारिश के मद्देनजर शैक्षणिक संस्थानों में 11 जुलाई से तीन दिन की छुट्टी की घोषणा की। आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया है कि राव ने प्रगति भवन, आधिकारिक आवास परिसर-सह-शिविर कार्यालय में एक उच्चस्तरीय बैठक में मंत्रियों, मुख्य सचिव सोमेश कुमार और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ अब तक किए गए उपायों और एहतियाती कदमों की स्थिति की समीक्षा की। इससे पहले दिन में, मुख्य सचिव ने जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस कर स्थिति का जायजा लिया।

उन्होंने जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विभागों के साथ तालमेल बनाकर काम करें और सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो। वहीं, एक अन्य आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के निर्देश के अनुसार, मुख्य सचिव ने रविवार को सभी जिलाधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस की और राज्य में भारी बारिश के कारण उत्पन्न स्थिति का जायजा लिया। मुख्य सचिव ने कहा कि पिछले तीन दिन से राज्य में भारी बारिश हो रही है, ऐसे में जिलाधिकारी हाई अलर्ट पर रहें और जान-माल की हानि को रोकने के लिए सभी कदम उठाएं।

उन्होंने जिला कार्यालयों में नियंत्रण कक्ष स्थापित कर अधिकारियों को सतर्कता बरतने के निर्देश दिए और साथ ही सिंचाई,

पंचायती राज, नगर प्रशासन और ऊर्जा विभाग से कहा कि वे सुनिश्चित करें कि लगातार बारिश के कारण कोई समस्या उत्पन्न न हो। मुख्य सचिव ने कहा कि आसिफाबाद, निर्मल, निजामाबाद, पेद्दापल्ली, सिरिसिला, भूपलपल्ली और मुलुगु जिलों में भारी बारिश होने की सूचना है। उन्होंने कहा कि चूंकि नाले, तालाब और जलाशय उफान पर हैं, अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हो तो निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को विशेष शिविरों में स्थानांतरित किया जा सकता है और सड़कों के क्षतिग्रस्त होने पर तत्काल मरम्मत की जानी चाहिए।

वीडियो कॉन्फ्रेंस में विशेष मुख्य सचिव-ऊर्जा सुनील शर्मा, नगर प्रशासन एवं शहरी विकास विभाग के विशेष मुख्य सचिव अरविंद कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। राज्य में लगातार बारिश के कारण निचले इलाकों के कई हिस्से जलमग्न हैं। विभिन्न जिलों में कुछ जगहों पर सड़कों पर जलभराव की खबर है, जबकि कई जगहों पर नदियां और नाले उफान पर हैं। यहां मौसम केंद्र ने अपनी दैनिक रिपोर्ट में कहा कि जयशंकर भूपालपल्ली जिले के कालेश्वरम में 35 सेंटीमीटर बारिश दर्ज की गयी। इसने कहा कि दक्षिण-पश्चिम मानसून जोरदार रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि जयशंकर भूपालपल्ली, मनचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, पेद्दापल्ले में अलग-अलग स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश हुई।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के मौसम केंद्र ने यहां अपनी मौसम चेतावनी में कहा कि आदिलाबाद, कोमाराम भीम, मंचेरियल, निर्मल, निजामाबाद, राजन्ना सिरिसिला जिलों में अलग-अलग स्थानों पर रविवार सुबह दस बजे से सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे तक भारी से बहुत भारी बारिश होने के आसार हैं। इसी तरह, 11 जुलाई को सुबह साढ़े आठ बजे से 12 जुलाई सुबह साढ़े आठ बजे तक आदिलाबाद, कोमाराम भीम, मंचेरियल, निर्मल जिलों में छिटपुट स्थानों पर भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसने कहा कि तेलंगाना में 10 और 11 जुलाई को अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

निष्पक्ष न्यायिक व्यवस्था लोकतंत्र की सबसे बड़ी जरूरत : गडकरी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने रविवार को कहा कि एक मुक्त एवं निष्पक्ष लोकतंत्र के लिए स्वतंत्र और तटस्थ न्यायिक प्रणाली सबसे बड़ी आवश्यकता है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री गडकरी ने नागपुर में महाराष्ट्र राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के एक सुविधा खंड के उद्घाटन के मौके पर यह टिप्पणी की।

लोकतंत्र के चार स्तंभों- विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया की तारीफ करते हुए गडकरी ने कहा, एक स्वतंत्र, तटस्थ और निष्पक्ष न्यायिक प्रणाली एक मुक्त एवं निष्पक्ष लोकतंत्र के लिए सबसे बड़ी आवश्यकता है।'' उन्होंने समय को सबसे बड़ी पूंजी बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में कई प्रशासनिक सुधार किए गए हैं।

गडकरी ने कहा, कैबिनेट बैठक के दौरान जब न्यायाधिकरणों और अन्य चीजों पर चर्चा होती है तो मैं अक्सर कानून मंत्री और प्रधानमंत्री से कहता हूं कि निर्णय जो भी हो, फैसले करना न्यायपालिका का अधिकार है और यह किसी के प्रभाव में नहीं होना चाहिए।'' उन्होंने विकास कार्यों के लिए समयसीमा का पालन और देरी की वजहों को दूर करने की भी वकालत की, जिससे देश के हजारों करोड़ रुपये की बचत हो सके। उच्चतम न्यायालय के दो न्यायाधीश न्यायमूर्ति भूषण गवई और न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा तथा महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस भी इस कार्यक्रम में मौजूद थे।

शिवसेना के दोनों गुटों के 53 विधायकों को कारण बताओ नोटिस, एक सप्ताह के अंदर देना होगा जवाब

मुंबई, 10 जुलाई (एजेन्सी)।महाराष्ट्र के सियासी उठापटक के बीच राज्य विधानमंडल सचिव राजेंद्र भागवत ने दोनों पक्षों की शिकायत मिलने पर शिवसेना के दोनों गुटों के 53 विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। सभी को एक सप्ताह के भीतर जवाब देना है। शिवसेना के 53 विधायकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने पर पर महाराष्ट्र विधानमंडल सचिव राजेंद्र भागवत ने कहा कि जब भी हमें कोई आवेदन मिलता है तो हमें उस पर कार्रवाई करनी होती है इसलिए प्रत्येक विधायक को नोटिस जारी किया गया है जिसके खिलाफ आवेदन किया गया था।

इस बीच बताया जा रहा है कि अगले सप्ताह महाराष्ट्र सरकार का मंत्रिमंडल का विस्तार हो सकता है। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने शनिवार को कहा था कि वह उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ विचार-विमर्श के बाद अगले सप्ताह अपने मंत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। साथ ही उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा करने और भाजपा के साथ गठबंधन में अगला चुनाव जीतने का भी भरोसा जताया था। उनका यह बयान दिल्ली में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा से मुलाकात के बाद आया।

शिंदे और फडणवीस ने 30 जून को पदभार ग्रहण किया था। उससे पहले तत्कालीन मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था। इसके पीछे की वजह से शिवसेना में फूट थी। शिवसेना के 40 से ज्यादा विधायकों ने शिंदे के नेतृत्व में बगावत कर दी थी। उनका आरोप था कि सीएम ठाकरे ने हिंदुत्व के मुद्दे से समझौता किया और पार्टी को कमजोर किया।

वहीं, सुप्रीम कोर्ट एकनाथ शिंदे को मुख्यमंत्री बनाए जाने के खिलाफ शिवसेना के उद्धव ठाकरे नीत धड़े द्वारा दायर याचिका पर 11 जुलाई को सुनवाई करेगा। जस्टिस इंदिरा बनर्जी और जस्टिस जेके माहेश्वरी की अवकाशकालीन पीठ मामले को सुनेगा। शिवसेना नेता सुभाष देसाई की ओर से याचिका दायर की गई है। देसाई ने महाराष्ट्र में सरकार बनाने के लिए शिंदे गुट और भाजपा गठबंधन को आमंत्रित करने के राज्यपाल के 30 जून के फैसले को चुनौती दी है। ठाकरे गुट ने तीन और चार जुलाई को हुई विधानसभा की कार्यवाही की वैधता को भी चुनौती दी है, जिसमें सदन में नए अध्यक्ष का चुनाव किया गया था।

महाराष्ट्र में बरसात के मौसम में स्थानीय निकाय चुनाव कराना सुविधाजनक नहीं : सीएम शिंदे

मुंबई, 10 जुलाई (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को कहा कि मौजूदा बारिश के मौसम को देखते हुए राज्य में स्थानीय और निकाय चुनाव कराना सुविधाजनक नहीं होगा तथा राज्य सरकार इस संबंध में निर्वाचन आयोग को सूचित करेगी। राज्य निर्वाचन आयोग ने शुक्रवार को घोषणा की थी कि महाराष्ट्र में 92 नगर परिषदों और चार नगर पंचायतों के लिए चुनाव 18 अगस्त को होगा। इसने कहा था कि पुणे, सांगली, सोलापुर, कोल्हापुर, नासिक, धुले, नंदुरबार, जलगांव, अहमदनगर, औरंगाबाद, जालना, बीड, उस्मानाबाद, लातूर, अमरावती और बुलढाणा जिलों में स्थानीय शहरी निकायों के लिए चुनाव कराया जाएगा।

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने रविवार को आषाढ़ी एकादशी के अवसर पर पंढरपुर शहर के प्रसिद्ध मंदिर में भगवान विट्ठल और देवी रुक्मिणी की पूजा-अर्चना की तथा समाज के प्रत्येक वर्ग की समृद्धि की कामना की। राज्य में होने वाले स्थानीय और नगर निकाय चुनावों के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी बारिश का मौसम है और बारिश के कारण हर चीज की कुछ सीमाएं हैं। शिंदे ने कहा, 'कई जिलों में भारी बारिश हो रही है और कुछ स्थानों पर बाढ़ की स्थिति भी बनी हुई है।

इस स्थिति में हमारी पूरी प्रशासनिक मशीनरी बाढ़ की स्थिति को कम करने और नियंत्रित करने में लगी हुई है।' उन्होंने कहा, 'हम निर्वाचन आयोग से आग्रह करेंगे और बताएंगे कि बारिश के मौसम में चुनाव कराना असुविधाजनक होगा।' आगामी चुनावों में अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आरक्षण के मुद्दे के बारे में पूछे

जाने पर शिंदे ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट इस मुद्दे पर सुनवाई कर रहा है, इसलिए वह इसको लेकर ज्यादा कुछ नहीं कहेंगे। उन्होंने कहा, 'मैंने भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से मुलाकात की थी और उनसे अदालत में राज्य का पक्ष प्रस्तुत करने का आग्रह किया था। मुझे यकीन है कि रद्द किए गए ओबीसी आरक्षण को फिर से बहाल किया जाएगा।'

बागियों में चुनाव लड़ने की हिम्मत नहीं : आदित्य ठाकरे

मुंबई, 10 जुलाई (एजेन्सी)। महाराष्ट्र के पूर्व मंत्री आदित्य ठाकरे ने रविवार को दावा किया कि शिवसेना के जमीनी कार्यकर्ता संगठन के साथ मजबूती के साथ खड़े हैं। आदित्य ठाकरे ने कहा कि पार्टी ने जिन लोगों पर भरोसा किया है, वे उनके साथ 'विश्वासघात' कर रहे हैं।

मुंबई के उत्तरी उपनगर दहिसर में अपनी 'निष्ठा यात्रा' के दौरान के दौरान आदित्य ठाकरे ने कहा कि जो लोग सेना छोड़ना चाहते थे वे चले गए, लेकिन जमीनी स्तर के शिव सैनिकों का उनके पिता और पूर्व मुख्यमंत्री के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ समर्थन जारी है।

शिवसेना विधायक आदित्य ठाकरे ने कहा, 'प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में हमारे पास दो से तीन पुरुष और महिला दुर्जेय शिव सैनिक हैं... जो चुनाव में राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।'

बाद में पत्रकारों से बात करते हुए पूर्व मंत्री ने कहा कि शिवसेना को उन लोगों ने 'धोखा' दिया है जिन पर भरोसा किया। उन्होंने कहा, 'जो लोग जाने से खुश हैं उनमें नए चुनाव का सामना करने की हिम्मत होनी चाहिए। 'मातोश्री' (उपनगरीय बांद्रा में ठाकरे का निजी आवास) के दरवाजे उन सभी के लिए खुले हैं जो वापस लौटना चाहते हैं।'

बता दें कि पिछले महीने एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना के अधिकांश विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बगावत कर दी थी। इस विद्रोह के बाद शिवसेना, राकांपा और कांग्रेस के गठबंधन वाली सरकार गिर गई थी। इसके बाद 30 जून को एकनाथ शिंदे ने मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली जबकि पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उप-मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पार्टी में विद्रोह के बाद उद्धव ठाकरे और मुख्यमंत्री शिंदे के नेतृत्व वाले दोनों गुट खुद के असली शिवसेना होने का दावा कर रहे हैं।

भारत पर हमेशा मां काली का रहा आशीर्वाद : पीएम मोदी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। फिल्म 'काली' से जुड़े पोस्टर विवाद के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को अपने भाषण में मां काली का जिक्र करते हुए कहा कि स्वामी रामकृष्ण परमहंस एक ऐसे संत थे, जिन्होंने मां काली के स्पष्ट दर्शन किए। पीएम मोदी रविवार को स्वामी आत्मस्थानंद के शताब्दी समारोह को संबोधित कर रहे थे।

प्रधानमंत्री ने कहा, 'स्वामी रामकृष्ण परमहंस एक ऐसे संत थे, जिन्होंने मां काली का स्पष्ट दर्शन किया था, जिन्होंने मां काली के चरणों में अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया था। वो कहते थे- ये सम्पूर्ण जगत, ये चर-अचर, सब कुछ मां की चेतना से व्याप्त है। यह चेतना बंगाल की काली पूजा में दिखती है। यही चेतना पूरे भारत की आस्था में दिखती है और जब आस्था इतनी पवित्र होती है तो शक्ति हमारा पथ प्रदर्शन करती है।'

पीएम मोदी ने कहा, 'मां काली का असीमित और असीम आशीर्वाद हमेशा भारत के साथ है। भारत इसी आध्यात्मिक ऊर्जा को लेकर आज विश्व कल्याण की भावना से आगे बढ़ रहा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि स्वामी

विवेकानंद को भी मां काली की जो अनुभूति हुई, उनके जो आध्यात्मिक दर्शन हुए, उसने विवेकानंद में असाधारण ऊर्जा का संचार किया। उनकी बातों में भी मां काली की चर्चा होती रहती थी।

प्रधानमंत्री ने स्वामी आत्मस्थानंद के साथ बिताए समय को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'यह आयोजन कई भावनाओं और यादों से भरा हुआ है। मुझे हमेशा उनका आशीर्वाद मिला है, उनके साथ रहने का अवसर मिला। यह मेरा सौभाग्य है कि मैं अंतिम क्षण तक उनके संपर्क में रहा।'

मोदी ने कहा कि सैकड़ों साल पहले के आदि शंकराचार्य हों या आधुनिक समय में स्वामी विवेकानंद, भारत की संत परंपरा हमेशा 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' का नेतृत्व करती रही है।

डिजिटल इंडिया का उदाहरण लेते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत डिजिटल भुगतान के क्षेत्र में एक विश्व नेता के रूप में उभरा है।

प्रधानमंत्री ने भारत के लोगों को 200 करोड़ वैक्सीन खुराक देने की उपलब्धियों पर भी रोशनी डाली। उन्होंने कहा, 'ये उदाहरण इस बात का प्रतीक हैं कि जब विचार अच्छे होते हैं तो प्रयास पूरा होने में देर नहीं लगती और बाधाएं हमारा रास्ता नहीं रोक सकती।'

श्रीलंका का बहुत बड़ा समर्थक रहा है भारत, आर्थिक संकट के बीच बोले विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेन्सी)। श्रीलंका में जारी आर्थिक संकट के बीच भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि भारत हमेशा से श्रीलंका के लिए खड़ा रहा है। आपको बता दें कि श्रीलंका में जारी आर्थिक संकट के खिलाफ विरोध चरम पर पहुंच गया। एस जयशंकर ने कहा, 'हम श्रीलंका का बहुत समर्थन करते रहे हैं। हम मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। हम हमेशा उनके लिए बहुत मददगार होते हैं।''

केरल में पत्रकारों से बात करते हुए जयशंकर ने कहा, ''वे अभी अपनी समस्याओं के माध्यम से काम कर रहे हैं, इसलिए हमें इंतजार करना होगा और देखना होगा कि वे क्या करते हैं।' यह पूछे जाने पर कि क्या पड़ोसी देश के सामने आने वाली चुनौतियों के कारण शरणार्थी

संकट है। उन्होंने कहा, 'कोई शरणार्थी संकट नहीं है।'

श्रीलंका में शनिवार को बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। आंदोलनकारियों ने राष्ट्रपति गोतबाया राजपक्षे के महल पर धावा बोल दिया। प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे के घर को भी आग के हवाले कर दिया गया। घर में आग लगाने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। विक्रमसिंघे ने घोषणा की है कि नई सरकार के सत्ता में आने के बाद वह पद छोड़ देंगे। राजपक्षे के इस्तीफे पर एक बयान सार्वजनिक किया गया है, जिसके मुताबिक वह 13 जुलाई को औपचारिक रूप से अपने पद को त्याग देंगे।

समाचार एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार 22 मिलियन की जनसंख्या वाले देश पर 50 बिलियन डॉलर से अधिक का कर्ज है। 2027 तक 28 बिलियन डॉलर चुकाने की जरूरत है। इस बीच, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ ने कहा है कि वह देश की स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक : सत्येन्द्र नाथ सिंह एवं मुद्रकः नूतन वर्मा द्वारा प्राइम प्रिंटर्स, प्रिमुला कॉटेज, चर्च रोड, गंगटोक से मुद्रित एवं रतना निवास, मेट्टो प्वाइंट, नेशनल हाईवे 10, गंगटोक (पूर्व सिक्किम) से प्रकाशित।
सम्पादक - सत्येन्द्र नाथ सिंह, कार्यकारी सम्पादक - अश्विनी आनंद, मोबाइल नं. : 9474355832, 9609024017, फोन नं. : 03592-204174, पोस्टल रजि. सं. : WB/SKM/110/07-09, e-mail ID : anugamini@gmail.com